@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार 28 जून 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 228 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का भव्य शुभारंभ, भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा निकले नगर भ्रमण पर

शाह ने अहमदाबाद के श्री जगन्नाथ मंदिर में की मंगला आरती

अहमदाबाद/नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में अहमदाबाद के प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार को मंगला आरती की।

श्री शाह ने अपने परिवार के साथ आज 148वीं रथ यात्रा के पावन अवसर पर यहां भगवान श्री जगन्नाथ की मंगला आरती, पूजा-अर्चना कर भक्तिभाव से दर्शन किए। हर साल आषाढ़ी बीज (दूज) के पावन अवसर पर भगवान जगन्नाथ जी अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकलते हैं।

अहमदाबाद शहर ही नहीं, बल्कि गुजरात और देश भर में लाखों भक्त भगवान जगन्नाथ के लिए गहरी आस्था का प्रतीक है, उनकी रथयात्रा के इस पावन अवसर पर आज अहमदाबाद श्री जगन्नाथ मंदिर के महंत दिलीपदासजी, अखिल भारतीय संत समिति के अध्यक्ष अविचलदासजी, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और सहकारिता राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, स्थानीय विधायक, संत-महंत और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

जगन्नाथ रथ यात्रा पर राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दीं शुभकामनाएं

-विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, कि पवित्र रथ यात्रा के अवसर पर मैं भारत और विदेशों में रहने वाले भगवान जगन्नाथ के भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट करते हुए अपने संदेश में वैश्विक शांति, मैत्री और सद्भाव के लिए प्रार्थना की। उन्होंने पोस्ट करते हुए कहा, पवित्र रथयात्रा के अवसर पर मैं देश–विदेश में रह रहे महाप्रभु जगन्नाथ के भक्तों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ। रथ पर विराजमान बड़े ठाकुर बलभद्र, महाप्रभु श्रीजगन्नाथ, देवी सुभद्रा और चक्रराज सुदर्शन के दर्शन करके लाखों भक्त दिव्य अनुभूति प्राप्त करते हैं। इन ईश्वरीय स्वरूपों की मानवीय लीला ही रथयात्रा की विशेषता है। इस पुण्य अवसर पर महाप्रभु श्रीजगन्नाथ से मेरी यह प्रार्थना है कि पूरे विश्व में शांति, मैत्री और स्नेह का वातावरण रहे।

यह पावन उत्सव सभी के लिए सुख-समृद्धि लाए: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा प्रारंभ होने पर देशवासियों को बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, कि भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन उत्सव सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही कामना है। जय जगन्नाथ! इसके अलावा पीएम मोदी ने अपने वीडियो संदेश में कहा, महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं। जगन्नाथ हैं, तो जीवन है। भगवान जगन्नाथ जनता जनार्दन को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण के लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो में रथयात्रा की खूबियों का भी जिक्र किया और कहा कि रथयात्रा की पूरी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान है। देश के विभिन्न राज्यों में धूमधाम से रथयात्रा निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में निकाली जा रही रथयात्रा अपने–आप में अद्भुत है। इसी के साथ पीएम मोदी आगे कहते हैं, कि इन रथ यात्राओं में जिस तरह से हर वर्ग, हर समाज के लोग उमड़ते हैं, वो अपने आपमें अनुकरणीय है। यह आस्था के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत का भी प्रतिबिम्ब है। इस पावन अवसर पर आप सभी को बधाई।

आसाराम को हाईकोर्ट से मिली राहत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने 2013 में दर्ज हुए दुष्कर्म मामले में आसाराम को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने उसकी अस्थायी जमानत सात जुलाई तक बढ़ा दी है। इस मामले में आसाराम आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। वो चिकित्सा आधार पर जमानत पर है। न्यायमूर्ति इलेश वोरा और न्यायमूर्ति संदीप भट्ट की खंडपीठ ने आसाराम को यह विस्तार इसलिए किया ताकि उनके वकील याचिका को लेकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकें। हाईकोर्ट ने कहा कि मामले की 2 जुलाई को सुनवाई होगी। इससे पहले हाईकोर्ट ने 28 मार्च को दी गई अस्थायी जमानत तीन महीने के लिए बढ़ा दी थी। वह 30 जून को समाप्त हो रही है।

भाषा विवाद पर 5 जुलाई को उद्धव-राज की संयुक्त रैली

-20 साल बाद दोनों मंच पर साथ नजर आएंगे; उद्धव बोले- महाराष्ट्र में लैंग्वेज इमरजेंसी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे 5 जुलाई को मुंबई में संयुक्त रैली निकालेंगे। इससे पहले उद्धव ने 6 जुलाई और मनसे प्रमुख ने 7 जुलाई को रैली निकालने का ऐलान किया था। उधर, एनसीपी (शरद गुट) चीफ शरद पवार ने भी ठाकरे भाइयों को समर्थन दिया है। पवार ने कहा– महाराष्ट्र में कक्षा 1 से हिंदी अनिवार्य नहीं की जानी चाहिए। अगर कोई नई भाषा शुरू की जानी है तो उसे कक्षा 5 के बाद ही शुरू किया जाना चाहिए। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने इसी साल अप्रैल में हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बना दिया था। विरोध के बाद उन्होंने फैसले में बदलाव किया। कक्षा 1 से 5वीं तक पढने वाले स्टूडेंट्स तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी के अलावा भी दूसरी भारतीय भाषाएं चुन सकते हैं।

हिंदी के खिलाफ नहीं, इसे थोपना सही नहीं

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि महायुति सरकार का फैसला राज्य में लैंग्वेज इमरजेंसी घोषित करने जैसा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी हिंदी के भाषा के रूप में विरोध नहीं करती, लेकिन महाराष्ट्र में इसे थोपने के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि ऐसा करके महायुति अपनी राजनीति के लिए मराठी और हिंदी भाषी लोगों के बीच सद्भाव को जहर देना चाहती है। उद्धव ने आगे कहा कि शिवसेना (यूबीटी) सरकार के फैसले के खिलाफ अपना विरोध तब तक जारी रखेगी, जब तक कि इसे वापस नहीं ले लिया जाता।

अमेरिका ने तो गजब कर दिया! एफ-18 में लगने वाला इंजन...पहली बार होगा ऐसा जिसे सुनकर चीन-पाक का सिर चकरा जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अब केवल फाइटर जेट उड़ा नहीं रहा। भारत अब फाइटर जेट का दिल भी खुद बनाएगा और ये कोई छोटा मोटा दिल नहीं बल्कि जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) का एफ 414 टर्बो फैन इंजन है। ये वो इंजन है जो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन जैसे देशों के लड़ाकू विमानों को पंख देता है। अब वही इंजन भारत में बनेगा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की फैक्ट्री में भारतीय हाथों से भारतीय जमीन पर इसका निर्माण होगा। एक वक्त था जब अमेरिका किसी को अपनी सैन्य तकनीक छूने तक नहीं देता था। लेकिन आज एचएएल के चेयरमैन डीके सुनील कह रहे हैं कि भारत और जीई के बीच एफ 414 के टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का 80 प्रतिशत समझौता पूरा होगा। यानी भारत को अब केवल इंजन नहीं मिलेगा बल्कि भारत को वो तकनीक मिलेगी, जिससे इंजन बनता है। ये सिर्फ रक्षा क्षेत्र की डील नहीं बल्कि अमेरिका के भरोसे की मुहर है।

देशभर में सामान्य से 12 प्रतिशत ज्यादा बारिश

* यात्री फंसे, अहमदाबाद-सूरत में बाढ़,
* सडक़ें बनी तालाब...घरों में घुसा पानी
* भोपाल में रोड पर गिरा पेड़, खरगोन में झरना फूटा, मऊगंज में भी बारिश हुई; 10 जिलों में स्ट्रॉन्ग सिस्टम, हैवी रेन का अलर्ट

केदारनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड

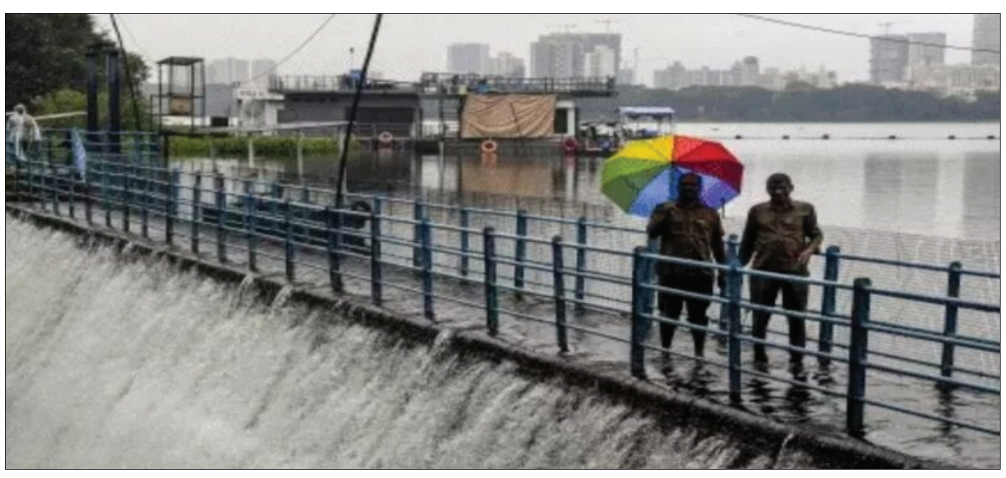

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ/ अहमदाबाद (एजेंसी)। देश में दिल्ली को छोडक़र सभी राज्यों में बारिश हो रही है। अब तक सामान्य से 12.3 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 26 जून तक देश में सामान्य रूप से 134.3 मिमी होनी चाहिए थी, लेकिन 146.6 मिमी हो चुकी है। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों को जंगल के वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित निकाल रही हैं। इस बीच देश में बारिश के चलते मौतों का आकड़ा भी बढने लगा है। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 से ज्यादा लापता हैं। बुधवार को कुल्लू के 5 जगह- जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गड़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटे थे। मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। उत्तर-पूर्वी हिस्से में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) है तो दक्षिणी हिस्से से ट्रफ भी गुजर रही है। इस वजह से शुक्रवार सुबह से भोपाल और मऊगंज में बारिश हुई। भोपाल में 1100 क्वार्टर मंदिर के पास एक पेड़ टूटकर रोड पर गिर गया। खरगोन में लगातार बारिश से कुंदा नदी पर सिरवेल का झरना बह निकला।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ, डोडा और कठुआ जिलों में बादल फटने और तेज बारिश से आई बाढ़ में 2 बच्चों समेत 3 की मौत हो गई है। गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और नवसारी जिलों में बीते 2 दिन से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। सूरत के बाद अब अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी भर गया है। मौसम विभाग के अनुसार, देश के सभी राज्यों में आज बारिश का अनुमान है। पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

छतरपुर में बिजली गिरने से एक की मौत

एमपी में छतरपुर के शिवराजपुरा गांव में बारिश से बचने के लिए खेत की टपरिया में बैठे चार किसान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। इनमें से एक की मौत हो गई और तीन घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

राजस्थान में बूंदी का बरधा बांध लबालब

राजस्थान में बूंदी का बरधा बांध पूरी तरह भर गया है। बांध बूंदी-कोटा हाईवे के बीच में आता है। बड़ी संख्या में बूंदी और कोटा से पर्यटक बारिश के बावजूद यहां पहुंचे हैं।

केदारनाथ हाईवे लैंडस्लाइड से फिर बंद

उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है, जिससे यात्रियों की आवाजाही रुक गई है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों को जंगल के वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित निकाल रही हैं।

कोलकाता के लॉ कालेज में छात्रा से गैंगरेप

गार्ड रूम में हुई वारदात, 3 आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में लॉ कॉलेज की एक छात्रा के साथ गैंगरेप किया गया है। घटना 25 जून की है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों का नाम मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) है। इन तीनों को साउथ 24 परगना के अलीपुर एसीएमजे कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि आगे की जांच के लिए आरोपियों से पूछताछ जरूरी है। पीड़िता की मेडिकल जांच और बयान की प्रक्रिया भी चल रही है। भाजपा ने एक आरोपी मनोजीत मिश्रा के तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने का आरोप लगाया है।

यह वारदात कॉलेज कैंपस में बुधवार शाम 7-30 बजे से रात 8-50 बजे के बीच हुई। गिरफ्तार आरोपियों में दो वर्तमान छात्र और एक पूर्व छात्र शामिल है। दो आरोपी मोनोजित मिश्रा और जैब अहमद को 26 जून को शाम 7-20 और 7-35 बजे के बीच सिद्धार्थ शंकर राय शिशु उद्यान के पास से पकड़ा गया। दोनों के मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। तीसरे आरोपी प्रमित मुखर्जी को 27 जून की रात 12-30 बजे उसके घर से गिरफ्तार किया गया और उसका मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

आरोपी तृणमूल से जुड़ा हुआ

भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक बंगाली न्यूज रिपोर्ट शेयर करते हुए लिखा कि हैरान कर देने वाली घटना! एक महिला लॉ छात्रा के साथ कॉलेज परिसर में गैंगरेप हुआ, आरोपियों में एक पूर्व छात्र और दो कॉलेज स्टाफ शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में एक तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा व्यक्ति भी शामिल है।

महिला आयोग ने कहा- जांच समय से पूरी हो

राष्ट्रीय महिला आयोग ने कोलकाता गैंगरेप मामले में स्वत- संज्ञान लिया है। राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरपर्सन विजया रहाटकर ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा- इस घटना की तुरंत और तय समय में जांच की जाए। भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही कहा कि पीड़िता को मेडिकल, मानसिक और कानूनी मदद दी जाए। भारतीय न्याय संहिता की धारा 396 के तहत मुआवजा भी दिया जाए। आयोग ने तीन दिनों के अंदर इस मामले में की गई कार्रवाई की डिटेल्ड रिपोर्ट मांगी है।

'संविधान इन्हें चुभता है, क्योंकि वो...',

आरएसएस नेता होसबोले के बयान पर भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले द्वारा संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग के बाद भारी राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल करने पर पुनर्विचार करने के होसबोले के कड़े आह्वान पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी नेताओं की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई। पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ट्वीट किया है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि आरएसएस का नक़ाब फिर से उतर गया। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। उन्होंने आगे लिखा कि आरएसएस–भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और ग़रीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा ग़ुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताक़तवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है। आरएसएस ये सपना देखना बंद करे – हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे। हर देशभक्त भारतीय आख़िरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा।

राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री से मुलाकात की, कहा- दोनों पक्षों को सकारात्मक गति बनाए रखनी चाहिए

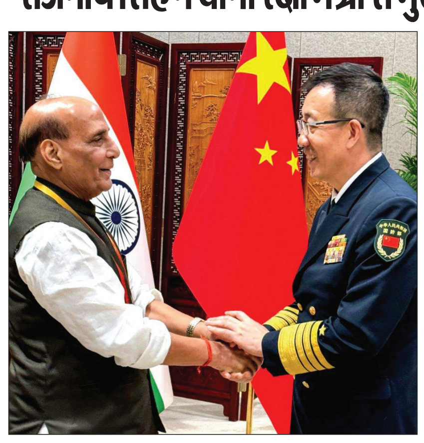

किंगदाओ/नई दिल्ली (एजेंसी)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के दौरान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री डॉन की मुलाकात हुई। राजनाथ सिंह ने खुद इसकी जानकारी दी। बैठक के बारे में जानकारी साझा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। रक्षा मंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने पर खुशी जताई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ÷किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की। हमने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। लगभग 6 साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। दोनों पक्षों के लिए ये जरूरी है कि वो इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जटिलताओं को जोड़ने से बचें।÷

राजनाथ सिंह एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए गुरुवार को चीन पहुंचे। उनके आगमन पर एडमिरल डॉन जून ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह, डॉन जून और अन्य नेताओं ने रक्षा मंत्रियों की बैठक से पहले एक ग्रुप फोटो करवाया।

सर्वसम्मति से चलता है एससीओ, राजनाथ का दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करना सही फैसला: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की तरफ से 'मॉक पार्लियामेंट' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शिरकत की। उन्होंने एससीओ समिट, आपातकाल के दौर और ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात की। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह का एससीओ समिट में दस्तावेज पर साइन नहीं करना सही फैसला है।

जयशंकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एससीओ समिट पर कहा, 'एससीओ का गठन आतंकवाद से लड़ने के उद्देश्य से किया गया था। जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रक्षा मंत्रियों की बैठक में गए और दस्तावेज पर चर्चा हुई, तो एक देश ने कहा कि वे इसमें आतंकवाद का उल्लेख नहीं चाहते। राजनाथ सिंह का सही मत था कि बिना आतंकवाद के उल्लेख के (वो भी तब जब संगठन का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद से लड़ना है) वे इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे। एससीओ सर्वसम्मति से चलता है, इसलिए राजनाथ सिंह ने स्पष्ट कहा कि अगर बयान में आतंकवाद का उल्लेख नहीं होगा, तो हम उस पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने इमरजेंसी पर बात करते हुए कहा, 'मैंने मॉक पार्लियामेंट में इमरजेंसी से जुड़े अपने विचार साझा किए। जिस दौरान देश में इमरजेंसी की घोषणा की गई थी, उस समय मेरी उम्र 20 साल के आसपास थी। हमें युवा पीढ़ी को बताना होगा कि आपातकाल के क्या नुकसान थे? उस दौर में किस तरह से मीडिया पर हमला किया गया। लोकतंत्र और संविधान की हत्या की गई और इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी छवि को बिगाड़ा गया। हम सभी लोगों को इमरजेंसी पर जरूर विचार करना चाहिए। मैंने युवाओं से कहा कि आपातकाल इसलिए लगाया गया, क्योंकि एक परिवार के हित को राष्ट्र हित से आगे रखा गया। आज राष्ट्र के हित को प्राथमिकता दी जाती है।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'संविधान हाथ में रखकर घूमने से कुछ नहीं होता है। संविधान मन में होना चाहिए। कांग्रेस के डीएनए में इमरजेंसी है। आज वो संविधान की बात करते अच्छे नहीं लगते हैं।'

जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सभी दलों के एकजुट होने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत गर्व महसूस होता है, जब मैं शशि थरूर, सुप्रिया सुले, कनिमोझी, संजय झा, जय पांडा, रविशंकर प्रसाद और श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को देखता हूं। जब मैं सभी दलों को एकजुट होकर विश्व पटल पर राष्ट्रीय हित में बोलते देखता हूं, उन्हें ये कहते सुनता हूं कि आतंकवाद स्वीकार्य नहीं है और जब सब एक सुर में कहते हैं हमें आतंक के खिलाफ अपनी रक्षा का अधिकार है, तो मेरे लिए वो गर्व का क्षण होता है।'

उन्होंने कहा, 'हर देश में जहां भी प्रतिनिधिमंडल गया, उन्हें बताया गया कि सबसे प्रभावशाली बात यह थी कि सभी दल एकजुट होकर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। यह हमारे लिए एक महान क्षण था।'

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश के पूर्व चुनाव प्रमुख हबीबुल गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। अवल इस हफ्ते गिरफ्तार होने वाले चुनाव आयोग के दूसरे पूर्व प्रमुख हैं। रविवार रात को उनके पूर्ववर्ती केएम नूरुल हुदा गिरफ्तार हुए थे। पुलिस उपायुक्त तालेबुर रहमान ने कहा, जासूसी शाखा ने अवल को ढाका के मोगबाजार से गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियां पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी की ओर से हुदा समेत 19 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराए जाने के बाद की गईं। इन पर शेख हसीना शासन के तहत 2014, 2018 व 2024 में जनादेश के बगैर आम चुनाव कराने का आरोप है। हसीना ने इन सभी चुनावों में जीत हासिल की थी।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में तीन सरकारी अधिकारी लापता

क्वेटा, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को जिला लेखा अधिकारी समेत तीन सरकारी अधिकारी अपने वाहन के साथ लापता हो गए। सूत्रों ने बताया कि जिला लेखा अधिकारी नवीद जफर खान और दो अन्य सरकारी कर्मचारी टैंक रोड पर हथला इलाके के पास लापता हो गए। अधिकारी कथित तौर पर डेरा इस्माइल खान से ड्यूटी के लिए टैंक जिले की ओर जा रहे थे। पारिवारिक सूत्रों ने पुष्टि की कि खान अपने सहकर्मियों के साथ सरकारी वाहन में यात्रा कर रहे थे, जब उनका संपर्क टूट गया। उनका मोबाइल बंद हो गया है और वे टैंक कार्यालय नहीं पहुंचे। पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। आमतौर पर खैबर पख्तूनख्वा के दक्षिणी जिलों में यात्रा करने वाले सरकारी अधिकारियों को क्षेत्र में आतंकवादी संगठन के गुर्गों द्वारा अपहरण किए जाने का खतरा रहता है।

रूस के ड्रोनों में ईरानी तकनीक का उपयोग

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के शहरों में हाल में रूस के हमलों के बाद मलबे से एक ऐसा रूसी ड्रोन मिला है जो बाकियों से अलग है और इसमें ईरान निर्मित एक नई प्रौद्योगिकी भी पाई गई है। यूक्रेन के एक ड्रोन विशेषज्ञ के अनुसार, इस ड्रोन में एक आधुनिक कैमरा, कृत्रिम मेधा (एआई) से संचालित कम्प्यूटिंग प्लेटफॉर्म और एक रेडियो लिंक है, जिससे कोई व्यक्ति रूस में बैठा-बैठा ही दूर तक इसे संचालित कर सकता है। इसमें ईरान द्वारा निर्मित नई जैमिंग-रोधी प्रौद्योगिकी भी है। इलेक्ट्रॉनिक विशेषज्ञ सेरही बेस्क्रेस्तनोव ने कहा, ज्यादातर रूसी ड्रोन काले हैं लेकिन जो यह नया ड्रोन मिला है, वह सफेद रंग का है। इनमें काफी महंगे उपकरण लगे हैं।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों से झड़प में 14 सैनिकों की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया की सेना ने बताया कि देश के उत्तर-मध्य इलाके के नाइजर राज्य में सैकड़ों बंदूकधारियों के साथ हुई झड़पों में कम से कम 14 सैनिकों की मौत हो गई। सेना की प्रवक्ता अपोलोनिया एनेले ने बताया कि यह घटना मंगलवार को हुई, जब करीब 300 से ज्यादा हथियारबंद लोग मारिगा इलाके के जंगल से निकलकर गांव पर हमला करने की तैयारी कर रहे थे। तभी सेना ने सटीक हमला किया और उन्हें रोकने के लिए अपने सैनिक भेजे। इस झड़प में 10 सैनिक घायल हो गए। सेना ने कहा कि इस ऑपरेशन में दुश्मनों को भी काफी नुकसान हुआ है।

केन्या में प्रदर्शन के दौरान पुलिस से झड़प में आठ लोगों की मौत

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में बुधवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस से झड़प में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 80 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इनमें से कई को गोली लगी है और उनका इलाज चल रहा है। यह प्रदर्शन केन्या में पुलिस की बर्बरता और सरकार की खराब नीतियों के खिलाफ किया गया। केन्या की राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्था, जो सरकार द्वारा चलाई जाती है, ने बताया कि देश के 47 में से 23 जिलों में ये प्रदर्शन हुए। इसमें 400 से ज्यादा लोग घायल हुए और 60 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। ये प्रदर्शन पिछले साल हुए टैक्स विरोध प्रदर्शनों की बरसी पर आयोजित किए गए थे।

मेक्सिको में त्योहार के दौरान गोलीबारी, 12 लोगों की मौत : 20 गंभीर घायल

इरापुआटो/मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के इरापुआतो शहर में मंगलवार रात भीषण गोलीबारी हुई। इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोग घायल हुए हैं। उस वक्त लोग इरापुआतो में सेंट जॉन द बैप्टिस्ट त्योहार के मौके पर सड़क पर नाच-गाना और जश्न मना रहे थे। यह जानकारी स्थानीय प्रशासन ने बुधवार को दी। मरने वालों में से 11 की पहचान हो चुकी है। इनमें 8 पुरुष, 2 महिलाएं और एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। सोशल मीडिया पर हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें लोगों के जश्न मनाने के दौरान गोलीबारी की आवाज सुनी गई।

राष्ट्रपति शिनबाम ने हादसे पर दुख जताया : राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने हमले पर दुख जताया और कहा कि इसकी जांच की जा रही है। इरापुआतो के अधिकारी रोडोल्फो गोमेज सेरवांतेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मेक्सिको मरने वालों की संख्या 12 हो चुकी है और कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इरापुआतो की स्थानीय सरकार ने इस हमले को कायरतापूर्ण बताया और कहा कि सुरक्षा बल जिम्मेदार लोगों की तलाश कर रहे हैं। बुधवार की सुबह घटनास्थल पर खून के धब्बे और गोलियों के निशान अभी भी दिखाई दे रहे थे।

देश के सबसे हिंसाग्रस्त इलाकों में शामिल है गुआनाजुआतो राज्य : राजधानी मेक्सिको सिटी के उत्तर-पश्चिम में स्थित गुआनाजुआतो राज्य देश के सबसे हिंसाग्रस्त इलाकों में से एक बन चुका है। यहां अलग-अलग संगठित अपराध करने वाले गिरोह कंट्रोल के लिए एक-दूसरे से लड़ते रहते हैं। सिर्फ इस साल के पहले पांच महीनों में ही यहां 1,435 हत्याएं दर्ज की गई हैं। यह आंकड़ा किसी भी अन्य राज्य की तुलना में दोगुने से ज्यादा हैं। पिछले महीने भी इसी राज्य के सैन बार्तोलो दे बेरियोस में कैथोलिक चर्च द्वारा आयोजित एक पार्टी में गोलीबारी हुई थी, जिसमें 7 लोगों की जान गई थी।

धार्मिक त्योहार के जश्न के दौरान हुई गोलीबारी : स्थानीय मीडिया के अनुसार, गोलीबारी की घटना उस वक्त हुई, जब लोग एक धार्मिक त्योहार जॉन द बैपटिस्ट के जन्मदिन का जश्न मना रहे थे। लोग एक आवासीय परिसर के आंगन में पार्टी कर रहे थे और म्यूजिक बज रहा था, तभी गोलीबारी शुरू हो गई। सोशल मीडिया पर घटना का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें लोग नाचते हुए दिख रहे हैं और फिर गोलियां चलने लगती हैं। हालांकि, इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है।

राज्य के अन्य हिस्सों में भी इसी दिन पांच और लोगों की हत्या हुई : गुआनाजुआटो राज्य पिछले कई वर्षों से मेक्सिको का सबसे हिंसक क्षेत्रों में से एक रहा है, जहां आपराधिक समूह ड्रग्स और अन्य गैरकानूनी कामों को लेकर आपस में लड़ते रहते हैं। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के अनुसार, इसी दिन राज्य के अन्य हिस्सों में भी पांच और लोगों की हत्या हुई। इसके अलावा, इस साल के पहले पांच महीनों में राज्य में 1,435 हत्याएं हुई हैं, जो किसी भी अन्य राज्य की तुलना में दोगुनी से भी अधिक हैं।

उस समय 60 लोगों की मौत हो गई थी और 20 लोग अब तक लापता हैं। : इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता अगले हफ्ते खत्म हो सकती है। यह जानकारी पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब और अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक के बीच ऑनलाइन बैठक के बाद बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। इस बैठक में दोनों देशों ने व्यापार समझौते को तेजी से पूरा करने पर सहमति जताई। यह समझौता रणनीतिक और निवेश से जुड़े मुद्दों पर आधारित होगा और दोनों देशों के साझा हितों को ध्यान में रखेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा, दोनों देशों ने अब तक की बातचीत पर संतोष जताया और फैसला किया कि व्यापार वार्ता अगले हफ्ते खत्म हो जाएगी। साथ ही यह भी बताया गया कि दोनों देशों के बीच लंबे समय की रणनीतिक और निवेश साझेदारी पर भी बातचीत चल रही है।

ट्रंप ने न्यूयॉर्क के भारतीय मूल के मेयर उम्मीदवार को लेकर जताई नाराजगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क मेयर का डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने जीत लिया है। इसके बाद अब नवंबर में होने वाले मुख्य चुनाव में ममदानी डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से मेयर पद के उम्मीदवार होंगे। ममदानी की जीत पर राष्ट्रपति ट्रंप ने नाराजगी जताई और ममदानी को वामपंथी बेवकूफ बता दिया। ट्रंप ने ममदानी का समर्थन करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेताओं की भी आलोचना की। ट्रंप ने ममदानी की जीत पर जताई नाराजगी ट्रंप ने जोहरान ममदानी की जीत के बाद ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ये आखिरकार हो ही गया, डेमोक्रेट्स ने सीमा पार कर दी है। जोहरान ममदानी एक सौ फीसदी वामपंथी बेवकूफ हैं, उन्होंने अभी डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव जीता है और वे न्यूयॉर्क के अगले मेयर बनने की राह पर हैं। हमने पहले भी चरमपंथी वामपंथी देखे हैं, लेकिन ये बिल्कुल बेतुका है। ममदानी पर निजी हमला बोला ममदानी पर ट्रंप ने निजी हमले भी किए और लिखा कि ममदानी देखने में अजीब लगते हैं और उनकी आवाज भी बहुत कर्कश है। वे बहुत समझदार भी नहीं हैं और कई वरिष्ठ डेमोक्रेटिक नेता उनका समर्थन कर रहे हैं, जिनमें हमारे महान फलस्तीनी सीनेटर चक शूमर भी शामिल हैं। यह हमारे देश के इतिहास की बड़ी घटना है। एक अन्य पोस्ट में डेमोक्रेटिक पार्टी पर तंज कसते हुए ट्रंप ने लिखा कि डेमोक्रेट्स को कम आईक्यू वाली जैस्मीन क्रॉकेट को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना चाहिए।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव को भूमि हेराफेरी मामले में जमानत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की एक अदालत ने बुधवार को पतंजलि योगपीठ से जुड़े भूमि गबन के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल को 3.5 मिलियन नेपाली रुपये की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत समाजवादी) के अध्यक्ष माधव भूमि गबन के मामले से संबंधित अपनी दलीलें पेश करने के लिए विशेष अदालत में उपस्थित थे। एक अधिकारी ने बताया कि अदालत ने आदेश दिया कि वह 3.5 मिलियन नेपाली रुपये की जमानत राशि जमा करने के बाद जा सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में प्राधिकरण के दुरुपयोग की जांच के लिए आयोग (सीआईएए) ने पतंजलि भूमि सौदा मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए उनके और 93 अन्य के खिलाफ एक विशेष अदालत में मामला दर्ज किया था। सीआईएए ने आरोप लगाया कि भारतीय समूह पतंजलि योगपीठ ने भूमि सीलिंग छूट के तहत कावरेपालनचोक जिले में जमीन खरीदी थी। हालांकि, सरकारी रियायत के तहत अधिग्रहित भूमि को 2009 में माधव के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान कैबिनेट स्तर की मंजूरी के साथ बेचा गया था।

नाटो समिट में ट्रम्प बोले- ईरान बहादुरी से जंग लड़ा : अब उसे नुकसान से उबरने की जरूरत, इसलिए ऑयल बेचने से नहीं रोकूंगा

एम्स्टर्डम, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को नीदरलैंड्स में नाटो समिट के दौरान कहा कि ईरान ने जंग में बहादुरी दिखाई। वे ऑयल का कारोबार करते हैं। मैं चाहूं तो इसे रोक सकता हूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि ईरान को जंग के बाद नुकसान से उबरने के लिए ऑयल बेचने की जरूरत है। अगर चीन, ईरान से ऑयल खरीदना चाहते हैं तो हमें कोई दिक्कत नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच अगले हफ्ते बातचीत होगी।

इससे पहले मंगलवार को नाटो समिट के लिए जाते वक्त भी ट्रम्प ने कहा था कि चीन अब ईरान से ऑयल खरीद सकता है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि चीन अमेरिका से भी ऑयल खरीदेगा। हालांकि व्हाइट हाउस अधिकारी ने साफ किया था कि यह ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत का ऐलान नहीं था। बता दें कि ईरान-इजराइल में 12 दिन चली जंग के बाद ट्रम्प ने मंगलवार को सीजफायर का ऐलान किया था।

ईरान के सुप्रीम लीडर एक हफ्ते से सामने नहीं आए : रिपोर्ट

ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर लागू होने के बावजूद देश में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की जनता के सामने गैर-मौजूदगी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक खामेनेई को पिछले लगभग एक सप्ताह से न तो सार्वजनिक रूप से देखा गया है और न ही उनका कोई

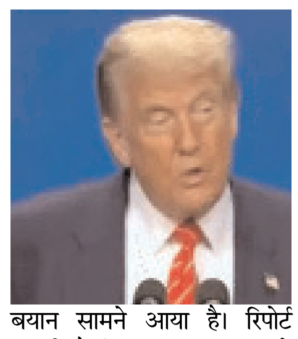

बयान सामने आया है। रिपोर्ट बताती है कि जब 13 जून को इजराइल और ईरान के बीच सीधा सैन्य टकराव शुरू हुआ, तब खामेनेई को सुरक्षा कारणों से छिपा दिया गया था।

ईरान बोला- देश में इजराइल की खुफिया गतिविधियां जारी : ईरान ने इजराइल पर सीजफायर के बावजूद देश के अंदर जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप लगाया है। ईरान के खुफिया मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि इजराइल की जासूसी गतिविधियां देश के भीतर जारी हैं। यह जानकारी ईरानी समाचार एजेंसी फार्स ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक मंत्रालय ने कहा है कि इजराइली एजेंट बड़ी संख्या में ईरानी नागरिकों को फोन कॉल्स कर रहे हैं। इनका मकसद फोन के जरिए जासूसी करना और जानकारी हासिल करना है। मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि इजराइल देश में झूठी खबरें फैला रहा है ताकि लोगों को राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सामंजस्य के खिलाफ भड़काया जा सके।

ट्रम्प बोले- भारत-पाकिस्तान में एटमी जंग का खतरा था, मेरी कोशिशों से रुकी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने के लिए कई फोन कॉल्स किए थे। यह बात उन्होंने नीदरलैंड्स में जारी नाटो समिट के दौरान मीडिया से कही। ट्रम्प ने बताया कि उन्होंने दोनों देशों से कहा कि अगर वे आपस में लड़ेंगे, तो अमेरिका उनके साथ कोई बिजनेस नहीं करेगा। ट्रम्प ने कहा कि पिछले हफ्ते पाकिस्तान के जनरल उनके दफ्तर में थे, और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके अच्छे दोस्त हैं। ट्रम्प ने दावा किया कि उनकी कोशिशों से दोनों देश सीजफायर पर सहमत हुए और संभावित परमाणु युद्ध टल गया।

75 साल बाद मिशिगन झील में विमान की खोज समाप्त, 20 साल से चल रही थी; दुर्घटना में मारे गए थे 58 लोग

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के इतिहास में सबसे भयावह विमान दुर्घटना की 75 साल बाद खोज समाप्त हो गई है। एक समूह ने अब मिशिगन झील में 1950 में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान की खोज को बंद करने का फैसला किया है। इस विमान हादसे में 58 लोग मारे गए थे। यह खोज पिछले 20 साल से चल रही थी। समूह ने खोज में नई सोनार तकनीक का इस्तेमाल कर पानी के विशाल भाग की छानबीन की और एक प्रसिद्ध लेखक क्लाइव कुसलर का भी साथ मिला।

2004 में शुरू हुई थी विमान की खोज : जब नॉर्थवेस्ट ओरिएंट फ्लाइट 2501 दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, तब यह अमेरिका का सबसे भयानक विमान हादसा था। मिशिगन शिपव्रेक एसोसिएशन की कार्यकारी निदेशक वैलेरी वैन हेस्ट ने कहा कि यह खोज 2004 में शुरू हुई थी और अब इसे रोकने का फैसला लेना उनके लिए आसान नहीं था।

झील के 700 वर्ग मील क्षेत्र को खोजा : वैन हेस्ट ने कहा कि एक तरफ मुझे लगता है कि हम नाकाम रहे, क्योंकि

हमें विमान का मलबा नहीं मिला। लेकिन दूसरी तरफ, हमने इस हादसे और मृतकों की याद को जिंदा रखने के लिए बहुत मेहनत की, इसलिए मुझे लगता है कि हमने फिर बी कुछ अच्छा किया है। उन्होंने बताया कि मिशिगन झील के करीब 700 वर्ग मील (1,813 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र को खोजा गया। वैज्ञानिकों का मानना है कि विमान छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट गया और वह कीचड़ में धंस गया, इसलिए सोनार तकनीक से भी मलबा नहीं मिल सका।

23 जून, 1950 की रात न्यूयॉर्क से सिएटल के लिए भरी थी उड़ान : प्रोपेलर से चलने वाले डीसी-4 विमान ने 23 जून, 1950 की रात को न्यूयॉर्क के लागार्डियो एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। इस विमान का गंतव्य सिएटल था और बीच में दो जगह रुकने की योजना थी। अचानक रास्ते में एक तेज तूफान आया और विमान गिर गया। मिशिगन के साउथ हेवन में विमान के कुछ टुकड़े और शरीर के अंग किनारे पर बहकर आए थे। वैन हेस्ट ने कहा कि हमें पता है कि विमान बहुत जोर से पानी से टकराया था और कोई नहीं बच सकता था। उन्होंने इस हादसे पर एक किताब भी लिखी है, जिसका नाम फैटल क्रॉसिंग है।

2017 तक मलबे की खोज के लिए कुसलर ने दिया था पैसा क्लाइव कुसलर, जो साहसिक उपन्यास लिखते थे और पानी के अंदर जहाजों की खोज के लिए प्रसिद्ध थे, उन्होंने 2017 तक जहाज के मलबे की खोज के लिए पैसा दिया। 2020 में उनकी मृत्यु हो गई। कुसलर ने 2018 में लिखा था, मुझे उम्मीद है कि एक दिन इन लोगों के परिवारों को राहत जरूर मिलेगी।

नीदरलैंड्स में ट्रम्प से मिले जेलेंस्की, ट्रम्प बोले- पुतिन से जंग खत्म करने पर बात करूंगा

एम्स्टर्डम, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने नीदरलैंड्स में नाटो समिट के दौरान बुधवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से करीब 50 मिनट तक बातचीत की। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प से वास्तविक शांति और यूक्रेनी जनता की सुरक्षा पर चर्चा की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने हथियारों की सप्लाई, ड्रोन बनाने और रूस के खिलाफ प्रतिबंध पर बात की। ट्रम्प ने कहा कि वे जल्द ही पुतिन से युद्ध खत्म करने की बात करेंगे। वहीं, जेलेंस्की ने बताया कि रूस अभी युद्धविराम के मूड में नहीं है। नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने कहा कि चीन, ईरान और उत्तर कोरिया के समर्थन से रूस तेजी से हथियार बना रहा है, जो नाटो के लिए चुनौती है। उन्होंने पुतिन पर भरोसा न होने की बात भी कही। नाटो ने 2035 तक रक्षा खर्च को जीडीपी का 5 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है, जो ट्रम्प की मांग और रूस के खतरे के जवाब में है। पुतिन ब्राजील नहीं जाएंगे रूस के राष्ट्रपति पुतिन अगले हफ्ते ब्राजील में होने वाले ब्रिक्स समिट में नहीं जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने 2023 में जबरदस्ती यूक्रेनी बच्चों को रूस ले जाने के वॉर क्राइम के आरोप में पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। रूस ने इन आरोपों को खारिज किया है, लेकिन पुतिन आईसीसी सदस्य देशों में गिरफ्तारी के डर से जाने से सावधानी बरतते हैं।

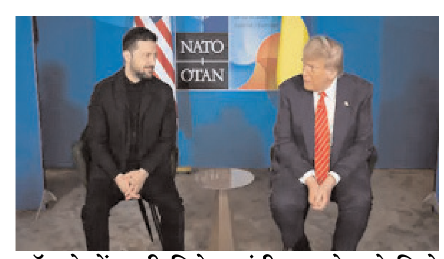

मॉस्को में रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिले कांग्रेस नेता थरूर : मॉस्को, एजेंसी। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बुधवार को रूस की राजधानी मॉस्को में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। यह मुलाकात वहां एक कार्यक्रम के दौरान हुई। रूस की यात्रा पर गए थरूर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मॉस्को में 'प्रिमाकोव रीडिंग्स' कार्यक्रम के दौरान पुराने दोस्त, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मिलकर अच्छा लगा। थरूर भारतीय संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति के प्रमुख हैं। उन्होंने रूस के पूर्व राजदूत एंड्री डेनिसोव से भी मुलाकात की। डेनिसोव अब रूस की संसद की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के उपाध्यक्ष हैं। थरूर ने एक और पोस्ट में लिखा, संयुक्त राष्ट्र और चीन में रूस के पूर्व राजदूत और अब रूसी संसद की अंतरराष्ट्रीय समिति के उपाध्यक्ष, मेरे पुराने मित्र एंड्री डेनिसोव से मिलकर अच्छा लगा।

सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने खारिज की खुफिया रिपोर्ट, कहा- ईरान में परमाणु ठिकानों को बड़ा नुकसान पहुंचा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सेंट्रल इंटेलीजेंस एजेंसी (सीआईए) ने भी उन खुफिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया है कि अमेरिकी हवाई हमले में ईरान के परमाणु केंद्र पूरी तरह से तबाह नहीं हुए हैं। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने कहा कि अमेरिकी हवाई हमलों के बाद ईरान के परमाणु ठिकानों को बड़ा नुकसान पहुंचा है। रैटक्लिफ ने कहा कि हमें खुफिया जानकारी मिली है कि कई प्रमुख ईरानी परमाणु ठिकाने नष्ट हो गए हैं और उन्हें फिर से बनाने में वर्षों लग जाएंगे।

जॉन रैटक्लिफ ने कहा कि सीआईए इसकी पुष्टि करता है कि हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को भारी नुकसान पहुंचा है। सीआईए उचित निर्णयकर्ताओं और निरीक्षण निकायों को पूरी तरह से सूचित रखने के लिए अतिरिक्त विश्वसनीय स्त्रोतों से जानकारी एकत्र कर रहा है। जब भी संभव होगा हम इस मामले के राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए और पारदर्शिता प्रदान करने के हर प्रयास में अमेरिकी जनता को भी जानकारी देंगे।

पूरी तरह नष्ट किया गया ईरान का परमाणु कार्यक्रम : ट्रंप प्रशासन : इससे पहले ट्रंप ने कहा कि ईरान पर किए गए अमेरिकी हमलों से उसके परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका दिया है। वहीं दूसरी ओर, एक प्रारंभिक खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इन हमलों से ईरान को केवल मामूली नुकसान हुआ और उसका परमाणु कार्यक्रम कुछ महीनों के लिए ही रुका। ट्रंप ने कहा, यह एक विनाशकारी हमला था, जिसने उन्हें हिला दिया। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें कुछ भी निकालने का मौका नहीं मिला, क्योंकि

हमने तेज कार्रवाई की। वैसे भी, इस तरह की सामग्री को ले जाना बहुत मुश्किल और खतरनाक होता है। अमेरिकी सांसदों को इस मुद्दे पर गोपनीय जानकारी देने के लिए जो ब्रीफिंग मंगलवार को होनी थी, अब वह गुरुवार और शुक्रवार को होगी। रिपोर्ट में क्या है दरअसल अमेरिकी सरकार के खुफिया विभाग डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि अमेरिकी हमले में ईरान का परमाणु कार्यक्रम बच गया है और ये पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है बल्कि सिर्फ कुछ महीने के लिए पीछे हो गया है। यह जानकारी राष्ट्रपति ट्रंप के उस दावे के पूरी तरह से खिलाफ है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि अमेरिकी हमले में ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से तबाह हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नुकसान जरूर हुआ है, लेकिन वह पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है।

ये भी दावा किया जा रहा है कि ईरान को हमले का अंदेशा हो गया था और उसने परमाणु बम बनाने के लिए यूरेनियम संवर्धन करने वाले सेंट्रीफ्यूज पहले ही सुरक्षित जगह पहुंचा दिये हैं। साथ ही ये भी कहा गया है कि हमले में परमाणु केंद्र के ऊपरी हिस्से को नुकसान हुआ है, लेकिन इसके बावजूद काफी चीजें सुरक्षित बच गई हैं।

बीएलओ की भूमिका अहम- मतदाता सूची से लेकर वोटर स्लिप वितरण तक निभा रहे जिम्मेदारी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री ए.श्रीनिवासन ने कहा कि लोकसभा व विधानसभा चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की अहम भूमिका होती है। त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार करवाने से लेकर मतदाता को वोटर स्लिप पहुंचाने तक बीएलओ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बीएलओ को सशक्त और दक्ष बनाने के लिए नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र चुनाव प्रबंधन संस्थान में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। आज मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने बीएलओ प्रशिक्षण के 13वें बैच का विधिवत शुभारंभ किया। इस बैच में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, मेघालय, नागालैंड और चंडीगढ़ के कुल 379 बीएलओ व सुपरवाइजर शामिल हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बीते तीन महीनों में देशभर के 5000 से अधिक बीएलओ व सुपरवाइज़रों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। यह प्रशिक्षण जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, मतदाता पंजीयन नियम 1960, चुनाव संचालन अधिनियम 1961 और भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप चुनाव प्रक्रिया को बेहतर तरीके से संचालित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। बीएलओ को प्रशिक्षण के दौरान मतदाता पंजीकरण, फार्मों की समीक्षा और चुनावी प्रक्रिया के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी जाती है। प्रशिक्षण में ईवीएम, वीवीपैट, मॉक पोल सहित आईटी उपकरणों के संचालन का तकनीकी प्रदर्शन भी शामिल होता है

मशरूम की खेती से किसानों को आत्मनिर्भर बना रही योगी सरकार

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 27 जून। योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार नये आयाम स्थापित कर रही है। अब सरकार की पहल पर मशरूम की खेती को बढ़ावा देकर प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। प्रदेशभर में इसके तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें राजधानी लखनऊ समेत 08 जिलों में इस प्रॉफिटेबल बिजनेस ने रफ्तार भी पकड़ ली है। विशेष अभियान के तहत किसानों को मशरूम की खेती से जोड़कर न केवल रोजगार दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें तकनीकी व वैज्ञानिक खेती की ओर भी अग्रसर किया जा रहा है। मशरूम की खेती केवल पुरुषों तक सीमित नहीं रही, अब महिलाएं भी इस क्षेत्र में मजबूती से कदम रख रही हैं। मथुरा की गीता देवी और हरदोई की सोनाली सभरवाल प्रदेश की महिलाओं के लिए नई प्रेरणा बन गई हैं। गीता देवी ने ढाई साल पहले मशरूम की खेती की शुरुआत की थी। उन्होंने योगी सरकार के सहयोग से 1 करोड़ 61 लाख रुपये के प्रोजेक्ट की नींव रखी। उन्हें 70 लाख रुपये का लोन मिला और आज मथुरा से लेकर आगरा व दिल्ली तक उनकी उगाई गई मशरूम की सप्लाई हो रही है। गीता देवी के इस प्रोजेक्ट से उन्हें हर साल 20 से 25 लाख रुपये तक की आय हो रही है। वे न केवल आसपास के लोगों के लिए बल्कि अन्य जिलों की महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन गई हैं। सोनाली सभरवाल ने भी हरदोई में मशरूम की खेती को एक मिशन के तौर पर अपनाया है और अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी इसके लिए प्रेरित कर रही हैं। राज्य सरकार तकनीकी और वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के जरिए किसानों को संसाधन और सहयोग दे रही है। इन योजनाओं से किसान न केवल पारंपरिक खेती से आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि हाई प्रॉफिट वाले एग्री बिजनेस को भी अपना रहे हैं। एआईएफ के तहत लाभार्थी agriinfra.dac.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिसमें केंद्र सरकार द्वारा 3 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 3 प्रतिशत ब्याज सहायता प्रदान की जा रही है। मशरूम उत्पादन को लेकर किसानों को ट्रेनिंग, वर्कशॉप और फील्ड विजिट के जरिए पूरी तकनीकी जानकारी दी जा रही है। विशेषज्ञ टीमें किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए लगातार मार्गदर्शन कर रही हैं। इससे उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ किसानों की आमदनी में भी इजाफा हो रहा है। उत्तर प्रदेश में तकनीकी कृषि और महिलाओं की भागीदारी से अब खेती केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और समृद्धि का माध्यम बन चुकी है।

पहेली बनी दिगंबर-विमलेश की मौत, पिता के बयान से उलझा केस

कौमी पत्रिका

डिबाई। यूपी के बुलंदशहर स्थित डिबाई थाना क्षेत्र के गांव तुलसीगढ़ी निवासी दिगंबर (32) का शव सोमवार सुबह कमरे में फंदे से लटका मिला। जबकि, उनकी पत्नी विमलेश बेड पर मृत अवस्था में मिली। सुबह उनके समय से कमरे से बाहर न आने पर पांच वर्षीय पुत्र ने जाकर देखा तो परिजनों को मामले की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। प्रारंभिक जांच में सामने आ रहा है कि महिला की मौत जहर खाने से हुई है। जिसके बाद पति ने फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। हालांकि, अधिकारी पूरी जांच होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होने की बात कह रहे हैं। दौलतपुर चौकी क्षेत्र के गांव तुलसीगढी निवासी रमाशंकर खेतीबाड़ी कर अपना व परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनका बड़ा पुत्र यतेंद्र परिवार सहित गांव में रहता है और छोटा बेटा दिगंबर नोएडा में एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। उन्होंने बताया कि करीब 11 वर्ष पूर्व उनके छोटे पुत्र दिगंबर का विवाह गांव अल्लीपुरा निवासी विमलेश के साथ हुआ था। आए दिन दोनों में मामूली बातों को लेकर कहासुनी भी हो जाती थी। जैसा अमूमन हर पति और पत्नी के बीच होता है। पिता ने आगे बताया कि काफी समय से वह दोनों मकान की ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में अलग रहते थे। परिजनों व ग्रामीणों का कहना है कि रविवार रात करीब आठ बजे वह दोनों खेत से मक्का की फसल निकलवाकर लाए थे। इसके बाद वह दोनों सोने के लिए अपने कमरे में चले गए थे। उनका छह वर्षीय पुत्री अपनी ननिहाल गई हुई थी, जबकि पांच वर्षीय पुत्र मकान के निचले हिस्से में अपने ताऊ के पास सो रहा था। सोमवार सुबह दोनों के न जागने पर बेटा पुनीत ऊपर कमरे में पहुंचा और बेड पर लेटी मां को उठाने का प्रयास किया। लेकिन, उसके न उठने पर पुनीत ने नीचे आकर दादी व अन्य परिजनों को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद परिजन ऊपर पहुंचे तो वहां विलमेश का शव बेड पर पड़ा हुआ था, साथ ही दूसरी तरफ फंदे पर दिगंबर का शव लटका हुआ था। जानकारी पर लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंची। शव उतार कर फॉरेंसिक टीम ने जांच कर साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों ने बताया कि दिगंबर गत शनिवार को ही नोएडा से छुट्टी के चलते वापस आए थे। सोमवार को उन्हें वापस नोएडा जाना था। लेकिन, उससे पहले ही यह मामला घटित हो गया। दंपती की मौत के बाद से उनके बच्चों व अन्य परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर कमरे का बारीकि से निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्हें वहां से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला है। हालांकि, कुछ लोगों से पूछताछ के बाद यह तो लग रहा है कि दोनों ने आत्महत्या की है। लेकिन, एक सवाल अभी भी पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है कि पहले विमलेश या दिगंबर में से किसकी जान गई। कहीं, दिगंबर ने विमलेश को जहर देकर हत्या कर खुद आत्महत्या तो नहीं की। या फिर विमलेश के आत्महत्या करने के बाद दिगंबर ने खुद आत्महत्या कर ली। ये कुछ सवाल जांच के बाद ही जवाब तक पहुंच सकेंगे। दिगंबर का शव कूंदे से फंदे पर लटका मिला, जबकि विमलेश का शव संदिग्ध अवस्था में बेड पर मिला है। दोनों की मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पीड़ित परिवार की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

देशभर के आम उत्पादक किस्म के आमों की लगाएंगे प्रदर्शनी

कौमी पत्रिका

चंडीगढ, 26 जून। हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि पिंजौर के प्रसिद्ध मुगलकालीन यादवेन्द्र गार्डन में पर्यटन विभाग व बागवानी विभाग द्वारा 4 जुलाई से 6 जुलाई तक 32वें मैंगो मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी करेंगे। देशभर के आम उत्पादकों द्वारा सैंक ?ों व विविधता से भरपूर किस्मों का प्रदर्शन मैंगो मेले में किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को मैंगो मेले के शानदार आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने आज कैंप कार्यालय में हरियाणा पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. शालीन व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करके तैयारियों का जायजा लिया व उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा पर्यटन विकास निगम व बागवानी विभाग वर्ष 1992 से यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर में मैंगो मेले का आयोजन कर रहा है। मैंगो मेले के 32वें संस्करण का आयोजन इस बार 4 जुलाई से किया जाएगा, जो 6 जुलाई तक चलेगा। उन्होंने कहा कि देशभर से आम उत्पादक किसान सैक ?ों किस्म के आम लेकर आएंगे और उनकी प्रदर्शनी भी लगाएंगे। पर्यटन विभाग और बागवानी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस वार्षिक कार्यक्रम की शुरूआत देशभर में उगाए जाने वाले आमों की विविधतापूर्ण और समृद्ध किस्मों का जश्न मनाने और किसानों को अपनी उपज दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए की गई थी। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बीते सालों में आम मेला एक क्षेत्रीय उत्सव से ब ?कर अंतरराष्ट्रीय ख्याति के आयोजन में बदल चुका है। मेला न केवल आम की पारंपरिक किस्मों पर प्रकाश डालने के साथ-साथ आमजन को आम की नई प्रजातियों से भी परिचित कराने का ब ?ा माध्यम बनता है। उन्होंने कहा कि आम मेला सिर्फ आमों का उत्सव नहीं है बल्कि यह सभी के लिए गतिविधियों और आकर्षणों से भरा उत्सव है। पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मैंगो मेले की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढे, इसके लिए इसका मीडिया, सोशल मीडिया के माध्यम से बेहतर प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि मैंगो मेले में ढांचागत विकास से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर समय से तैयारी की जाए, ताकि मेले में आने वाले आम प्रशंसकों व पर्यटकों को अच्छा अनुभव मिले। उन्होंने किसानों के लिए आम प्रतियोगिताओं, स्कूली विद्यार्थियों की प्रतियोगिताओं, पुरस्कार वितरण की सुनियोजित व्यवस्था बनाने पर जोर दिया, ताकि किसी को भी असुविधा का सामना न करना प ?े। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि आमजन फूड कोर्ट में देशभर से आए आम उत्पादकों की अलग-अलग किस्मों के आम के स्वाद का आनंद ले सकें, इसके लिए फूडकोर्ट में बेहतर व्यवस्था व स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने दी सौगात

चण्डीगढ, 27 जून। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने घरौंडा के फूरलक रोड पर पौने दो करो ? की लागत से बनने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास करते हुए कहा कि हलके में जिस गति से विकास कार्य हो रहे हैं, इससे अगले कुछ सालों में घरौंडा हलके की सूरत बदल जाएगी। इसका लाभ पूरे हलके की जनता को मिलेगा। श्री हरविन्द्र कल्याण आज घरौंडा में फुरलक रोड पर सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। श्री कल्याण ने कहा कि घरौंडा के विकास कार्यों की बात करें तो शहर में ल ?कियों का स्कूल, पार्कों और बस अड्डे का निर्माण कराया गया। इसके अलावा, न केवल घरौंडा को उपमंडल का दर्जा दिलाया गया बल्कि हलके में 16 स्कूलों को सीनियर सैकेंडरी बनवाया गया, 40 नए पुल और 75 स ?कें बनवाई गईं। इतना ही नहीं अवैध कॉलोनियों को अप्रूव्ड घोषित करवा कर उन में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। नए अस्पतालों के साथ-साथ युवाओं के लिए आईटीआई बनवाई गई। एनसीसी अकेडमी और रिंग रोड का निर्माण कार्य जारी है। मेडिकल यूनिवर्सिटी इसी साल शुरू हो जाएगी। प्रोजेक्ट्स पूरा होने के बाद युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि घरौंडा हलके में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। अब तरक्की की पक्की नींव रखी जा चुकी है। बडे प्रोजेक्ट्स पूरा होने के बाद युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

हरियाणा में मॉडल ऑनलाइन तबादला नीति के तहत नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश

चंडीगढ, 27 जून-हरियाणा सरकार ने मॉडल ऑनलाइन तबादला नीति को अमलीजामा पहनाने के मकसद से नीति के अनुसार, हर विभाग को ग्रुप 'ए' या ग्रुप 'बी' श्रेणी के नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। इन नोडल अधिकारियों को कल यानी 27 जून को प्रात: 10.00 बजे सेक्टर-17, चंडीग ? स्थित न्यू हरियाणा सिविल सचिवालय में प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने के भी निर्देश दिए गए हैं ताकि नई व्यवस्था को सुचारू तरीके चलाया जा सके। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने इस सम्बन्ध में 47 विभागों के 22 प्रशासनिक सचिवों को निर्देश जारी किए हैं। नोडल अधिकारी संयुक्त निदेशक स्तर या उससे ऊपर का होगा, जो ऑनलाइन तबादला नीति के कार्यान्वयन में सम्बन्धित प्रशासनिक सचिव की सहायता करेगा। साथ ही, सरकार ने ऑनलाइन तबादला नीति में शामिल किए जाने या इससे निकाले जाने वाले काडर की सूची भी प्रकाशित करने के निर्देश दिए हैं। नोडल अधिकारी की नियुक्ति और काडर सूची के प्रकाशन का कार्य एचआरएमएस पोर्टल' के माध्यम से किए जाएंगे। इसके लिए विभाग का एडमिन उपयोगकर्ता लॉगिन करेगा। ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी मेनू से नोडल मास्टर एमओटीपी विकल्प चुनेगा, पात्र अधिकारियों की सूची डाउनलोड करेगा, उसमें से उपयुक्त अधिकारी का चयन कर स्वीकृत नोटिंग अपलोड करेगा और ओटीपी सत्यापन के माध्यम से नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करेगा। चयनित अधिकारी दिसंबर 2026 से पहले सेवानिवृत्त नहीं होना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने की जनसुनवाई

चंडीगढ़, 27 जून। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास पर नागरिकों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना। बातचीत के दौरान मंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक मुद्दे को निर्धारित समय सीमा के भीतर हल करने के निर्देश दिए। मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार और नागरिकों को समय पर, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्राप्त करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के हर कोने तक पहुंचें। कोई भी शिकायत अनसुनी या अनसुलझी नहीं रहनी चाहिए। प्रदेश सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को त्वरित, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्रदान करना है।

जिला प्रशासन का रात्रि ठहराव 30 जून 2025 को ग्राम पंचायत जटहेड़ी में

यमुनानगर, 27 जून। नगराधीश पीयूष गुप्ता ने बताया कि हरियाणा सरकार के आदेशानुसार जिला के गांवों में जनता दरबार कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन द्वारा 30 जून 2025 दिन सोमवार को प्रात: 10 बजे उपमंडल छछरौली की ग्राम पंचायत जटहेड़ी के बारात घर में आम जन की सुनवाई के लिए जनता दरबार लगाया जा रहा है तथा सायं 4 बजे रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सीटीएम पीयूष गुप्ता ने बताया कि डीसी पार्थ गुप्ता रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देशों की अनुपालना जिला प्रशासन की ओर से प्रभावी ढंग से की जा रही है। इसी कड़ी में समाधान शिविर के साथ ही रात्रि ठहराव कार्यक्रम भी निरन्तर किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक व व्यक्तिगत समस्याओं को सुन कर उनका समाधान किया जाएगा।

महिला शक्ति की महिमा को हमारी सरकार ने हमेशा सराहा और प्रोत्साहित किया - राजेश नागर

कौमी पत्रिका

चंडीगढ, 27 जून। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर के कहा कि महिला शक्ति की महिमा को हमारी सरकार ने हमेशा से प्रोत्साहित किया है। हमने ला ?ली योजना और ड्रोन दीदी जैसी कई योजनाएं लागू की और पंचायत में महिला आरक्षण को साकार रूप दिया है। श्री नागर आज चंडीग ? में आयोजित इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) के हरियाणा, पंजाब, जम्मू - कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और चंडीग ? के क्षेत्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। इस सम्मेलन में ब ?ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी को सराहते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि यहाँ मौजूद एक - एक महिला देश प्रदेश के विकास की एक मजबूत क ?ी है। श्री नागर ने कहा कि आंक ?े बताते हैं कि भारत में डायरेक्ट सेलिंग का मार्किट अब 22 ह ?ार करो ? रुपए को पार कर चुका है। इस कारोबार से लगभग 88 लाख लोगों का जु ?ना दर्शाता है कि यह उद्योग उन्हें बिना किसी निवेश के रो ?गार तथा आजीविका और आय के वैकल्पिक साधन उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से डिग्री लेकर निकलने वाला युवा वर्ग भी इस कारोबार से जु ? रहा है और इसे एक बेहतर कैरियर के तौर पर देखने लगा है जो कि सराहनीय है। इस अवसर पर श्री नागर ने 50 से अधिक महिला उद्यमियों को डायरेक्ट सेलिंग क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया गया और उन्हें बधाई दी। श्री नागर ने डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया जिसमें उत्पादों में नवाचार और नए उद्योगों की विविधता को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान एक शार्ट फिल्म के माध्यम से डायरेक्ट सेलिंग के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को दर्शाया गया और सक्सेस स्टोरीज के बारे में बताया गया। इस अवसर पर आईडीएसए के चेयरमैन श्री विवेक कटोच ने कहा कि हरियाणा ने वर्ष 2023 - 2024 के दौरान डायरेक्ट सेलिंग क्षेत्र में 1041 करो ? रुपए से अधिक का कारोबार कर पश्चिमीयतर राज्यों में लगातार प्रथम, उत्तरी क्षेत्र में दूसरा और देश में सातवां स्थान बरकरार रखा है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले के प्रधान सचिव श्री डी सुरेश ने कहा कि इस क्षेत्र में बहुत सी सुनहरी संभावनाएं हैं बस थो ?ी मेहनत की ?रूरत है। कार्यक्रम में शिवालिक विकास बोर्ड के कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश देवीनगर भी उपस्थित थे।

नगर निगम क्षेत्र से गुजरने वाली डिचड्रेन व नालों से पानी की निकासी पर विशेष ध्यान दें नगर निगम कर्मचारी

यमुनानगर, 25 जून- शहर व गावों में बरसाती पानी की निकासी को लेकर उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने जिला सचिवालय के सभागार में नगर निगम, सिंचाई विभाग, जन स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, नेशनल हाईवे अथॉरिटी के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर बाढ़ बचाव कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जो 24 घंटे कार्य कर रहा है, जिसका हेल्प लाईन न. 01732-237801 है। उपायुक्त ने कहा कि बरसात अधिक होने के कारण सोम नदी व पथराला नदी में अधिक पानी आया था जो अब कम हो गया है। उन्होंने बताया कि बरसात के कारण 10 पेड़ गिर गए थे जिनको वन विभाग द्वारा सड ?ों से हटाया गया। उन्होंने बताया कि बिजली विभाग ने बताया कि लेदी और तिहम्मों गांव में बरसात अधिक आने पर बिजली के पोल गिर गए हैं जो पानी कम होने पर नए पोल लगाकर बिजली की सप्लाई चालू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि नेशनल हाईवे आथारिटी द्वारा प्रताप नगर में कच्चा नाला बनाकर सड ?ों पर खड़े पानी की निकासी की जा रही है। डीसी ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि बरसात के दिनों में अपने-अपने में पानी की निकासी की समस्या को संबंधित विभाग द्वारा जल्द से जल्द पानी की निकासी करवा कर समस्या का समाधान करें। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने शहर से बरसाती पानी की निकासी को लेकर नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में दो-दो वाटर पंप लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में बरसात अधिक होने के कारण शहर के निचले इलाको में पानी भर गया है उन इलाकों से वाटर पंप के माध्यम से पानी की निकासी जल्द से जल्द की जाएगी ताकि लोगों को जलभराव से राहत मिल सके। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि डिचड्रेन से बरसात के पानी की निकासी में कोई अवरोध उत्पन्न न हो इसके लिए विशेष तौर पर ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जल निकासी में कोई अवरोध उत्पन्न होता है तो उसका तुरंत समाधान करें।

निजी स्कूलों ने बैल्ट, जूते और टाई बेची तो रद्द होगी मान्यता, शिक्षा बोर्ड ने दी चेतावनी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के निजी स्कूलों ने बैल्ट, जूते और टाई बेची तो मान्यता को शिक्षा बोर्ड रद्द करेगा। शिक्षा बोर्ड ने स्कूलों को यह चेतावनी जारी कर दी है। शिकायतों के आधार पर बोर्ड ने सख्ती करने का फैसला लिया है। बोर्ड ने निजी स्कूलों को बोर्ड की ओर से निर्धारित पाठ्य और प्रायोगिक पुस्तकों को पढ़ाने के लिए भी कहा है। हिमाचल प्रदेश के निजी स्कूलों में पाठ्य पुस्तकों को विक्रय करने के साथ-साथ अन्य व्यापारिक गतिविधियों को भी अंजाम दिया जा रहा है। बोर्ड प्रबंधन को लगातार शिकायतें मिली हैं। इन शिकायतों के आधार पर बोर्ड प्रबंधन ने अब निजी शिक्षण संस्थानों के संचालकों को चेतावनी दी है कि शिक्षा बोर्ड जल्द ही स्कूलों को निरीक्षण करेगा। इस दौरान अगर स्कूलों में टाई, बैज, वर्दी, जूते और कापियां आदि संस्थान में विक्रय के लिए पाई जाती हैं तो बोर्ड प्रबंधन अवहेलना करने वाले संस्थान को प्रदान की गई संबद्धता को वापस ले लेगा, जिसका उत्तरदायित्व संबंधित स्कूल प्रबंधन और प्रधानाचार्य का होगा। स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि निजी स्कूलों को बोर्ड की पाठ्य और प्रायोगिक पुस्तकें पढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं और हर संबद्धता प्राप्त स्कूल को इन्हें पढ़ाना अनिवार्य है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Vidyanand Prasad** is purchasing the Plot area measuring 25 sq. yds., i.e., 20.90 sq. mtrs., out of Khasra no. 1077, situated at Chaman Vihar colony in the village Loni Pargana & Tehsil Loni Distt. Ghaziabad, U.P from Mrs. Munni Devi who is the owner of the property vide Sale Deed dated 12.03.2024 which is registered as doc no. 4499,, in SRO Ghaziabad, and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd, .** Public is being warned not to deal with the said document. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048
Contact #011-49774545

NAME CHANGE

I, Shabab Husain s/o Mehandi Husain, R/o 76, 3rd Floor, Block-E, Sector-1, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to Shabab Husain Mansuri permanently

NAME CHANGE

I hitherto known as Sunil alias Dhare S/O Om Prakash, R/O Juggi No-37, Block F-2, Sultanpuri, Sultanpuri C Block, North West Delhi, Delhi 110086 have changed my name and shall hereafter be known as DHARE.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mrs. Sushila W/o Mr. Devendra Pal Singh is the owner of Freehold Residential Vacant Plot area measuring 83.98 Sq. Mtrs., Out of Khasra No. 1343, Situated at Waka Mauja Chata (Out of Town Area) Tehsil Chata, Distt. Mathura, U.P. by virtue of Sale Deed dated 08.06.2020, in the chain Documents below mentioned document not available i.e. Regd. Details of Sale Deed dated 08.06.2020now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Gurgaon, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that our clients Sh. DEVENDER (Aadhar No. 2200 0461 6962) and Smt. Manisha (Aadhar No. 5604 4574 6461) both R/o Gali No. 15, Gotham Colony, Narela, West Delhi-110040, have broken their relationship with their son namely AMIT (Aadhar No. 5850 5248 5271) and their daughter-in-law namely Kumkum and hereby disown and disinherit them from all their moveable and immoveable properties as they have become distrustful, dishonest & disobedient towards our clients and have also developed wayward habits. Anybody dealing with Amit and Kumkum will do so at his/her/their own peril and our clients will not be responsible for any act, deed or dealing done by Amit and Kumkum.

JARNAIL SINGH GULIA
ADVOCATE
CHAMBER NO.743, DWARKA
COURT COMPLEX,
NEW DELHI-110075

NAME CHANGE

I, Shreedhar S/O Raghunandan Prasad Jaiswal, Resident of CMC 4/901, Supertech Capetown, Sector 74, Noida, Uttar Pradesh – 201301,hereby declare that I have changed my name to Shridhar Jaiswal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, D JAYANTHI wife of No-15160696F Rank-HAV Name–SATHYA PRAKASH R permanently residing at VPO-CHENNANGKUPPAM, TEHSIL-K V KUPPAM, DISTT-VELLORE, TAMIL NADU-632209, have changed my name from D JAYANTHI to S JAYANTHI for all future purposes vide Affidavit Dated 27/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, DILEEP KUMAR TEKWANI S/O KISHAN CHAND TEKWANI R/O H.NO-2808, SECOND FLOOR, DLF PHASE -4, GURGAON, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO DILEEP TEKWANI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I RAKESH KUMAR S/O LEELA RAM R/O S-151 KH NO. 29/4, GALI NO. 10, 40 FEET ROAD, SHAHEED BHAGAT SINGH NAGAR, MOHAMMAD PUR MAJRI, PO: KARALA, DIST: NORTH WEST DELHI, DELHI - 110081 declare that name of mine has been wrongly written as RAKESH in my minor daughter's namely SANJANA aged 16 years in her 10th class educational documents and birth certificate no. MCDOLIR-0112-005275378. The actual name of mine is RAKESH KUMAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, HAWA SINGH CHOUDHARY Father of No. 17003299F Rank-NK Name-VINOD KUMAR Presently residing at VILL-MALIYAR JATT, PO-BILASPUR, TEH-TIJARA, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301411, have changed my name from HAWA SINGH CHOUDHARY to HAWASINGH for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 04/03/1973 vide Affidavit dated 14/06/2025 before Executive Magistrate, Rajasthan.

NAME CHANGE

I, SANHLATA DEVI Mother of No. 17003299F Rank-NK Name-VINOD KUMAR Presently residing at VILL-MALIYAR JATT, PO-BILASPUR, TEH-TIJARA, DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301411, have changed my name from SANHLATA DEVI to SNEHLATA for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1975 vide Affidavit dated 14/06/2025 before Executive Magistrate, Rajasthan.

NAME CHANGE

I, Urvashi D/o Daya Kishan R/o H No -70/71 Nihal Colony Part-2 Bajghera Chowk Madan Atta Chakki, Sarai Alawardi Choma(62) Gurgaon Haryana-122017 I have changed my name to Urvashi Kishan

NAME CHANGE

I, SUNITA W/O NARDEV R/O H.NO-328 B,NEAR RAM MANDIR MIAN WALI COLONY GURGAON-122001 HARYANA,HAVE CHANGED MY NAME TO SUNITA YADAV FOR ALL PURPOSE.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती रजनी त्यागी और श्री अतुल त्यागी, संपत्ति संख्या 22 पर निर्मित छह दुकानों के साथ-साथ उन दुकानों के ऊपर बने आवासीय भवन तथा दुकानों के पीछे स्थित खाली भूमि के स्वामी हैं। उक्त भूमि का कुल क्षेत्रफल 6 बिस्वा 7 बिस्वांसी है, जो खसरा संख्या 339/2 का भाग है, और जो ग्राम ओरंगशाहपुर डिग्गी, परगना, तहसील एवं जिला मेरठ में स्थित है। उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी श्रीमती प्रेमवती थीं, जिन्होंने इसे श्री जितेन्द्र सिंह त्यागी से दिनांक 17.10.1974 को रजिस्टर्ड गिफ्ट डीड के माध्यम से प्राप्त किया था। श्रीमती प्रेमवती, श्रीमती रजनी त्यागी और श्री अतुल त्यागी के बीच पारिवारिक विवाद के कारण, यह संपत्ति दिनांक 28.06.2004 को पारिवारिक समझौता ज्ञापन के माध्यम से विभाजित की गई। बाद में, माननीय सिविल जज (सी.डी.), मेरठ की अदालत द्वारा वाद संख्या 1053/2005 में दिनांक 24.02.2006 को उक्त पारिवारिक समझौता ज्ञापन के अनुसार डिग्री पारित की गई। न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुसार (1) श्री अतुल त्यागी, संपत्ति संख्या 22 पर निर्मित छह दुकानों के पीछे स्थित खाली भूमि के स्वामी होंगे। (2) श्रीमती प्रेमवती, श्रीमती आशा त्यागी, श्रीमती निशा त्यागी, श्रीमती मंजू त्यागी एवं श्रीमती अंजू त्यागी (सामूहिक रूप से द्वितीय पक्ष) का उक्त संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं होगा। उन्होंने अपने-अपने हिस्से श्रीमती रजनी त्यागी (बहू/भाभी) और श्री अतुल त्यागी (भाई) के पक्ष में त्याग दिए हैं। वर्तमान में यह संपत्ति आरबीएल बैंक, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के माध्यम से वित्तपोषित (फाइनेंस) की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, KRISHNA MOHAN MANTHENA s/o SRIRAMA MURTY MANTHENA r/o Plot No.-E-108, Fourth Floor, JS Build Tech Bangali Colony, Near Kali Bari, Mahavir Enclave, Palam Village, Delhi,110045 (employed as Senior Manager with Punjab National Bank) declare that name of mine has been wrongly written as MANTHENA N.V.P KRISHNA MOHAN in my service record. The actual name of mine is KRISHNA MOHAN MANTHENA which may be amended accordingly.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **अरुण, पुत्रः श्री डी.वी. सतीजा, निवासीः मकान संख्या डी-5, सेक्टर-30, नोएडा, सेक्टर-39, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.397/2019 दिनांक 09.11.2019 U/S 498A/406/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना विवेक विहार, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **अरुण** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **अरुण** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.397/2019 दिनांक 09.11.2019 U/S 498A/406/34 IPC, थाना विवेक विहार, दिल्ली** के अभियुक्त **अरुण** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए दिनांक **31.07.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार सुश्री मोक्षा बैंस
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
महिला न्यायालय-02, शाहदरा,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/8018/SHD/2025
(अदालती मामला)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सोनीपत में नशा विरोधी अभियान, युवाओं को किया जागरूक

सोनीपत। सोनीपत पुलिस द्वारा नशा मुक्त भारत की दिशा में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराकर खेलों के प्रति प्रेरित किया गया। अभियान के तहत पुलिस ने स्पोर्ट्स ग्राउंड राठधाना और हैंडबॉल अकादमी तिहाड़ मलिक में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। क्राइम यूनिट कुंडली के प्रभारी उप निरीक्षक जितेंद्र ने अपनी टीम के साथ राठधाना में उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि अधिकतर अपराधों की जड़ नशा है। युवाओं में पहले शौक के तौर पर नशे की शुरुआत होती है जो आगे चलकर जानलेवा आदत बन जाती है। उन्होंने शराब, गुटखा, सिगरेट, खैनी, हेरोइन, अफीम जैसे पदार्थों से दूर रहने की अपील की। बताया गया कि नशे की लत से स्वास्थ्य, धन और पारिवारिक सुख-शांति सभी नष्ट हो जाते हैं। थाना मोहाना प्रभारी निरीक्षक मोहन कुमार ने तिहाड़ मलिक गांव की हैंडबॉल अकादमी में खिलाड़ियों से संवाद में कहा कि समाज में बढ़ते अपराधों में नशे की भूमिका अहम है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई नशा करता या बेचता पाया जाए तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। पुलिस द्वारा जागरूकता के साथ युवाओं से संवाद किया गया और उन्हें खेलकूद की दिशा में जीवन संवारने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान निरंतर जारी है।

टाउन वेंडिंग समिति को सफाई रखने की दी नसीहत

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त यश जालुका ने गुरुवार को टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) के सदस्यों के साथ अहम बैठक की। बैठक में फुटपाथ और सडक़ों पर अतिक्रमण रोकने, वेंडिंग एरिया में स्वच्छता बनाए रखने तथा वेंडिंग कार्ट्स के पास दो डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश दिए गए।अतिरिक्त निगमायुक्त ने पॉलीथीन व सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर सख्ती से रोक लगाने की अपील की और कहा कि सभी वेंडर अपना कचरा नगर निगम के सेकेंडरी कलेक्शन प्वाइंट पर ही डालें। साथ ही उन्होंने कचरा कलेक्शन गाड़ी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने वेंडिंग जोन के लिए स्थानों की पहचान में सहयोग की अपील भी की, ताकि रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को व्यवस्थित और सुविधाजनक स्थान मिल सके। बैठक में टाउन वेंडिंग कमेटी के सदस्यों ने भी अपनी समस्याएं रखीं। उन्होंने अनुरोध किया कि इनफोर्समेंट टीम द्वारा उनकी रेहड़ियों को ना तोड़ा जाए और यदि रेहड़ी जब्त की जाए तो रसीद दी जाए। इसके अतिरिक्त, वेंडिंग जोन में पीने के पानी, शौचालय और प्रकाश की उचित व्यवस्था करने की मांग भी की गई।

सेवानिवृत्त आईआरएस देवेंद्र कल्याण हरियाणा के नये राज्य चुनाव आयुक्त होंगे

चंडीगढ़। भारतीय राजस्व सेवा (आइआरएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी देवेंद्र सिंह कल्याण हरियाणा के नए राज्य चुनाव आयुक्त होंगे। धनपत सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद प्रदेश सरकार ने आबकारी एवं कराधान विभाग के पूर्व प्रधान सचिव देवेंद्र सिंह को यह जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश सरकार ने हाल ही में आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल को हटाकर 2004 बैच के आईएएस ए श्रीनिवास को मुख्य निर्वाचन अधिकारी बनाया था। अब मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने नए राज्य चुनाव आयुक्त का नियुक्ति आदेश जारी कर दिया। नए राज्य चुनाव आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र सिंह कल्याण के बड़े भाई हैं। अप्रैल 2023 में प्रतिनियुक्ति पर हरियाणा आए 1990 बैच के आईआरएस अधिकारी देवेंद्र सिंह केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

खनन और बागवानी विभाग में नए पद स्वीकृत

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग, खनन एवं भूविज्ञान विभाग तथा बागवानी विभागों की रिपोर्ट को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। रिपोर्ट में कुल पदों को हटाना, पदों के नाम बदलना, नए पद सृजित करना आदि शामिल है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग में 31533 पद स्वीकृत हैं, जो अब बढ़कर 36381 होंगे। इसी प्रकार विभाग की अनुशंसा पर सफाई कर्मचारियों के सभी पदों में कोई कटौती नहीं की गई है। रेशनलाइजेशन कमीशन ने खनन एवं भूविज्ञान विभाग में

भी 216 नए पद सृजित करने का फैसला किया है। इसके अलावा बागवानी विभाग में 1100 नए पद सृजित करने की सिफारिश की है। हरियाणा रेशनलाइजेशन कमीशन की सिफारिशों को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी। रेशनलाइजेशन कमीशन ने 16 विभागों की रिस्ट्रक्चरिंग के लिए रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी।

हरियाणा में कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू

महिला कर्मियों को मिलेंगी 'एक्स्ट्रा छुट्टियां- मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया फैसला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सेवानिवृत्त व सेवारत कर्मचारियों के हित में फैसला लेते हुए प्रदेश में यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू कर दी है। कर्मचारियों को इसका लाभ एक अगस्त से मिलेगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कर्मचारियों के संबंध में कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में कुल 33 एजेंडे रखे गए थे, जिसमें से 32 को स्वीकृति दी गई है।

प्रदेश के कर्मचारियों को यूनिफाइड पेंशन स्कीम तथा न्यू पेंशन स्कीम में किसी एक का चयन करने का विकल्प दिया गया है। यह योजना केंद्र की तर्ज पर शुरू की गई है। यह पेंशन कर्मचारी की नौकरी के अंतिम 12 महीने की सैलरी के आधार पर तय होगी। इस योजना का लाभ साल 2006 के बाद नौकरी में आए लोगों को मिलेगा। बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा

कि किसी सरकारी कर्मचारी की मौत होने पर परिजनों को दो साल तक उन्हें सरकारी मकान खाली नहीं करना पड़ेगा और परिवार को दो साल के लिए आवास भत्ता मिलेगा। सीएम सैनी ने बताया कि नियमित महिला कर्मचारियों की अतिरिक्त आकस्मिक छुट्टी को 20 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) की महिला कर्मचारियों को भी एक दिन की अतिरिक्त छुट्टी मिलेगी। सरकारी कर्मचारियों के दिव्यांग बच्चों को भी पेंशन का लाभ मिलेगा। मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा रेशनलाइजेशन कमीशन के फैसलों को सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर दी गई है। कमिशन ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। बैठक में कन्या महाविद्यालय खरखौदा को सरकार ने अपने अधीन लेने का फैसला किया है।

हरियाणा सरकार ने एसीबी का नाम बदला

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) का नाम बदलकर राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा करने को स्वीकृति प्रदान की गई। यह निर्णय ब्यूरो की बढ़ती भूमिका और जिम्मेदारियों की व्यापक समीक्षा के बाद लिया गया। हरियाणा में अब एसीबी का नया नाम राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा होगा। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार ब्यूरो के दोहरे फोकस को बेहतर ढंग से दर्शाता है। भ्रष्टाचार से निपटना और प्रशासनिक ढांचे के भीतर सतर्कता सुनिश्चित करना। ब्यूरो की जिम्मेदारी केवल भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों से कहीं अधिक है। इसमें व्यापक सतर्कता ढांचा भी शामिल है। ''सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक'' का संयुक्त नामकरण इसके कार्यों के पूर्ण दायरे को दर्शाता है, जिसमें विभिन्न सरकारी विभागों में कदाचार, भ्रष्टाचार और पारदर्शिता के मुद्दों की जांच शामिल है। अन्य राज्यों में इसी तरह की एजेंसियों के नामकरण की समीक्षा से पता चला कि हिमाचल प्रदेश, केरल और मणिपुर सहित कई राज्य ''सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो'' जैसे शीर्षक का उपयोग करते हैं। हरियाणा ब्यूरो का नाम बदलकर समान शीर्षक रखने का उद्देश्य राज्य को राष्ट्रीय रुझानों के साथ जोडऩा है, जिससे पूरे देशभर में अधिक एकरूपता और स्थिरता को बढ़ावा देना है। प्रस्तावित नामकरण ब्यूरो की विभिन्न परिचालन शाखाओं के बीच तालमेल को भी बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करता है।

सीएम फ्लाइंग का बंद फैक्ट्री पर छापा, बिना लाइसेंस के 640 किलोग्राम केमिकल बरामद

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री उड़नदस्ते (सीएम फ्लाइंग) की टीम ने बरवाला के मॉडल टाउन कॉलोनी में स्थित एक बंद पड़ी फैक्ट्री पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में टीम ने करीब 640 किलोग्राम केमिकल बरामद किया, जिसे बिना वैध लाइसेंस के वहां स्टोर किया गया था। मामले में आरएस हेल्थकेयर के विनय कुमार के खिलाफ बरवाला पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।सीएम फ्लाइंग द्वारा की गई इस छापेमारी का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने किया। उनके साथ बीडीपीओ राहुल श्योकंद, पशुपालन विभाग के डॉक्टर राजेश कुमार और बरवाला पुलिस टीम मौजूद रही। सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि मॉडल टाउन कॉलोनी के वार्ड नंबर 12 में आरएस हेल्थकेयर नाम से एक फैक्ट्री में अवैध रूप से केमिकल

स्टोर किया गया है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचने पर मकान बंद मिला, जिसके बाद मकान मालिक विनय कुमार और पार्षद को बुलाया गया। ताला खोलने के बाद टीम ने फैक्ट्री की गहन तलाशी ली, जहां से 6 छोटे-बड़े ड्रमों में करीब 640 किलोग्राम केमिकल बरामद हुआ।पूछताछ में विनय कुमार ने बताया कि उन्होंने फैक्ट्री लगभग छह महीने पहले बंद कर दी थी। जब सीएम फ्लाइंग टीम ने लाइसेंस की मांग की, तो वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में सामने आया कि आरएस हेल्थकेयर को 2022 तक पशुपालन विभाग से लाइसेंस मिला था, लेकिन उसके बाद ना तो उसका नवीनीकरण हुआ और ना ही नई अनुमति ली गई।छापेमारी की सूचना मिलते ही बरवाला थाना प्रभारी दलबीर सिंह भी मौके पर पहुंचे। डॉक्टर राजेश कुमार की शिकायत पर बरवाला निवासी विनय कुमार के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। बरामद केमिकल के सैंपल भरकर जांच के लिए लैब में भेजे जा रहे हैं। सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने कहा कि प्रदेश सरकार की हिदायतों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति बिना लाइसेंस के न तो दवाइयां बना सकता है और न ही स्टोर कर सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने में पंचगव्य उत्पाद महत्वपूर्णः पूरन यादव

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां कार्टरपुरी स्थित कामधेनु धाम गौशाला में गुरुवार को पंचगव्य से 16 उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षण लेने वालों को सर्टिफिकेट वितरित किए गए। राजस्थान से आए पंचगव्य उत्पाद प्रशिक्षक घनश्याम मीणा ने 16 पंचगव्य उत्पादों का प्रशिक्षण दिया, जिसमें तीन प्रकार के गोमूत्र अर्क, पंचगव्य, पंचगव्य घृत, लाल दंत मंजन, अमृत धारा, केश शैंपू, फेस पैक, बर्तन बार, तेल, धूपबत्ती, साबुन नश घृत, मोबाइल रेडिएशन रोधी चिप, हर्बल, जीवाणु नाशक स्प्रे आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर गौसेवा आयोग के वाइस चेयरमैन एवं शिविर के संयोजक पूरन यादव लोहचब ने कहा कि पंचगव्य उत्पाद आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हजारों लोगों को रोजगार मिला है और लाखों लोगों को स्वास्थ्य लाभ भी हो रहा है। पूरन यादव लोहचब ने कहा की गोवंश आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने और जो प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें अब स्वरोजगार हेतु यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा आप जो भी उत्पाद बनाएंगे उसकी विपणन और मार्केटिंग में हम सहयोग करेंगे।उन्होंने कहा कि हमारे देश के ऋषि मुनियों वैज्ञानिकों ने कहा कि गाय के गोबर में लक्ष्मी का वास है धीरे-धीरे यह सिद्ध होता जा रहा है। मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में केवल गाय का गोबर ही उपयोगी है। भविष्य में गाय के घी से भी अधिक उपयोगी गाय का गोबर सिद्ध होगा और यह ऊर्जा का भविष्य में प्रमुख स्रोत बनेगा।

जिस अस्पताल में बचपन बीता, खेले, वहां पहुंचे डिप्टी डायरेक्टर बनकर, किया निरीक्षण

एजेंसी

हिसार। कहावत है कि जब बेटे को मां की गोद मिलती हैं तो उसे एक अजीब सा सूकून मिलता है। ऐसा ही एक दृश्य उकलाना मंडी के सरकारी अस्पताल में देखने को मिला जब इस अस्पताल में पला बढ़ा बालक सुरेश भौंसले 22 वर्ष के अंतराल के बाद नेशनल हेल्थ मिशन के डिप्टी डॉयरेक्टर के रुप में निरीक्षण के लिए इसी अस्पताल में पंहुचा। उनके साथ मिशन के डॉ. चंद्र शेखर भी थे।डॉ. भौंसले का यह दौरा हांलाकि एक विभागीय ड्यूटी का हिस्सा था मगर जैसे ही अस्पताल में सेवारत अटेंडेंट कृष्ण सेन ने स्टाफ को जानकारी दी कि हमारे साहब का बचपन इसी अस्पताल में गुजरा है तो उपस्थित स्टाफ ने माहौल को घर जैसा बना दिया। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवि चौहान, चिकित्सा अधिकारी डॉ. बिंटू, नर्सिंग स्टाफ से सुशीला देवी, मीनू, कविता, अंग्रेज एवं रामेश्वर ने डॉ. भौंसले का अपने लाडले की तरह स्वागत किया। परिजनों जैसा

स्टाफ से दुलार मिलने पर डॉ. भोंसले भावुक हो गए। उन्होंने अस्पताल परिसर का गहराई से निरीक्षण किया और उस कवार्टर में भी गए जहां उनका बचपन गुजरा था। घर को देख उनकी आंखों में पानी भी छलक आया। यहां बता दें कि डॉ. भौंसले के पिता तेलूराम एवं माता फूली देवी इसी अस्पताल में सेवारत थे। इसी अस्पताल के परिसर में उस खेल के मैदान में भी गए जहां बहन कमलेश एवं अनीता के साथ खेल खेलते थे। डॉ. भौंसले ने यहां अपनी ड्यूटी का निर्वहन करते हुए अस्पताल की खामियों बारे प्रभारी को निर्देश जारी किए और स्टाफ को लापरवाही के प्रति सचेत किया।

तीन दिवसीय मैंगों मेला चार जुलाई से, मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

चंडीगढ़। विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने बताया कि पिंजौर के प्रसिद्ध मुगलकालीन यादवेन्द्र गार्डन में पर्यटन और बागवानी विभाग द्वारा चार से छह जुलाई तक 32वें मैंगो मेले का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे। देशभर के आम उत्पादकों की सैंकड़ों व विविधता से भरपूर किस्मों का प्रदर्शन मैंगो मेले में किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को मैंगो मेले के आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। डॉ. शर्मा ने कैंप कार्यालय में हरियाणा पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक डॉ शालीन और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करके तैयारियों का जायजा लिया व उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि हरियाणा पर्यटन विकास निगम और बागवानी विभाग वर्ष 1992 से यादवेन्द्र गार्डन, पिंजौर में मैंगो मेले का

आयोजन कर रहा है। मैंगो मेले के 32वें संस्करण का आयोजन इस बार चार से छह जुलाई तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देशभर से आम उत्पादक किसान सैकड़ों किस्म के आम लेकर आएंगे और उनकी प्रदर्शनी भी लगाएंगे। पर्यटन और बागवानी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस वार्षिक कार्यक्रम की शुरूआत देशभर में उगाए जाने वाले आमों की विविधतापूर्ण और समृद्ध किस्मों का जश्न मनाने और किसानों को अपनी उपज दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए की गई थी। मेला न केवल आम की पारंपरिक किस्मों पर प्रकाश डालने के साथ-साथ आमजन को आम की नई प्रजातियों से भी परिचित कराने का बडा माध्यम बनता है।

सीडीएलयू को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगाः कुलपति

एजेंसी

सिरसा।चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि सीडीएलयू को शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। कुलपति प्रो. विजय कुमार पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें व्यवहारिक रूप से दक्ष बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने बताया कि सीडीएलयू प्रदेश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय है जिसने स्नातक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी रूप से लागू किया और अब सत्र 2025-26 से परास्नातक स्तर पर भी एनईपी को पूरी तरह से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत की मांग के अनुरूप कोर्सेज की मैपिंग हेतु विशेषज्ञों की एक समिति गठित की गई है, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर डिमांडिंग कोर्सेज की सूची तैयार करेगी। यह सूची न केवल स्थानीय बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी। प्रो. कुमार ने

बताया कि शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें समाज से जोड़ा जाएगा ताकि छात्रों द्वारा किए गए शोध कार्यों से जनसामान्य को भी लाभ मिल सके। सभी प्राध्यापकों और नॉन-टीचिंग स्टाफ को अकादमिक और एक्शन प्लान प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है। प्रो. विजय कुमार ने कहा कि इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देना, नवाचार को संस्थागत स्वरूप देना और विद्यार्थियों के लिए आधुनिक, व्यावसायिक और समाज उपयोगी शिक्षा का वातावरण बनाना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को इंटर्नशिप की व्यापक सुविधा दी जाएगी और ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा ताकि उन्हें बेहतर रोजगार अवसर मिल सकें। विश्वविद्यालय में रिसोर्सेज की साझा उपयोगिता को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स में यूजी और पीजी की कुल 1926 सीटों तथा यूनिवर्सिटी स्कूल फॉर ग्रेजुएट स्टडीज में 640 सीटों पर दाखिला प्रक्रिया जारी है। विभिन्न पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि 7 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।

एमडीयू चलाएगा तीन पखवाड़ों तक पौधरोपण अभियान, दो लाख से अधिक छात्र होंगे सहभागी

एजेंसी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) आगामी तीन पखवाड़ों तक सघन पौधरोपण अभियान चलाएगा। इस अभियान में विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध कॉलेजों के दो लाख से अधिक छात्र सक्रिय रूप से भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने आज एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान दी। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य हरियाली को बढ़ावा देना, पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना और छात्रों में प्रकृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। उन्होंने बताया कि पौधरोपण केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं होगी, बल्कि यह एक दीर्घकालिक पर्यावरणीय जिम्मेदारी का रूप लेगी। कुलपति ने बताया कि यह अभियान जुलाई महीने में प्रारंभ होगा और चरणबद्ध ढंग से आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में एक जुलाई से 15 जुलाई तक पौधरोपण अभियान आयोजित किया जाएगा, जो दिव्यांगों को समर्पित रहेगा। दूसरा चरण में 16 से 30 जुलाई तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के-एक पेड़ मां के नाम अभियान को समर्पित रहेगा। तीसरा चरण 31 जुलाई से 14 अगस्त तक नशा मुक्त घर अभियान को समर्पित रहेगा।

नशे को जड़ से मिटाने के लिए समाज का हर व्यक्ति दें योगदान : एसपी

एजेंसी

सिरसा। अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर सिरसा के पंचायत भवन में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशा मुक्त युवा - सशक्त राष्ट्र जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कर्ण लढ़ा द्वारा निर्देशत लघु नाटक नशा एक अभिशाप के माध्यम से नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया।इस मौके पर सिरसा के पुलिस अधीक्षक डा. मयंक गुप्ता ने कहा है कि नशे को तभी खत्म किया जा सकता है, जब इसे जड़ से उखाडऩे के लिए समाज का हर व्यक्ति योगदान दें। उन्होंने कहा कि हमारे समाज की पुरानी परंपरा कहीं भी गलत दिखे तो रोक देने की रही है। नशे को खत्म करने में यही कल्चर काम आएगा कि खुद के साथ पड़ोस के बच्चों को भी नशे की प्रवृति से दूर रखने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि युवा नशे से तब दूर होगा, जब उसके अभिभावक ध्यान देंगे और वह किसी ऐसी संगत में न पड़े जो उसे गलत दिशा में ले

जाए। बच्चे को शुरू से ही पढ़ाई और खेलकूद की ओर आगे रखें। प्रशासन द्वारा नशे पर रोकथाम के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. मयंक गुप्ता ने यह भी कहा कि नशे के दुष्परिणाम हर कोई जानता है, लेकिन फिर भी नशा उन्नमूलन का कार्य पूरी तरह पूरा नहीं हो रहा। उन्होंने आह्वान किया कि हर व्यक्ति इस दिशा में काम करें, तभी हम नशा मुक्त समाज का निर्माण कर पाएंगे। अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत ने कहा कि नशा मुक्ति की दिशा में प्रशासन समाज के सहयोग से लगातार काम कर रहा है। सभी को मिलकर नशे के खिलाफ अब मुहिम को बड़े स्तर पर चलानी होगी। प्रशासन ऐसी हर मुहिम में साथ खड़ा नजर आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नशा मुक्त समाज के लिए अभिभावक से लेकर समाज के हर व्यक्ति को अपना दायित्व निभाना होगा। इस दौरान युवा नमन कुमार ने नशे की दलदल में फंसने और बाहर निकलने के बारे में बताते हुए कहा कि नशे को छोड़ा जा सकता है और यह दृढ निश्चय से ही संभव है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर नशा मुक्ति केंद्रों के संचालकों, कई ग्राम पंचायतों और कार्यक्रम में शामिल स्कूली बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों व अन्य गणमान्य को भी सम्मानित किया गया।

पांच गांवों का मालिकाना हक देने की मांग पर सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

हिसार। बीड़ क्षेत्र के पांच गांवों की पुरानी संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने पांचों गांवों को मालिकाना हक देने, विकास कार्य करवाने के लिए 35 से 50 एकड़ तक भूमि उपलब्ध करवाने, सरकार द्वारा तय किए गए रेट कम करने व सभी गांवों का दोबारा सर्वे करवाकर फिते से पैमाइश करवाने आदि मांगों को लेकर मंत्री व विधायकों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।गांव ढंढूर के पूर्व सरपंच मनोज शर्मा ने गुरुवार को बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने आदमपुर हलका से विधायक चंद्रप्रकाश, नलवा हलका से विधायक रणधीर पनिहार, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा व हिसार की विधायक एवं पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल के प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। उन्होंने बताया कि उक्त सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की गई है कि पांचों गांवों के लोगों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलवाया जाए और हमारी मांगों को जोरदार तरीके से उठाया जाए, ताकि हमारी समस्या का समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि इन पांचों गांवों की स्थापना 1955 में हुई थी। इनमें पीरांवाली, ढंढूर बीड़, सी ब्लॉक चिकनवास (झिड़ी), बीड़ बबरान, पक्की डिग्गी ताल शामिल हैं। इनकी पहले एक ही पंचायत होती थी, लेकिन अब पांच चुनी हुई पंचायत हैं, जो काम कर रही हैं। इन गांवों में ग्राम सचिवालय, सरकारी स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, बिजली व पानी की आपूर्ति व शमशान भूमि मौजूद है। उन्होंने बताया कि इन गांवों की लगभग 30 हजार की जनसंख्या है और 80 से 90 प्रतिशत लोग अस्थाई रोजगार में हैं और इनमें से अधिकतर दलित परिवार हैं। उन्होंने बताया कि सरकार अब इन गांवों में 2 से 4 हजार रुपए तक के रेट तय कर पैसे भरवाने की तैयारी में है, जो इनके लिए काफी अधिक हैं। इन गांवों के गरीब लोग इतनी रकम जमा नहीं करवा सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व जिला पार्षद कामरेड सुरेश कुमार, सरपंच प्रतिनिधि सुमित, जगदीश मंत्री, पूर्व सरपंच गुरदयाल, रोहतास पोसवाल, राजकुमार पूर्व पंच, ब्लॉक समिति सदस्य अनुपाल भुक्कल, पूर्व सरपंच मनोज शर्मा, टेकचंद नागर, ओमप्रकाश ठेकेदार, सुरेंद्र इंदौरा व दिलदार सिंह शामिल रहे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुक्रवार को 17 पैसे बढ़कर 85.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि गुरुवार को यह 85.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। जनवरी 2023 के बाद से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करने के लिए रुपया सप्ताह में 1.3 फीसदी बढ़ा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के मजबूत निवेश और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 23 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.49 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और डॉलर के थोड़ा मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त हालांकि थोड़ी थम गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.50 पर खुला। फिर 85.49 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.70 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 97.24 पर आ गया।

महिंद्रा लाइफस्पेस को मुंबई में पुनर्विकास परियोजना का ठेका मिला

1,250 करोड़ रुपये राजस्व हासिल करने का लक्ष्य

मुंबई।

रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड को मुंबई के मुलुंड में एक आवासीय सोसाइटी पुनर्विकास परियोजना का ठेका मिला है। उसे इससे करीब 1,250 करोड़ रुपये की आय की उम्मीद है। महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स, महिंद्रा समूह की रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा विकास इकाई है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को सूचना दी कि उसे मुंबई के मुलुंड (पश्चिम) में एक प्रीमियम आवासीय सोसाइटी के पुनर्विकास के लिए चुना गया है। इसमें कहा गया कि यह परियोजना 3.08 एकड़ भूमि पर फैली है और इसका अनुमानित विकास मूल्य करीब 1,250 करोड़ रुपये है।

भारत ने पंजाब से दोहा और दुबई को 1.5 टन लीची का निर्यात किया

नई दिल्ली।

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने शुक्रवार को बताया कि भारत ने इस महीने पहली बार 23 जून को पंजाब के पठानकोट से दोहा के लिए एक टन गुलाब-सुगंधित लीची की पहली खेप और दुबई के लिए इसी फल की 0.5 टन की खेप को रवाना करने में मदद की। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान पंजाब का लीची उत्पादन 71,490 टन रहा, जो भारत के कुल लीची उत्पादन का 12.39 प्रतिशत हिस्सा है। इसी अवधि में भारत से कुल 639.53 टन लीची का निर्यात किया गया। सरकार, फलों और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। 2024-25 में ये निर्यात सालाना आधार 5.67 प्रतिशत बढ़कर 3.87 अरब डॉलर हो गया। भारत के फलों के निर्यात में आम, केले, अंगूर और संतरे का दबदबा है। चेरी, जामुन और लीची अब देश से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने वाली स्वदेशी वस्तुओं की बढ़ती सूची में शामिल हो गई हैं।

ताइवानी दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन भारत में करेगी 2.2 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली।

ताइवानी दिग्गज कंपनी होन हाई प्रेसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड (फॉक्सकॉन) को ताइवान सरकार से भारत और अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर की राशि निवेश करने की मंजूरी मिल गई। फॉक्सकॉन को मंजूरी ऐसे समय पर मिली है, जब वह चीन से बाहर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का विस्तार कर रहा है। भारत सरकार की मेक इन इंडिया और पीएलआई जैसी पहल बड़ी संख्या में विदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को आकर्षित कर रही हैं और इससे देश में तेजी से मैन्युफैक्चरिंग बढ़ी है और रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फॉक्सकॉन को भारत और अमेरिका में 2.2 अरब डॉलर से अधिक की दो अहम निवेश योजनाओं के लिए विनियामक अनुमोदन प्राप्त हुआ है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक मिनिस्ट्री ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स (एमओईए) के तहत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट रिव्यू ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग दिग्गज की निवेश योजना को मंजूरी दे दी है। डिपार्टमेंट ने कंपनी की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड में पूंजी बढ़ाने के उद्देश्य से 1.49 अरब डॉलर के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

कंपनी की सिंगापुर स्थित यह इकाई, युजान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करेगी, जो भारत में फॉक्सकॉन की सब्सिडियरी के तहत काम करने वाली एक अन्य इकाई है।

प्रमुख ऐप्पल आईफोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ने अपने भारतीय ऑपरेशंस में 1.48 अरब डॉलर का निवेश किया है। यह वर्तमान में स्मार्टफोन डिस्प्ले मॉड्यूल को असेंबल करने के लिए श्रीपेरंबुदूर में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा रही है।

फेयरफैक्स के वरिष्ठ सलाहकार बने अमिताभ कांत

नई दिल्ली।

कनाडा के अरबपति प्रेम वत्स की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड ने नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताभ कांत को वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। फेयरफैक्स ने बयान में कहा कि जी-20 के पूर्व शेरपा कांत की आर्थिक वृद्धि, नवाचार और सतत विकास में व्यापक विशेषज्ञता से भारत में कंपनी के दीर्घकालिक निवेश दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है। केरल कैडर के 1980 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी कांत को जुलाई 2022 में भारत का जी20 शेरपा नियुक्त किया गया था। उन्होंने 45 वर्ष की अपनी सरकारी सेवा के दौरान कई कार्यभार संभाले। फेयरफैक्स एक होल्डिंग कंपनी है, जो अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से मुख्य रूप से संपत्ति और दुर्घटना बीमा तथा पुनर्बीमा के साथ-साथ संबंधित निवेश प्रबंधन में लगी हुई है।

यामाहा जल्द लांच करेगी नया एफझेड-एस एफआई हाइब्रिड वर्जन

नई दिल्ली।

भारत में यामाहा एक नई मोटरसाइकिल लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में यामाहा ने एक नए एफझेड मॉडल के डिजाइन का पेटेंट कराया है, जिससे संकेत मिलते हैं कि जल्द ही एक नया वेरिएंट बाजार में दस्तक दे सकता है। पेटेंट किए गए इस डिजाइन में फ्यूल टैंक पर पारंपरिक फैंसी स्टाइलिंग एलिमेंट्स की जगह एक सादा और कार्यकुशल डिजाइन नजर आता है। माना जा रहा है कि यह नया मॉडल यामाहा एफझेड-एस एफआई हाइब्रिड का एक किफायती संस्करण हो सकता है, जिसमें कुछ प्रीमियम फीचर्स को हटाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नई बाइक में टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे फीचर्स नहीं होंगे, जिससे इसकी कीमत को नियंत्रण में रखा जा सके। गौरतलब है कि यामाहा एफझेड-एस एफआई हाइब्रिड भारत की पहली 150सीसी मोटरसाइकिल है जो हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ आती है। इसमें 149सीसी का ब्लू कोर इंजन दिया गया है, जो स्टार्ट/स्टॉप सिस्टम और यामाहा के स्मार्ट मोटर जनरेटर से लैस है। यह तकनीक बाइक को बेहतर माइलेज देने में मदद करती है। ब्लू कोर टेक्नोलॉजी के कारण इंजन न केवल अधिक फ्यूल एफिशिएंट है बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। यामाहा का यह कदम भारतीय उपभोक्ताओं की बढ़ती ईंधन दक्षता और बजट की मांग को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई पर 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुकवार को 303 अंक बढ़कर 84,058.90 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 88.8 अंक ऊपर आकर 25,637.80 पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में निफ्टी के शेयरों में जियो फाइनेंशियल, इंडसइंड बैंक, अडाणी एंटरप्राइजेज, एशियन पेंट्स, अपोलो हॉस्पिटल्स में सबसे अधिक उछाल आया। वहीं ट्रेंट, डॉ रेड्डीज लैब्स, इटरनल (जोमेटो), विप्रो, टाटा कंज्यूमर के शेयर गिरे। आज बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स के शेयरों में 0.5-0.5 फीसदी की बढ़त रही। आईटी और रियल्टी को छोड़कर बाकी सभी इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर रहे जबकि कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पावर, टेलीकॉम, पीएसयू बैंक के शेयरों में 0.5-1 फीसदी की बढ़त रही। बाजार जानकारों के अनुसार मध्यपूर्व में तनाव कम होने के साथ ही विदेशी निवेश बढ़ने की संभावना से भी बाजार में मजबूती आई है।

इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 200 से ज्यादा अंक की बढ़त रही और ये 83,985 के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी टैरिफ की समयसीमा में संभावित ढील की उम्मीद के चलते यह बढ़त दर्ज की गई। सेक्टोरल मोर्चे पर 13 प्रमुख सेक्टर्स में से 12 में तेजी आई। ब्रोडर स्मॉल-कैप और मिड-कैप में लगभग 0.4 फीसदी की वृद्धि हुई। एशियाई बाजार की बात करें तो उसमें मजबूती के साथ कारोबार देखा जा रहा है। इसका कारण अमेरिका से मिले

सकारात्मक संकेत रहे, जहां व्हाइट हाउस ने टैरिफ (आयात शुल्क) की समय-सीमा को लेकर नरम रुख दिखाया है।

इससे निवेशकों को बड़ी राहत मिली है। जापान का निक्केई 1.22 फीसदी चढ़ा, जो पिछले पांच महीनों के उच्चतम स्तर को और मजबूत कर रहा है। टॉपिक्स इंडेक्स में भी 1.1 फीसदी की तेजी देखी गई। टोक्यो में कोर कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स जून में सालाना आधार पर 3.1 फीसदी बढ़ा, जो मई के 3.6 फीसदी और अनुमानित 3.3 फीसदी से नीचे रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 भी 0.4 फीसदी की बढ़त में रहे।

दूसरी ओर अमेरिकी बाजार में जोरदार तेजी रही। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.8 फीसदी चढ़कर 6,141.02 पर बंद हुआ और अब वह फरवरी में बने अपने ऑल-टाइम हाई 6,147.43 के बेहद करीब है। नेस्डेक कम्पोजिट 0.97 फीसदी चढ़कर 20,167.91 पर बंद हुआ, जबकि डाउ जोंस में 404.41 अंकों की बढ़त रही और यह 43,386.84 पर बंद हुआ। हालांकि,

सोना 97 हजार से नीचे फिसला, चांदी भी फिसलकर 1,06,300 रुपए किलो

नई दिल्ली।

विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से देश के बाजारों में भी सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सुस्ती देखने को मिल रही है। शुक्रवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने के भाव 96,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 826 रुपये की गिरावट के साथ 96,261 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,087 रुपये था। इस समय यह 905 रुपये की गिरावट के साथ 96,182 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 126 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,629 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,06,755 रुपये था। इस समय यह 404 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,351 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,0,6,629 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,0,6,286 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,341.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला

बंद भाव 3,348 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 29.40 डॉलर की गिरावट के साथ 3,318.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.56 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.59 डॉलर था। इस समय यह 0.06 डॉलर की गिरावट के साथ 36.53 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

ओएनजीसी ने असम का गैस रिसाव वाला कुआ बंद किया

नई दिल्ली।

ओएनजीसी ने असम के शिवसागर जिले में अपने कच्चे तेल के कुएं में 16 दिन तक गैस रिसाव होने के बाद उसे सील कर दिया है। यह बात केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कही। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, ओएनजीसी ने आज पूर्वाह्न सवा 11 बजे आरडीएस147ए से हो रहे रिसाव को रोक दिया। 12 जून को विस्फोट के बाद रिसाव शुरू हुआ था। सभी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कम से कम समय में सफलतापूर्वक इसे रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के संकट प्रबंधन दल ने अंतराष्ट्रीय कुआं नियंत्रण विशेषज्ञों के साथ मिलकर अंततः सावधानीपूर्वक योजना एवं ठोस प्रयासों से सुरक्षित तरीके से गैस कुआं विस्फोट की घटना का निपटान किया। इसमें किसी तरह की जानमाल की हानि नहीं हुई न ही कोई आग लगने की घटना हुई। यह विस्फोट 12 जून को भटियापार के बारीचुक स्थित ओएनजीसी के रुद्रसागर तेल क्षेत्र के रिग संख्या एसकेपी 135 के कुआं संख्या आरडीएस 147ए में हुआ था। सार्वजनिक क्षेत्र की 'महारत्न कंपनी की ओर से एक निजी कंपनी एसके पेट्रो सर्विसेज कुएं का संचालन कर रही थी। एहितायाती तौर पर निकटवर्ती इलाकों से करीब 350 परिवारों को निकाला गया।

स्मार्टवॉच अमेजफीट बेलेंस 2 वैश्विक बाजार में लॉन्च

नई दिल्ली।

अपनी दमदार स्मार्टवॉच अमेजफीट बेलेंस 2 को अमेजफीट ने लॉन्च कर दिया है। इससे पहले इसे चीन में पेश किया गया था और अब इसे दुनियाभर के ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।

यह वॉच खासतौर पर डाइविंग और स्पोर्ट्स के शौकीनों के लिए डिजाइन की गई है, जो 100 मीटर गहराई तक पानी में भी आसानी से काम कर सकती है। अमेजफीट बेलेंस 2 में 1.5 इंच का स्क्रैच-रेजिस्टेंट एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो सफायर ग्लास से बना है। इसकी ब्राइटनेस 2000 निट्स तक जाती है, जिससे यह सूरज की तेज रोशनी में भी साफ दिखाई देती है।

यह वॉच 10 एटीएम वॉटर रेजिस्टेंट है और कंपनी का दावा है कि इसमें 21 दिन तक चलने वाली बैटरी दी गई है। यह स्मार्टवॉच 170 से ज्यादा स्पोर्ट्स मोड्स को सपोर्ट करती है, जिसमें स्विमिंग, रनिंग, साइकलिंग, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और यहां तक कि हायरोक्स जैसे हाई इंटेंसिटी स्पोर्ट्स भी शामिल हैं। खास बात यह है कि यह 45 मीटर तक की फ्रीडाइविंग और स्कूबा डाइविंग को भी ट्रैक कर सकती है। यह स्मार्टवॉच ब्लैक कलर ऑप्शन और एक एडिशनल लावा स्ट्रैप के साथ आती है।

इसकी कीमत 299 अमेरिकी डॉलर यानी करीब रुपए 25,800 रखी गई है। गोल्फ के शौकीनों के लिए वॉच में दुनियाभर के 40,000 से ज्यादा गोल्फ कोर्स का एक्सेस, स्कोरिंग और पिन रीलोकेशन जैसे फीचर्स शामिल हैं। इसमें हेल्थ से जुड़े कई एडवांस्ड ट्रैकर्स भी मिलते हैं, जैसे हार्ट रेट मॉनिटर, ब्लड ऑक्सीजन सेंसर, स्लीप ट्रैकिंग, स्ट्रेस लेवल मैपिंग और पीरियड ट्रैकिंग। वॉच में ब्लूटूथ कॉलिंग सपोर्ट, डुअल स्पीकर और माइक्रोफोन की सुविधा दी गई है।

जेएसडब्ल्यू पेंट एकेजो नोबल की 74 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

8,986 करोड़ रुपये में हो सकता है सौदा

नई दिल्ली।

भारतीय अरबपति सज्जन जिंदल की जेएसडब्ल्यू पेंट एकेजो नोबल इंडिया में 74.76 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने जा रहा है, जिसकी कुल कीमत करीब 8,986 करोड़ (1.08 बिलियन डॉलर) बताई जा रही है। यह सौदा डच पैरेंट कंपनी एकेजो नोबल एनवी और उसकी सहयोगी कंपनियों से शेयर खरीदकर किया जाएगा। इसके बाद जेएसडब्ल्यू को नियमों के मुताबिक पब्लिक शेयरहोल्डर्स के लिए ओपन ऑफर भी लाना होगा। यह सौदा तब पूरा होगा जब सभी नियामकीय मंजूरी मिल जाएंगी, जैसे कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की मंजूरी। इस सौदे के साथ ही जेएसडब्ल्यू पेंट को दुनियाभर में मशहूर डयूलेक्स ब्रांड का भी स्वामित्व मिलेगा। यह भारत के पेंट उद्योग में अब तक की सबसे बड़ी डील में से एक मानी जा रही है। इससे जेएसडब्ल्यू पेंट को ए शियन पेंट, बर्गर पेंट और ओ दित्य बिरला ग्रुप की नई पेंट कंपनियों से मुकाबला करने की ताकत मिलेगी। इस डील से भारत के डेकोरेटिव और इंडस्ट्रियल पेंट मार्केट का चेहरा बदल सकता है। आने वाले 10 सालों में इस सेक्टर के डबल डिजिट ग्रोथ करने की उम्मीद है, खासकर घर सजाने और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के चलते। जेएसडब्ल्यू पेंट की शुरुआत 2019 में हुई थी। यह 23 बिलियन डॉलर की जेएसडब्ल्यू ग्रुप का हिस्सा है, जिसके कारोबार स्टील, सीमेंट, एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्रीन मोबिलिटी जैसे सेक्टरों में फैले हुए हैं।

डीएपी के दाम जून में 800 डॉलर प्रतिटन तक पहुंचे

चीन की सख्ती से उर्वरकों का निर्यात हुआ प्रभावित

नई दिल्ली।

उर्वरकों के निर्यात पर चीन की सख्ती से पानी में घुलने वाले उर्वरकों की आपूर्ति ही प्रभो वित नहीं हुई है बल्कि जमकर उपयोग में आने वाले डाई अमोनिया फॉस्फेट (डीएपी) के दाम भी इसकी वजह से चढ़ने लगे हैं। डीएपी के दाम जून में 800 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गए, जो पिछले कुछ महीनों में नहीं देखा गया था। डीएपी के दाम बढ़ने से चालू वित्त वर्ष के लिए केंद्र का सब्सिडी का गणित गड़बड़ा सकता है और आयात करने वाली कंपनियों के मार्जिन को भी चोट लग सकती है। डीएपी के खुदरा दामों में सब्सिडी का बड़ा हिस्सा होता है। उद्योग सूत्रों के मुताबिक 2024-25 में देश में करीब 46 लाख टन डीएपी का आयात किया था, जिसमें चीन की हिस्सेदारी केवल 8.5 लाख टन थी। लेकिन 2023-24 में भारत में आयात हुए 56 लाख टन डीएपी में करीब 22 लाख टन चीन से ही आया था। इस तरह केवल दो साल में चीन से डीएपी आयात करीब 61.3 प्रतिशत गिर गया। भारत में यूरिया के बाद सबसे ज्यादा इस्तेमाल डीएपी का ही होता है और सालाना 100 से 110 लाख टन खपत में 50-60 लाख टन आयात होता है। इतना ही नहीं, डीएपी में इस्तेमाल होने वाली फॉस्फोरस और अमोनिया जैसे कच्चे माल का भी आयात करना पड़ता है। कारोबारी सूत्रों ने बताया कि आयातित फॉस्फोरस का भाव 10 डॉलर प्रति टन बढ़ने पर तैयार डीएपी का आयात मूल्य करीब 5 डॉलर प्रति टन बढ़ जाता है। इसी तरह अमोनिया की कीमत 30 डॉलर प्रति टन बढ़े तो डीएपी का दाम 12 डॉलर प्रति टन चढ़ जाता है। पारियों ने बताया कि चीन से डीपीए का आयात घटा तो भारत ने उसकी भरपाई के लिए पश्चिम एशिया खास तौर पर सऊदी अरब की कंपनियों का रुख कर लिया। मगर हाल में खाड़ी के इलाके में ईरान और इजरायल की जंग तथा होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने की धमकियों ने बताया कि यह रास्ता भी जोखिम भरा है क्योंकि इसकी वजह से आयातित डीएपी के दाम बढ़ गए।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में दोगुनी होगी बीमा राशि

18 से 50 साल के लोगों को साल भर के लिए 2 लाख बीमा मिलता है वह अब 4 लाख होगा

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार का वित्त मंत्रालय प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाय) में जीवन बीमा की राशि डबल करने की योजना पर काम कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके लिए प्रीमियम में भी तब्दीली की जा सकती है। अभी जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 साल के लोगों को साल भर के लिए 2 लाख रुपये का जीवन बीमा मिलता है। इसे बढ़ाकर दोगुना यानी 4 लाख रुपये किया जा सकता है। अभी सालाना प्रीमियम 436 रुपये प्रति सदस्य है, जिसे बढ़ाकर 700 से 800 रुपये के बीच लाने पर भी विचार चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि सरकार प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना में भी बीमा की राशि बढ़ाने पर विचार कर रही है। लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की राय ले रही है और देख रही है कि इसे बढ़ाना कितना व्यावहारिक होगा। इस बारे में वित्त मंत्रालय को ईमेल भेजा गया था लेकिन अभी तक उसका जवाब नहीं मिला। सरकारी आंकड़ों से पता चला कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समावेशन की इन दोनों अहम योजनाओं के सालाना लक्ष्य हासिल नहीं कर सके। इन बैंकों को पिछले वित्त वर्ष में सुरक्षा बीमा योजना में 6.4 करोड़ पंजीकरण का लक्ष्य दिया गया था मगर केवल 40 प्रतिशत पंजीकरण हो पाया। जीवन ज्योति बीमा योजना में 4.1 करोड़ पंजीकरण के लक्ष्य में से केवल 30 प्रतिशत पूरा हो पाया। बैंक ऑफ इंडिया केवल 11 प्रतिशत पंजीकरण करा पाया। यूको बैंक ने 14 प्रतिशत, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 24 प्रतिशत और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी 24 प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया। मगर अक्टूबर तक भारतीय स्टेट बैंक ने 60 प्रतिशत और इंडियन बैंक ने 45 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया था।

प्रकृति एवं जीवन रक्षा के लिये नदियों का संरक्षण जरूरी

ललित गर्ग

आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है।

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। नदियों के सूखने और प्रदूषित होने के कारणों में मुख्य हैं, अत्यधिक पानी का दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन। नदियां जीवन का आधार है, लेकिन तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब ह्यमृतह्ल होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। नदियां के अत्यधिक खतरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की।

देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। ओडिशा में कई नदियां सूख रही हैं और प्रदूषित हो रही हैं, जिससे वहां के पर्यावरण और लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

महानदी बचाओ आंदोलन और ओडिशा नदी सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित ओडिशा नदी सुरक्षा सम्मेलन में राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सरकार से एक समग्र नदी नीति बनाने एवं ओडिशा एवं अन्य प्रांतों की नदियों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की पुरजोर मांग उठी। पर्यावरणविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा, 'ओडिशा की कई नदियां मरने के कगार पर हैं। अगर नदियों का स्वास्थ्य नहीं सुधरा, तो मानव का स्वास्थ्य भी नहीं बचेगा।' बात केवल ओडिशा की ही नहीं है, बल्कि सभी प्रांतों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और घरेलू जरूरतों के लिए नदियों से अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है, जिससे नदियों में पानी की कमी हो गई है। औद्योगिक कचरा, सीवेज और कृषि अपवाह नदियों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताजा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए जरूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। नदियां मरेंगी तो समाज मर जाएगा। नदियों पर खतरे के तीन बड़े कारण हैं और इन्हें पुनर्जीवन के लिए सरकारी एवं सामाजिक स्तर पर गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। देश में जनसंख्या का दबाव बढ़ने के साथ ही जमीनों की कीमतें बढ़ीं, इसके साथ ही नदी किनारे भूमि पर अतिक्रमण, सिंचाई के लिए भूजल शोषण और नगरों के गंदों नालों से बढ़ता प्रदूषण नदियों के लिए गंभीर खतरा बन गए और छोटी बड़ी तमाम नदियां सूख रही है। कई नदियां बेमौत मर गईं। केंद्र व प्रदेश की सरकार को सबसे पहले नदियों की जमीन का सीमांकन व चिह्नांकन कराने के साथ ही राजस्व नक्शे में नोटिफिकेशन करना चाहिए। तभी कुछ सुधार की संभावना है।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के ?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। अब जलवायु परिवर्तन की मार देश के दूरस्थ अंचल तक दिख रही है। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा। नदियों के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियां को संरक्षित करना जरूरी है। तालाब संरक्षण की बात तो सभी करते हैं, लेकिन आज जरूरी है कि छोटी नदियों की भी सुध ली जाए।

आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है। हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करना होगा। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल देना होगा। विनाशकारी परियोजनाओं का पदार्फाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतदेर्शीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

गर्व का क्षण

अंतरिक्ष हमेशा से मानवजाति के लिए जिज्ञासा का केंद्र रहा है। भारत इसरो के जरिए अंतरिक्ष में लगातार ऊंची से ऊंची छलांग लगाकर लगातार इतिहास रचता रहा है। 1984 में राकेश शर्मा के रूप में अंतरिक्ष में पहले भारतीय की उपस्थिति दर्ज करने के रखने के 41 साल बाद बुधवार को किसी दूसरे भारतीय ने यह उपलब्धि हासिल करके इतिहास रच दिया। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम मिशन के तहत बुधवार को तीन अन्य देशों के यात्रियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए रवाना होकर इतिहास रच दिया। शुभांशु की यह यात्रा मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन की भारत की आकांक्षा को पूरा करने की दिशा में बहुत अहम कदम है। बुधवार को कारोबारी एलोन मस्क के स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला व अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के लेकर फ्लोरिड़ा के केनेड़ी स्पेस सेंटर से आईएसएस के लिए जैसे ही उड़ान भरी पूरा देश खुशी से झूम उठा।

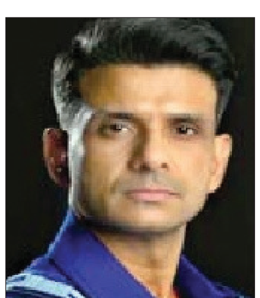

राष्ट्रपति मुर्मू ने यात्रा को अंतरिक्ष में भारत के लिए मील का पत्थर की स्थापना कहा तो प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शुक्ला अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की शुभेच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए हैं। पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने चालक दल से कहा जितना संभव हो सके खिड़की से बाहर देखते हुए समय बिताएं। शर्मा 1984 में तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन के तहत कक्षा में आठ दिन रहे थे। इस मिशन में अमेरिका, पोलैंड़ और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। करीब 28 घंटे की यात्रा के बाद यान के आज (बृहस्पतिवार) शाम साढे.चार बजे आईएसएस पहुंचने की संभावना है। अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में 14 दिन बिताएंगे और अपने मिशन के दौरान 60 प्रयोग करेंगे। इन प्रयोगों से मानव शरीर क्रिया विज्ञान, पोषण और अंतरिक्ष में बीज अंकुरण जैसे क्षेत्रों में सूक्ष्मगुरुत्व अनुसंधान में योगदान मिलने की उम्मीद है। शुभांशु की यह यात्रा भारत के लिए असीम संभावनाओं के द्वार तो खोलेगी ही भारत की भावी पीढ़ी को भी विज्ञान और अंतरिक्ष की उन कल्पनाओं की यात्रा में ले जाएगी जो जिज्ञासा करती है और फिर नवाचार के जरिए अकल्पनीय लक्ष्यों को हासिल करने की आकांक्षा जगाती है।

चिंतन-मनन

आशा निराशा

एक मछुआरा था । उस दिन सुबह से शाम तक नदी में जाल डालकर मछलियाँ पकड़ने की कोशिश करता रहा , लेकिन एक भी मछली जाल में न फँसी। जैसे -जैसे सूरज डूबने लगा, उसकी निराशा गहरी होती गयी । भगवान का नाम लेकर उसने एक बार और जाल डाला । पर इस बार भी वह असफल रहा। पर एक वजनी पोटली उसके जाल में अटकी । मछुआरे ने पोटली निकला और टटोला तो झुंझला गया और बोला - हाय ये तो पत्थर है ! फिर मन मारकर वह नाव में चढा।

बहुत निराशा के साथ कुछ सोचते हुए वह अपने नाव को आगे बढ़ता जा रहा था और मन में आगे के योजनाओं के बारे में सोचता चला जा रहा था । सोच रहा था कल दुसरे किनारे पर जाल डालूँगा। सबसे छिपकर ...उधर कोई नही जाता ....वहां बहुत सारी मछलियाँ पकड़ी जा सकती है ... ।

मन चंचल था तो फिर हाथ कैसे स्थिर रहता ? वह एक हाथ से उस पोटली के पत्थर को एक -एक करके नदी में फेंकता जा रहा था । पोटली खाली हो गयी । जब एक पत्थर बचा था तो अनायास ही उसकी नजर उसपर गयी तो वह स्तब्ध रह गया । उसे अपने आँखों पर यकीन नही हो रहा था , यह क्या ! ये तो नीलम था । मछुआरे के पास अब पछताने के अलावा कुछ नही बचा था . नदी के बीचोबीच अपनी नाव में बैठा वह सिर्फ अब अपने को कोस रहा था । प्रकृति और प्रारब्ध ऐसे ही न जाने कितने नीलम हमारी झोली में डालता रहता है जिन्हें पत्थर समझ हम ठुकरा देते हैं।

हिन्दी का किसी क्षेत्रीय भाषा से कोई संघर्ष नहीं है....

सुनील कुमार महला

भारत विश्व का एक ऐसा देश है, जहां भाषाओं की विविधता पाई जाती है। यहां अलग-अलग समूहों द्वारा अनेक भाषाएं बोली,पढ़ी,लिखी व समझी जाती हैं, लेकिन भारत के संविधान में हिंदी को भारत की राजभाषा (यानी कि आफिशियल लैंग्वेज) का दर्जा प्राप्त है। गौरतलब है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार, देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है। यह(हिंदी)भारत की मातृभाषा भी है तो भारत की प्रथम राजभाषा भी। गौरतलब है कि भारत की द्वितीय राजभाषा अंग्रेजी है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2011 की भाषायी जनगणना के अनुसारः भारत में 121 मातृभाषाएँ हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार 55% आबादी हिंदी को या तो मातृभाषा के रूप में या अपनी दूसरी भाषा के रूप में जानती है तथा आज दुनिया में लगभग 60-65 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, जिससे यह विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है।

सच तो यह है कि अंग्रेजी और मंदारिन(मंडारिन) चीनी के बाद हिंदी का स्थान प्रमुख है। हिंदी न केवल भारत में, बल्कि आज विश्व के कई अन्य देशों जैसे कि नेपाल, मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, और पाकिस्तान में भी बोली, पढ़ी, लिखी और समझी जाती है और विश्व के बहुत से देशों ने आज हिंदी के महत्व,इसकी वैज्ञानिकता,इसकी दमदार शब्दावली को सहज ही स्वीकार किया है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1971 से वर्ष 2011 के बीच हिंदी बोलने वालों की संख्या 2.6 गुना बढ़कर 20.2 करोड़ से 52.8 करोड़ हो गई। वर्ष 2011 के बाद से अब तक इस संख्या में बहुत अधिक इजाफा हुआ है और यह हम सभी को गौरवान्वित महसूस कराता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव छोड़ रही है और निरंतर आगे बढ़ रही है। हाल ही में यानी कि 26 जून 2025 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हमारे देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार के राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने यह बात कही कि 'हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है।'

बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे देश में भाषा को लेकर तरह-तरह की राजनीति की जाती है, इसे कदापि ठीक व जायज नहीं ठहराया जा सकता है। इससे बड़ी विडंबना की व दुःखद बात भला और क्या हो सकती है कि आज भाषाओं को लेकर कहीं भी कोई न कोई जुबानी जंग छिड़ जाती है। हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि लोगों को आपस में जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भाषा को ही माना जाता है और हिंदी हमारे देश की वह भाषा है, जो सदियों सदियों से हमारे देश भारत को एकता व अखंडता के सूत्र में पिरोए हुए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि हिंदी किसी भी भाषा की विरोधी कतई नहीं है। हिंदी वह भाषा है, जिसमें हमारे देश की सनातन संस्कृति की झलक मिलती है, तथा यह हमारे सामाजिक ताने-बाने को मजबूत व सुदृढ़ रखे हुए है, स्वतंत्रता के पूर्व से लेकर, हमारे देश की स्वतंत्रता प्राप्ति और इसके बाद भी निरंतर अब तक हिंदी अपनी संस्कृतनिष्ठता,व्यवस्थितता और अपने लचीलेपन से इसका प्रयोग ज्ञान-विज्ञान से लेकर साहित्य, और संचार के विभिन्न माध्यमों में लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है, जो हमें गौरवान्वित करती है। हमें अपनी मां बोली हिंदी पर या यूं कहें कि अपनी मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए। हम अंग्रेजी का विरोध नहीं करें, क्यों कि कोई भी भाषा कभी भी अच्छी बुरी नहीं हो सकती है?। सभी भाषाओं का अपना-अपना महत्व है।

इसलिए हमें यह चाहिए कि हम सभी भाषाओं या ज्यादा से ज्यादा भाषाओं को सीखने का प्रयास करें, यह हमारे ज्ञान में बढ़ोत्तरी करेगा वहीं व्यवहार में भी ये भाषाएं हमारे कहीं न कहीं अवश्य काम में आयेंगी, लेकिन हमें यह चाहिए कि भारत के निवासी होते हुए हम सबसे ज्यादा तवज्जो अपनी मातृभाषा हिंदी को दें। अपनी मातृभाषा को छोड़कर,उसे तिलांजलि देकर, दूसरी भाषाओं को अपनाकर, या उन्हें सीखकर हम कभी भी आगे नहीं बढ़ सकते, क्यों कि जो बात हम अपनी मातृभाषा में सहजता और सरलता से कह सकते हैं, अभिव्यक्ति दे सकते हैं,वह शायद विश्व की किसी अन्य भाषा में नहीं। हिंदी भाषा भारत की विविध संस्कृतियों को एकजुट करने और सामाजिक एकीकरण की भावना पैदा करने में एक सेतु का काम करती है। महात्मा गांधी जी ने राष्ट्रभाषा के बारे में यह बात कही है कि 'राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।' हिंदी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है।आर्यों की सबसे प्राचीन भाषा हिन्दी ही है और इसमें तद्भव शब्द सभी भाषाओं से अधिक है। आज भाषा के नाम पर राजनीति होती है, यह बहुत ही गलत है। जापानियों ने जिस ढंग से विदेशी भाषाएँ सीखकर अपनी मातृभाषा को उन्नति के शिखर पर पहुँचाया है उसी प्रकार हमें भी मातृभाषा (हिंदी) का भक्त होना चाहिए। हाल फिलहाल, पाठकों को बताता चलूं कि राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान हमारे गृहमंत्री जी ने भी यह बात कही है कि 'किसी भी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए।' वास्तव में हमें यह चाहिए कि हम मातृभाषा में सोचने, बोलने के साथ-साथ उसे अभिव्यक्त करने की भावना को भी प्रोत्साहित करें।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में यह कहा है कि '...पिछले कुछ दशकों में भाषा का इस्तेमाल भारत को बांटने के साधन के रूप में किया गया। वे इसे तोड़ नहीं पाए, लेकिन प्रयास किए गए। हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारी भाषाएं भारत को एकजुट करने का सशक्त माध्यम बनें।' महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए गए, तमिलनाडु ने तो जैसे हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल रखा है। वास्तव में यह बहुत दुखद है, ऐसा नहीं होना चाहिए। आज भारत दुनिया का एक मात्र ऐसा देश है, जहां राजभाषा के लिए एक अलग विभाग है तथा इसके कार्यान्वयन के लिए अधिकारी व हिंदी अनुवादक मौजूद हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण कहीं अन्यत्र देखने को नहीं मिलता। हम हमारे ही देश में भाषा की लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि आज संचार की भाषा हिन्दी है, बाजार और सिनेमा से लेकर आज कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां हिंदी का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। हमें यह चाहिए कि हम किसी विदेशी भाषा का विरोध कतई नहीं करें। भारत के वासी होते हुए हमारा यह परम कर्तव्य बनता है कि हम आग्रह अपनी भाषा(हिंदी) के गौरव का करें। जैसा कि केंद्रीय गृह मंत्री जी ने कहा है कि 'आग्रह अपनी भाषा में सोचने का होना चाहिए। हमें गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना चाहिए।' सच तो यह है कि जब तक हम अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेंगे, अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेंगे, तब तक हम गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकते हैं।

ड़ीएमड़ी रोगः लाइलाज बीमारी से जूझते बच्चे

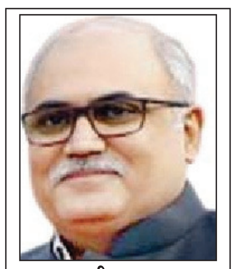
रजनीश कपूर

ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) एक ऐसी दुर्लभ और लाइलाज जेनेटिक बीमारी है, जो मुख्य रूप से लड़कों को प्रभावित करती है। यह बीमारी मांसपेशियों को धीरे-धीरे कमजोर करती है, जिससे रोगी का चलना-फिरना, सांस लेना और अंततः जीवित रहना मुश्किल हो जाता है। भारत में हर 3500 पुरुष जन्मों में से एक बच्चा इस बीमारी का शिकार होता है। इसका इलाज इतना महंगा है कि यह सामान्य परिवारों की पहुंच से बाहर है। ऐसी ही एक मार्मिक कहानी है अमृतसर के जंडियाला गुरु निवासी हरप्रीत सिंह और उनकी पत्नी कीड्ढ जो अपने 9 वर्षीय बेटे इशमीत को बचाने के लिए दिन-रात संघर्ष कर रहे हैं। इशमीत को डीएमडी है और उसके इलाज के लिए 27 करोड़ रुपये की जरूरत है, एक ऐसी राशि जो किसी सामान्य परिवार के लिए असंभव-सी प्रतीत होती है।

हरप्रीत सिंह भारतीय सेना में सैनिक हैं और उनकी पत्नी का जीवन तब तक सामान्य था, जब तक उनके इकलौते बेटे इशमीत में कुछ असामान्य लक्षण दिखाई नहीं दिए। इशमीत जब चार साल का था तब उसके माता-पिता ने देखा कि वह ठीक से चल नहीं पाता, बार-बार गिरता है और अन्य बच्चों की तरह दौड़-भाग नहीं कर पाता। शुरू में उन्होंने इसे सामान्य कमजोरी समझा, लेकिन जब लक्षण बढ़ने लगे तो वे उसे स्थानीय डॉक्टरों के पास ले गए। कई जांचों और अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद, दिल्ली के एम्स में डॉक्टरों ने पुष्टि की कि इशमीत डीएमडी से पीड़ित है। डीएमडी एक अनुवांशिक बीमारी है, जो डिस्ट्रोफिन जीन में उत्परिवर्तन के कारण होती है। यह जीन शरीर में डिस्ट्रोफिन प्रोटीन का निर्माण करता है, जो मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए जरूरी होता है। इस प्रोटीन की कमी से मांसपेशियां कमजोर होकर धीरे-धीरे नष्ट हो जाती हैं। डीएमडी से पीड़ित बच्चों की औसत आयु 11 से 21 वर्ष तक होती है और ज्यादातर मरीज किशोरावस्था के अंत तक व्हीलचेयर पर निर्भर हो जाते हैं। जब हरप्रीत को पता चला कि उनके बेटे का इलाज संभव है तो उनके चेहरे पर उम्मीद की किरण जगी। एम्स के डॉक्टरों ने बताया कि अमेरिका में एक जीन थेरेपी उपलब्ध है, जिसमें एक विशेष इंजेक्शन जोल्जेंस्मा (या समकक्ष दवा) के जरिए डीएमडी का इलाज किया जा सकता है। डॉक्टरों ने आश्वासन दिया कि यह इंजेक्शन इशमीत को पूरी तरह स्वस्थ कर सकता है, लेकिन इस उम्मीद के साथ एक ऐसी सच्चाई भी सामने आई जिसने परिवार को हताश कर दिया। इस इंजेक्शन की कीमत 27 करोड़ रुपये है। हरप्रीत सिंह ने अपनी सारी जमा-पूंजी, जमीन, और अन्य संसाधनों को बेचने की कोशिश की, लेकिन इससे भी इस राशि का एक छोटा सा हिस्सा ही जुट पाया। भारत में डीएमडी का कोई किफायती इलाज उपलब्ध नहीं है और स्टेरॉयड जैसी दवाएं केवल लक्षणों को कुछ समय के लिए नियंत्रित कर सकती हैं, जिनके गंभीर दुष्प्रभाव भी हैं। हरप्रीत और उनकी पत्नी ने अपने बेटे को बचाने के लिए क्राउड फंडिंग का सहारा लिया। सोशल मीडिया, स्थानीय समुदाय और विभिन्न संगठनों के माध्यम से उन्होंने लोगों से मदद की अपील की। उनकी मेहनत रंग लाई और अब तक करीब दो करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं, लेकिन अभी भी पच्चीस करोड़ रुपये की जरूरत है और समय तेजी से बीत रहा है। डीएमडी जैसी दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए भारत में कोई ठोस नीति या सरकारी सहायता नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 2021 में दिल्ली हाईकोर्ट में बताया था कि देश में करीब पांच लाख लोग डीएमडी से पीड़ित हैं और प्रत्येक मरीज के इलाज पर सालाना पांच करोड़ रु पये का खर्च आता है, लेकिन बजट की कमी के कारण सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा पा रही। हरप्रीत ने कई बार सरकार से मदद की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिले। डीएमडी के मरीजों के लिए न तो मुफ्त दवाएं उपलब्ध हैं, न ही फिजियोथेरेपी जैसी सहायक सेवाएं। ऐसे में परिवार अकेले ही इस जंग को लड़ने के लिए मजबूर हैं। डीएमडी के बारे में भारत में जागरूकता का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। बहुत कम लोग इस बीमारी को समझते हैं, जिसके कारण मरीजों और उनके परिवारों को सामाजिक समर्थन नहीं मिल पाता। 2023 में दिल्ली के जंतर-मंतर पर डीएमडी जागरूकता के लिए एक रैली निकाली गई थी जिसमें

21 राज्यों से करीब 500 परिवार शामिल हुए। इस रैली में माता-पिता ने सरकार से सस्ती दवाओं, शोध के लिए फंड और मुफ्त इलाज की मांग की थी। हरप्रीत जैसे परिवारों का मानना है कि अगर समाज इस बीमारी को समझे और सरकार इसमें शोध को प्रोत्साहित करे, तो शायद भविष्य में इलाज किफायती हो सके। हरप्रीत और उनकी पत्नी की कहानी यह सवाल उठाती है कि क्या भारत में, जहां स्वास्थ्य सेवाएं चुनौतियों से भरी हैं, दुर्लभ बीमारियों के मरीजों को जीने का हक मिलेगा? यह न केवल ह्दयविदारक है, बल्कि यह समाज और सरकार के लिए एक आंख खोलने वाली सीख भी है। डीएमडी से जूझ रहे बच्चों के लिए जागरूकता, शोध और किफायती इलाज की जरूरत है।

डिजिटल वोटर लिस्ट की राहुल गांधी की मांग कानूनी रूप से अव्यावहारिक : अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की चुनाव आयोग से डिजिटल मतदाता सूची की मांग को लेकर लगातार दिए जा रहे बयानों को संवैधानिक विशेषज्ञों और सूत्रों ने कानूनी रूप से अव्यावहारिक करार दिया है। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि यह मुद्दा पहले ही सुप्रीम कोर्ट में उठाया जा चुका है और शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में चुनाव आयोग के पक्ष को वैध ठहराया है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी द्वारा बार-बार इस मांग को दोहराना सिर्फ प्रचार पाने की रणनीति प्रतीत होती है, जबकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इस मांग को खारिज कर चुका है। चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों ने 2018 में कांग्रेस नेता कमलनाथ द्वारा दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के प्रमुख अंश साझा किए, जिनमें कहा गया, ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल जिस फॉर्मेट में याचिकाकर्ता को दिया गया, वह चुनाव आयोग के मैनुअल में वर्णित आवश्यकताओं को पूरा करता है। नाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि यह स्पष्टीकरण राहुल गांधी द्वारा नवंबर में महाराष्ट्र चुनावों को लेकर फिक्स्ड इलेक्शन कहे जाने के आरोपों और चुनाव आयोग द्वारा उन्हें संदेह दूर करने के लिए बुलाए गए संवाद के संदर्भ में दिया गया है, जिसमें वे अब तक शामिल नहीं हुए हैं।

पुणे की कोचिंग क्लास में नाबालिग से यौन शोषण, दो प्रोफेसर्स पर लगे आरोप

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में पुणे की कोचिंग क्लास में नाबालिग छात्रा से यौन शोषण का मामला सामने आया है। ये गंभीर आरोप कोचिंग के ही दो प्रोफेसर्स पर लगाए गए हैं। गुरुवार देर रात पुलिस में पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया। आरोपी प्रोफेसर विजय पवार, बीड के कोचिंग उद्योग में एक प्रमुख व्यक्ति और कोचिंग क्लासेस एसोसिएशन के एक पदाधिकार और प्रोफेसर प्रशांत खटावकर कई महीनों तक 12वीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ कर रहे थे। पुलिस में की शिकायत के मुताबिक जुलाई 2024 में खटावकर ने पीड़िता को कक्षा के बाद अपने केबिन में बुलाया और छेड़छाड़ की। जब उसने संस्थान के निदेशक को घटना की सूचना दी, तो उन्होंने भी छात्रा के साथ दुर्व्यवहार किया, जो मई 2025 तक जारी रहा। पीड़िता ने गुरुवार को शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद दोनों प्रोफेसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी फरार हैं। स्थानीय अपराध शाखा की तीन टीमें उन्हें पकड़ने में जुटी हैं। इस घटना से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है और बीड के निजी कोचिंग संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

भगवान ने बच्चा नहीं दिया, तो 8000 बच्चे पौधों के रूप में पैदा किये

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन जिले की 113 साल की महिला ने 8000 पौधारोपण कर उनका पालन पोषण करके एक तरह से भगवान के सामने एक नया उदाहरण रख दिया। दंपति को कोई बच्चा नहीं हुआ था। आसपास के लोग हमेशा उसे टोंकते थे। इससे व्यथित होकर दंपति ने पौधारोपण कर उनकी देखरेख करके पौधों को बच्चों के रूप मे देखना शुरू कर दिया। 1991 में, 113 साल की सालू मरादा के पति की मौत हो गई थी। उसके बाद भी वह पौधे लगाने का काम करती रही। अभी तक 8000 से ज्यादा पौधे लगा चुकी हैं। उनके इस जनून को देखते हुए एक फिल्मकार ने बायोपिक बनाने के लिए उनसे संपर्क किया। इस पर उन्होंने सहमति नहीं दी। वह अपने 8000 बच्चों को देखकर प्रसन्न होती हैं। कहती हैं, भगवान ने बच्चे नहीं दिए,तो क्या हुआ। 8000 बच्चे हमने पैदा कर लिए, वह हमारे साथ हैं।

गुजरात में 'हर घर नल से जल' योजना में बड़ा घोटाला, 12 कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में मनरेगा घोटाले के बाद अब 'हर घर नल से जल' योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है। महिसागर जिले के 620 गांवों में इस योजना के तहत हुए कार्यों में 123 करोड़ के दुरुपयोग की शिकायत आने के बाद गुजरात सरकार ने 12 कर्मचारियों के खिलाफ सीआईडी क्राइम शाखा वडोदरा में शिकायत दर्ज कराई है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट मानी जाती है, इसके तहत गांव-गांव पानी की पाइपलाइन बिछाकर हर घर तक नल से जल पहुंचाया जाना था। योजना का मकसद गांव के हर घर तक पाइपलाइन के माध्यम से पीने का पानी पहुंचे। महिसागर जिले के 714 गांवों में से 620 गांवों में योजना को लागू किया गया था, इसमें करीब 238 करोड़ की राशि खर्च की गई। लेकिन ज़मीनी सच्चाई यह है कि इन गांवों में न पाइपलाइन बिछाई गई, न ही नल कनेक्शन मिले और न ही एक बूंद पानी किसी घर तक पहुंचा। इसके बावजूद सरकारी दस्तावेजों में यह दिखाया गया कि कार्य पूर्ण हो चुका है।

कैंसर पीड़ित बुजुर्ग महिला को कचरे में फेंका, आरोपी पोता सहित 2 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से परेशान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक बुजुर्ग महिला कूड़े के ढेर पर पड़ी मिली। कैंसर से पीड़ित महिला को उसके पोते ने कथित तौर पर कूड़े में फेंक दिया। पुलिस ने जांच शुरू कर महिला के परिवार की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना तब सामने आई, जब मुंबई पुलिस ने शहर की आरे कॉलोनी में सड़क पर कूड़े के ढेर के पास 60 वर्षीय यशोदा गायकवाड़ को बेहद कमजोर हालत में देखा। मुंबई में कैंसर रोगी अपनी दादी को जंगल में छोड़ने के आरोप में 33 वर्षीय एक व्यक्ति और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि लगभग 70 वर्षीय महिला 22 जून की सुबह एक कूड़े के ढेर के पास आई थी और उसकी हालत खराब थी, जिसके बाद पुलिस ने बुजुर्ग महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में बुजुर्ग महिला के पोते सागर शेवाले (33), बहनोई बाबासाहेब गायकवाड़ (70) और ऑटो रिक्शा चालक संजय कादरेशम (27) को कथित तौर पर महिला को उस स्थान पर छोड़ते हुए देखा गया, जहां वह मिली थी।

आपातकाल में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को जोड़ा, इसकी समीक्षा हो

-आरएसएस के महासचिव ने कहा-मूल संविधान में इनका कोई स्थान नहीं था

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक बार फिर संविधान की प्रस्तावना में शामिल 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को लेकर विवाद खड़ा कर दिया है। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में इन शब्दों की समीक्षा करने की जरुरत जताई। उनका कहना है कि ये शब्द आपातकाल में असंवैधानिक तरीके से जोड़े गए थे और बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा तैयार मूल संविधान में इनका कोई स्थान नहीं था।

होसबोले ने कहा कि आपातकाल के समय जब मौलिक अधिकार निलंबित थे, संसद निष्क्रिय थी, न्यायपालिका दबाव में थी, तब कांग्रेस सरकार ने चुपचाप प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' जैसे शब्द जोड़ दिए थे। अब सवाल यह उठता है कि क्या ये विचारधाराएं भारत के लिए शाश्वत हैं? इस पर विचार और बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज वही लोग संविधान की प्रति लेकर घूम रहे हैं, जिन्होंने 1975 में संविधान की आत्मा को रौंदा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में लगाए गए आपातकाल के दौरान हजारों लोगों को जेल में डाला गया, मीडिया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता छीन ली गई और बड़ी संख्या में जबरन नसबंदी की गई।

होसबाले ने कांग्रेस से देश से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि आपके पूर्वजों ने जो किया, उसके लिए आज आपको माफी मांगना जरूरी है। आज लोकतंत्र की दुहाई देने वाले आपातकाल के काले अध्याय को भूल नहीं सकते। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी आपातकाल की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों पर सबसे बड़ा हमला था। संविधान में बदलाव कर जनता की आवाज को कुचल दिया गया। कांग्रेस आज आरोप लगा रही है कि हम संविधान बदलना चाहते हैं, जबकि हमने कभी ऐसी मंशा नहीं जताई।

उन्होंने कहा कि 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिए इमरजेंसी के दौरान समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द प्रस्तावना में जोड़े गए थे। आरएसएस का तर्क है कि यह राजनीतिक उद्देश्य से लिया गया कदम था, जिसे आज फिर समीक्षा की दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

मीम्स और रील्स को लेकर मौलाना गोरा ने मुसलमान युवक-युवतियों को क्या दी सलाह

नई दिल्ली। इस्लामी विद्वान और जमीयत दावातुल मुस्लिमीन के संरक्षक मौलाना कारी इसहाक गोरा ने मुसलमानों को सोशल मीडिया पर दीन और इस्लामी पहचान का मजाक उड़ाने से सख्ती से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मजाक में भी अगर कोई इस्लामी तालीमात, कुरान, हदीस, नमाज, हिजाब या दाढ़ी जैसी चीजों का अपमान करता है, वह इस्लाम से बाहर हो सकता है। मौलाना गोरा ने आज सोशल मीडिया पर मीम्स और रील्स के द्वारा इस्लाम और उसकी पवित्र चीजों को हंसी का साधन बनाया है। उन्होंने कहा, नमाज, अजान, रोजा, हिजाब, उलमा और यहां तक निकाह और तलाक जैसे शरियत के गंभीर मसलों पर कॉमेडी वीडियो बन रहे है।

गोरा ने अफसोस जताया कि कई मुस्लिम युवक युवतियां बिना सोचे समझे इसतरह के वीडियो को लाइक शेयर या कमेंट करके उसका प्रचार करते हैं। मौलाना ने कहा कि शरीयत के अनुसार इस तरह की मजाकिया बातों को देखना हंसना या दूसरों को दिखाना भी बड़ा गुनाह है। गोरा ने अपील कर कहा अगर कोई नादानी में ऐसा कुछ कर भी चुका है, तब फौरन तौबा करे। इस्लाम मजाक का विषय नहीं है बल्कि यह एक बड़ी अमानत है। इससे पहले भी कई इस्लामी विद्वान सोशल मीडिया पर इसतरह के ट्रेंड्स पर चिंता जता चुके हैं। दारुल उलूम देवबंद सहित कई प्रमुख संस्थानों ने इस बारे में फतवे भी जारी किए हैं। अब मौलाना गोरा का बयान मुद्दे पर चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

लालू-नीतीश ने अपने शासनकाल में पूरे बिहार को मजदूरों का राज्य बनाया : प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक और पूर्व रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल (यूनाइटेड) पर निशाना साधकर कहा कि इनके शासन में बिहार मजदूरों का राज्य बना है। किशोर ने कहा कि बिहार में गरीबी, अशिक्षा और बेरोजगारी को खत्म करने का एकमात्र उपाय शिक्षा है। लालू-नीतीश के बीते 30-35 सालों के शासन ने पूरे बिहार को मजदूरों का राज्य बनाया है। यहां के बच्चे अपनी पीठ पर बोरा ढोने को मजबूर हैं। जन सुराज की विचारधारा यह है कि बिहार के बच्चे अपनी पीठ पर बोरा नहीं, बल्कि स्कूल बैग उठाएंगे, अच्छी जिंदगी जीएं।

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जन सुराज को आम चुनाव चिन्ह के रूप में स्कूल बैग आवंटित किया है। फैसले का स्वागत कर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि राज्य में गरीबी, निरक्षरता और बेरोजगारी को खत्म करने के लिए शिक्षा ही सबसे महत्वपूर्ण हथियार है। इससे पहले, एक साक्षात्कार में पीके ने कहा कि केंद्र में पीएम मोदी के 11 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद बिहार गरीबी, भुखमरी और लाचारी से जूझ रहा है।

उन्होंने सवाल किया, हम अभी भी भूख, गरीबी और लाचारी का सामना कर रहे हैं। हम इस सरकार से पूछते हैं, राज्य में बीस साल और केंद्र में ग्यारह साल सत्ता में रहने के बाद, आप एक भी ऐसा क्षेत्र बताइए जहां बिहार राष्ट्रीय स्तर पर नंबर एक पर है?

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने जताई चिंता

कहा- छोटी पार्टियों को होगा नुकसान, बड़ी पार्टियों के पास होता है पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने वन नेशन, वन इलेक्शन कराने की योजना पर चिंताएं जताई हैं। उन्होंने इसपर विचार के लिए बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कहा कि छोटी और राष्ट्रीय पार्टियों को बराबरी का मौका मिलना चाहिए। उनका मानना है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो छोटी पार्टियां पिछड़ जाएंगी। जेपीसी इस मामले पर विचार कर रही है और 11 जुलाई को पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेएस खेहर से बात करेगी।

केंद्र सरकार 2029 से एक साथ यानी वन नेशन, वन इलेक्शन कराने पर विचार कर रही है, ताकि चुनाव का खर्च कम हो और सरकारें विकास पर ध्यान दे सकें। मौजूदा परिस्थितियों में यह 2034 से ही पूरी तरह से लागू होने की संभावना है। कई पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं। उनका कहना है कि इससे लोकतंत्र और संघीय ढांचे को नुकसान होगा।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने जेपीसी को बताया कि एक साथ चुनाव कराने से छोटी पार्टियों को नुकसान होगा। क्योंकि बड़ी पार्टियों के पास ज्यादा पैसा होता है, जिससे वे चुनाव में आगे रहती हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के नियमों को मजबूत करना चाहिए, खासकर पैसे के मामले में। अभी उम्मीदवारों के खर्च की सीमा है, लेकिन पार्टियों के खर्च की कोई सीमा नहीं है। इससे बड़ी पार्टियों को फायदा होता है।

उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा या विधानसभा कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग हो जाती है, तो दोबारा चुनाव होने चाहिए। इससे लोगों को हमेशा अपना प्रतिनिधि चुनने का मौका मिलता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन तभी करेगा, जब सरकार के हर स्तर पर गैर-समकालिक चुनाव संविधान का मूल तत्व हो। चंद्रचूड़ ने अविश्वास प्रस्ताव पर कहा कि संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद को हमेशा सदन का समर्थन मिलना चाहिए। अगर अविश्वास प्रस्ताव लाने पर समय की पाबंदी होगी, तो यह सिद्धांत कमजोर हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत मिलना मुश्किल होता है। अगर अविश्वास प्रस्ताव, विश्वास प्रस्ताव पर निर्भर है, तो अल्पसंख्यक सरकार के सत्ता में बने रहने की संभावना है। यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ है। जेपीसी अभी विधेयक की जांच कर रही है। इस बिल में अनुच्छेद 82(ए) जोड़ने का प्रस्ताव है, जो लोकसभा और विधानसभाओं के एक साथ चुनाव से जुड़ा है। इसके अलावा अनुच्छेद 83, 172 और 327 में भी बदलाव करने की बात है। ये बदलाव 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद लागू होंगे और एक साथ चुनाव 2034 से शुरू हो सकते हैं।

बता दें आजादी के बाद 1952 से 1967 तक देश में एक साथ चुनाव हुए थे, लेकिन बाद में लोकसभा और विधानसभाएं समय से पहले भंग होने लगीं, जिससे चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। कई समितियों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है, लेकिन कुछ दिक्कतें भी बताई हैं।

ममता को डर... बांग्लादेशी घुसपैठियों वाला उनका वोट बैंक खत्म हो जाएगा

बीजेपी नेताओं ने निर्वाचन आयोग के नए फैसले का स्वागत किया

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के नए मतदाता सूची संशोधन नियमों पर नकारात्मक टिप्पणियां उनके हार के डर को दिखा रही हैं। उन्हें डर हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का उनका समर्पित वोट बैंक खतरे में आ सकता है। ममता ने कहा कि ईसीआई के नए दिशानिर्देश इस साल बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जारी हुए हैं, लेकिन वास्तव में ये नियम मुख्य रूप से बंगाल को निशाना बनाते हैं, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। उन्होंने आशंका जाहिर कि हैं कि ये नए नियम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की दिशा में एक कदम हो सकते हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि ममता को यह डर सता रहा है कि लंबे समय से सत्ता का खुश भोगने में मददगार रहे अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए, जिसमें रोहिंग्या पृष्ठभूमि वाले लोग भी शामिल हैं, उन्हें अब हटाया जाएगा और इसलिए वे आयोग पर हमलावार हैं।

उन्होंने कहा, हम ईसीआई के दिशानिर्देशों का स्वागत करते हैं। हम चाहते हैं कि मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ा दिया जाए। हम बायोमैट्रिक चाहते हैं। ममता को डर है, क्योंकि उनके समर्पित वोट बैंक के कई लोग अब हटाए जाएंगे।

हाल ही में दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप उप-मंडल के न्यूटन दास नाम के व्यक्ति को आयोग ने भारत और बांग्लादेश दोनों की मतदाता सूचियों में शामिल पाया। इसके बाद उनका नाम भारत की मतदाता सूची से हटाया गया। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी ममता के ईसीआई के नियमों पर डर को लेकर उनकी टिप्पणियों पर तंज कसा।

उनके अनुसार, मुख्यमंत्री का यह आरोप कि ईसीआई के दिशानिर्देश एनआरसी लागू करने का पहला कदम है, यह हैरान करने वाला और गैर-जिम्मेदाराना है, क्योंकि आयोग की ऐसी प्रक्रियाएं वैधानिक और नियमित हैं, जिनका उद्देश्य बंगाल की मतदाता सूचियों में शामिल किया जाना था।

उद्धव और राज ठाकरे एक साथ मिलकर करेंगे हिंदी का विरोध

- सोशल मीडिया पर ठाकरें ब्रदर्स ने लिखा, महाराष्ट्र की जय हो

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किए जाने के मामले ने उद्धव और राज ठाकरे को एक बार फिर साथ आने का मौका प्रदान किया है। इस मुद्दे को लेकर उद्धव और राज ठाकरे एक साथ मिलकर आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। इसकी जानकारी स्वयं शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दी है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फोटो शेयर किया। इसमें उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, महाराष्ट्र के स्कूलों में अनिवार्य हिंदी के खिलाफ एकजुट प्रदर्शन होगा। ठाकरे ही ब्रांड हैं। इसके अलावा राउत ने एक अन्य पोस्ट भी शेयर की और इस तस्वीर में उद्धव और राज ठाकरे एक साथ खड़े हुए दिख रहे हैं, जबकि उनके पीछे बाला साहेब ठाकरे की तस्वीर दिख रही है। उन्होंने इस फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, महाराष्ट्र की जय हो।हिंदी भाषा पर महाराष्ट्र की राजनीति में घमासान मचा हुआ है। स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य किया गया है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राज ठाकरे ने मुंबई में 6 जुलाई को मार्च का आह्वान किया था और उद्धव ठाकरे ने 7 जुलाई को मुंबई के आजाद मैदान में आंदोलन की घोषणा की थी, लेकिन अब संजय राउत ने बताया है कि वे दोनों एक साथ आंदोलन करेंगे। इससे पहले, शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र सरकार पर हिंदी भाषा को जबरदस्ती थोपने का आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने एक बयान में कहा था, वर्तमान सरकार राज्य पर हिंदी लादने की कोशिश कर रही है। उनका किसी भाषा या हिंदी भाषी समुदाय से कोई विरोध नहीं है, बल्कि वह जबरन किसी भाषा को थोपने के खिलाफ हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि बीजेपी की बांटने और काटने की नीति स्पष्ट है। वह मराठी और अन्य भाषियों के बीच जो एकता है, उसे खत्म करने की कोशिश कर रही है।

नीले ड्रम में लाश: लुधियाना हत्याकांड का हुआ पर्दाफाश, महिला समेत चार आरोपी गिरफ्तार

-आरोपियों में दो नाबालिग भी शामिल

लुधियाना(एजेंसी)। लुधियाना के शेरपुर इलाके में नीले ड्रम में बंद लाश मिलने के बाद सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने इस अंधे कत्ल का पर्दाफाश करते हुए एक महिला समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन आरोपियों में दो नाबालिग लड़के भी शामिल हैं। पुलिस ने इन पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जानकारी अनुसार, नीले ड्रम से कल जो लाश मिली थी उसकी पहचान लुधियाना के भारती कॉलोनी, गली नंबर 5 में निवास करने वाले मनोज उर्फ राजू के तौर पर हुई है। पुलिस ने लाश को जब नीले रंग के ड्रम से बरामद किया था तब ही इस बात का ऐहसास हो गया था कि हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई है। दरअसल ड्रम में लाश को रख कर उसे एक खाली प्लॉट में फेंक दिया गया था। इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में कामयाब रही पुलिस ने अपनी जांच में पाया कि वारदात वाली रात को सभी आरोपी शराब के नशे में चूर थे। नशे की हालत में आरोपियों ने मनोज के साथ मारपीट की और उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। जब वह बेसुध हो जमीन पर गिर गया तब कुछ देर बाद ही उसकी घटनास्थल पर ही मौत भी हो गई। उसकी मौत से आरोपी बुरी तरह घबरा गए और रातभर लाश को उसके अपने कमरे में रहने ही रहने दिया। इसके बाद अगले दिन सुबह मौका देख आरोपियों ने लाश को रस्सी से बांध एक नीले रंग के ड्रम में पैक किया। इसके बाद एक ई-रिक्शा की मदद से लाश वाले ड्रम को शेरपुर के एक सुनसान खाली प्लॉट में फेंक कर चले गए। जब लोगों ने खाली प्लाट में नीले ड्रम को देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जब ड्रम खोल कर देखा गया तो उसमें लाश नजर आई। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने पुलिस अधिकारी करनवीर सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सबसे पहले सेफ सिटी प्रोजेक्ट के कैमरों के फुटेज खंगाले और तभी पुलिस की नजर ई-रिक्शे पर गई, जिसमें नीला ड्रम ले जाते कुछ लोग नजर आए। इसके बाद पुलिस ने ई-रिक्शा चालक रोहित को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। जब सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने पूरे मामले का खुलासा कर दिया। उसके द्वारा प्राप्त जानकारी को आधार बना पुलिस ने 6 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया और इसी के साथ गिरफ्तारियां की गईं। आरोपियों में महिला ऊषा देवी के साथ ही फागू प्रसाद, नीरज कुमार और सीटू कुमार शामिल बताए गए हैं, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके अलावा दो अन्य आरोपी जयवीर और विशाल नाबालिग बताए गए हैं, जिनके खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

कोर्ट में पेश कर आरोपियों को लिया रिमांड पर

पुलिस ने चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश करते हुए रिमांड पर ले लिया है। अब पुलिस यह मालूम करने में जुटी है कि इस निर्मम हत्या के पीछे की असल वजह क्या थी। फिलाहाल आपस में झगड़े की बात सामने निकल कर आई है, लेकिन पुलिस की टीम हर संभावित एंगल से मामले की जांच कर रही है।

सेहत

जानें लिवर को फिट रखने वाली इन देसी चीजों के बारे में

हेपेटाइटिस में व्यक्ति का लिवर (यकृत) ठोस हो जाता है जिससे पेट संबंधी कई परेशानियां होने लगती हैं। गंभीरता से न लेने पर यह बीमारी जानलेवा भी हो सकती है। आइए जानते हैं इसके लिए कारगर कुछ आयुर्वेदिक उपायों के बारे में। गिलोय का 20 मिलिलीटर रस, आंवले व ग्वारपाठे का 10-10 मिलिलीटर रस मिलाकर दिन में दो बार लेने से पाचनक्रिया व पेशाब संबंधी रोगों में लाभ होता है। पुनर्नवा, रोहेड़ा की छाल, गोखरू, मकोय, डाब की जड़, इक्षुमूल व दारूहरिद्रा को रात में पानी में भिगो दें। सुबह छानकर 15-20 मिलिलीटर खाली पेट पीने से लिवर संबंधी समस्याओं में आराम मिलता है। मकोय के पत्ते, सफेद पुनर्नवा में हल्दी, काली मिर्च, धनिया व हल्का सेंधा नमक मिलाकर सब्जी बनाकर लेने से लिवर की कठोरता व सूजन में लाभ होगा।

15 मिलिलीटर ताजा गिलोय के रस

में 20-25 किशमिश कूटकर मिलाएं। इससे उल्टी, पेट में जलन की समस्या में आराम मिलता है। मूली के पत्ते, चुकंदर के पत्ते व पालक (तीनों 250 ग्राम मात्रा में) या दानामेथी के पत्तों के रस में 50 ग्राम चीनी व एक चम्मच नमक मिलाएं। इसे हेपेटाइटिस की पहली स्टेज व रोग ठीक होने के बाद दें। इससे खून की कमी दूर होती है।

कुटकी, चिरायता, सौंफ, इलाइची व सोंठ को एक चौथाई चम्मच सभी समान मात्रा में लेकर दो चम्मच पानी मिलाएं व हल्का गुनगुना करें। इस पेस्ट को शहद में मिलाकर खाने से पाचनक्रिया दुरुस्त होगी। तुलसी की पत्तियों के एक चम्मच पेस्ट को 200 मिलिलीटर मूली के पत्तों के रस में मिलाकर पीना भी इस रोग में लाभकारी है। मूली के ताजे पत्ते खून व लिवर से अधिक बिलरुबीन (तरल जिसे लिवर बनाता है) निकालने में सक्षम होते हैं। इसके पत्तों को पीसकर 15-20 मिलिलीटर रस दिन में दो बार लेने से पाचनक्रिया में सुधार होता है।

प्रोटीन डाइट से कर सकते हैं बचाव

शरीर में लिवर सर्वाधिक काम करता है। हेपेटाइटिस इसी अंग को नुकसान पहुंचाता है। नई दिल्ली स्थित एक्शन इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एंड डिजेस्टीव डिसेंसेस के गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. जी. एस. लांबा के अनुसार इससे बचने के लिए रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत रखना जरूरीहै। इसके लिए प्रोटीन व विटामिनयुक्त चीजें जैसे दालें, सोयाबीन, दूध व दूध से निर्मित पदार्थ, हरी सब्जियां, फल व सूखे मेवे आदि को डाइट में शामिल करें। शाकाहारी भोजन लें व मटर, मैदा, डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ, पेस्ट्री, चॉकलेट, कोल्डड्रिंक आदि से परहेज करें व नियमित व्यायाम करें।

खबरें जरा हटके

यहां बिकते हैं दूल्हे, 9 दिनों तक लगता है मेला

नई दिल्ली। कहते हैं, जोडियां ऊपर से ही बनकर आती हैं। हालांकि फिर भी जीवन साथी की खोज करने में कई बार कुछ ज्यादा ही मेहतन करनी पड़ती है। हालांकि कई जगह दूल्हों की सौदेबाजी भी होती है। हालांकि बिहार में तो खासतौर से दूल्हों की मड़ी भी लगती है। अब आप सोच रहे होंगे कि सब्जी मंडी, किराना मंड, फल मंडी आदि तो सुना था, लेकिन ये दूल्हा मंडी क्या है।

बिहार के मधुबनी जिले में यह दूल्हों की मंडी लगती है। यहां सौराठ सभा यानी दूल्हों का मेला 22 बीघा जमीन पर 9 दिन के लिए भरता है। लोग इसे सभागाछी के नाम से भी जानते हैं। मैथिल ब्राह्मण के इस मेले में देश-विदेश से कन्याओं के पिता योग्य वर का चयन कर अपने साथ ले जाते हैं और चट मंगनी पट विवाह कर देते हैं। इतना ही नहीं यहां योग्यता के अनुसार दूल्हों की सौदेबाजी भी की जाती है।

9 दिवसीय इस मेले में पंजिकारों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जो संबंध तय होता है उसे मान्यता पंजिकार ही देते हैं। बताते चलें कि पंजिवद्ध पद्धति में पिता पक्ष और ननिहाल पक्ष के 7 पीढ़ी तक के संबंधों को देखा जाता है। किसी तरह का संबंध रहने पर वर-कन्या का विवाह नहीं होता है।

पंजिकार विभूतिनाथ झा बताते हैं कि 700 साल पहले यह मेला आरंभ हुआ था। साल 1971 में यहां लगभग 1.5 लाख लोग आए थे। वर्तमान में आने वालों की संख्या कम हो गई है। पंजिकार झा वैज्ञानिक तर्क देते हुए बताते हैं कि डिफरेंट ब्लड ग्रुप में विवाह करने से जन्म लेने वाला संतान सुंदर और स्वस्थ्य होता है।

विवाह को लेकर विभिन्न समुदाय और धर्मों में अलग-अलग रिवाजों के बारे में आपने सुना होगा। मगर कभी दूल्हों को बिकते हुए देखा है? लोकल पब्लिक की मानें तो अधिकतर पुरानी परंपराएं खत्म हो गई है। दहेज प्रथा को रोकने के लिए राजा हरि सिंह देव ने इस मेले की शुरुआत की थी।

इससे उलट अब आलम यह है कि इस मेले में लड़की पक्ष वाले वर के योग्यतानुसार मूल्य निर्धारित करते हैं। इस वजह से इसका महत्व कम होने लगा है। ज्ञात हो कि बिहार सरकार 2 अक्टूबर से दहेज प्रथा को लेकर अभियान चलाने की तैयारी में है। अगर सौराठ सभा अपने उद्देश्य में सफल होता तो सरकार को आज यह अभियान नहीं चलाना पड़ता।

काफी दिनों से बंद इस मेले को फिर से चालू करने का निर्णय लिया गया है। इस बार ये मेला 25 जून से आरंभ होकर 3 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान भारत सहित नेपाल और आसपास के देशों से लोगों की आने की संभावना है। मेले के लिए प्रशासन की ओर से भी पूरी तैयारी की गई है। वहीं इस संबंध में दूल्हे की मंडी के पंज?कार विभूति नाथ झा कहते हैं क? अब ब्राह्मण का विवाह भी दूसरे जाति में होने लगा है। साथ ही दहेज लेना लोग अपनी शान समझने लगे हैं इस वजह से सौराठ सभा में लोग कम पहुंच रहे हैं।

डांस करने का शौकीन है गोरिल्ला, जमकर करता है वॉशरूम में डांस

टेक्सास। आपने बाथरूम सिंगर्स के बारे में तो सुना होगा। हालांकि कुछ लोग बाथरूम में गाना गानो के साथ साथ डांस भी करते हैं, लेकिन हम आपको बाथरूम डांसर गोरिल्ला के बारे में बताने जा रहे हैं। बेशक इंसान और गोरिल्ला की आदतें काफी हद तक एक जैसी हैं। टेक्सास के जू में एक गोरिल्ला कुछ ऐसी ही हरकतें करता है। हाल ही सोशल मीडिया पर उसका ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो नहाते समय डांस करता नजर आता है।

यह वीडियो जोला द डांसिंग गोरिल्ला के नाम से 20 जून को यूट्यूब पर डाला गया था। एक गोल बाथ टब में एक गोरिल्ला नहा रहा है और ऐसा डांस कर रहा है कि आपको भी देखकर हंसी आ जाए। इसकी डांसिंग स्टाइल ब्रेक डांस है। वीडियो में 14 साल के मेल गोरिल्ला जोला को ब्लू कलर के बाथिंग टब में छपक छपक कर नहाते देख इस वीडियो को सोशल मीडिया पर 5 लाख लोग अब तक देख चुके हैं।

यह जोला का पहला नजारा नहीं है। इसके पहले भी 2011 में जोला का ऐसा ही एक वीडियो सामने आया था। उस दौरान गोरिल्ला एक कमरे में नहाते हुए नजर आ रहे थे। चिड़ियाघर की सीनियर अथॉरिटी का कहना है कि पानी में नहाना उसकी खूबी है। जब भी वह पानी को देखता है तो ऐसे उत्सुक होता है कि क्या कहने।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

लॉफिंग ज़ोन

सुधा (साड़ी विक्रेता से)- 'कहिए जनाब धंधा कैसा चल रहा है?'

दुकानदार - 'कल एक साड़ी बिकी थी. आज उससे भी ज्यादा मंदा है.'

सुधा - 'अरे, इससे ज्यादा मंदा और क्या हो सकता है?'

दुकानदार - 'जो महिला कल साड़ी खरीदकर ले गई थी आज वापस कर गई.'

☺ ☺ ☺

एक मूर्ख संग्रहालय देखने गया और वहां रखी एक पुरानी मूर्ति से टकरा गया. मूर्ति टूट गयी. संग्रहालय के अधिकारी ने जब यह देखा, तो गुस्से से बोला, 'हे भगवान, आपने 500 साल पुरानी यह मूर्ति तोड़ दी?'

मूर्ख ने राहत की सांस ली और बोला, 'तो नाराज क्यों होते हो?' मैं तो इसे नयी मूर्ति समझ बैठा था.

☺ ☺ ☺

दो महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं.

पहली बोली- मेरे पति दिन भर में बहुत से भूखे लोगों को खाना खिला देते हैं.

हां बहन, आजकल देवता जैसे लोग मिलते ही कहां है. तू बहुत ही भाग्यवान है, जो तुझे ऐसे पति मिले है. वैसे तेरे पति करते क्या हैं? दूसरी महिला ने कहते हुए पूछा.

'वे एक होटल मे वेटर है.' पहली महिला ने जवाब दिया.

काकुरो पहेली - 4096

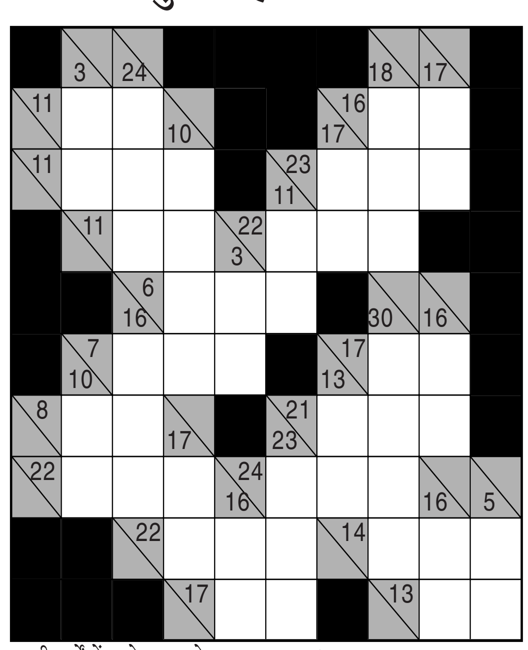

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

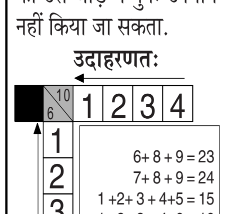

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4095 हल

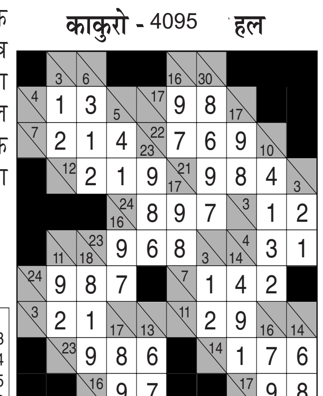

फिल्म वर्ग पहेली- 4096

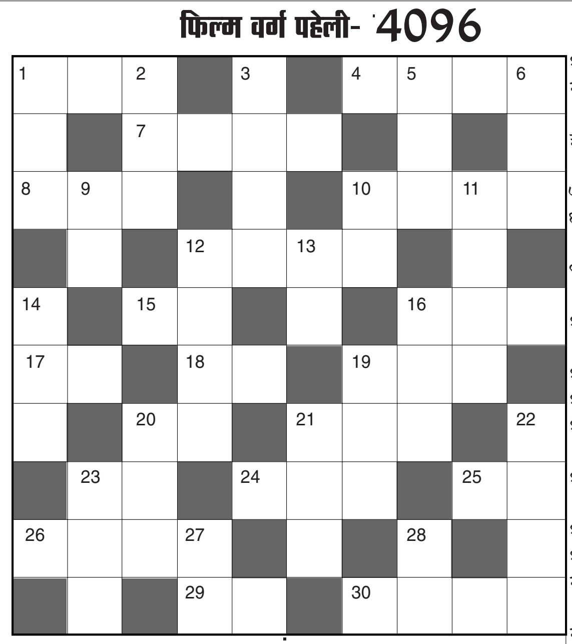

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेंद्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4095

सूडोकु -4096

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4096 हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 4096

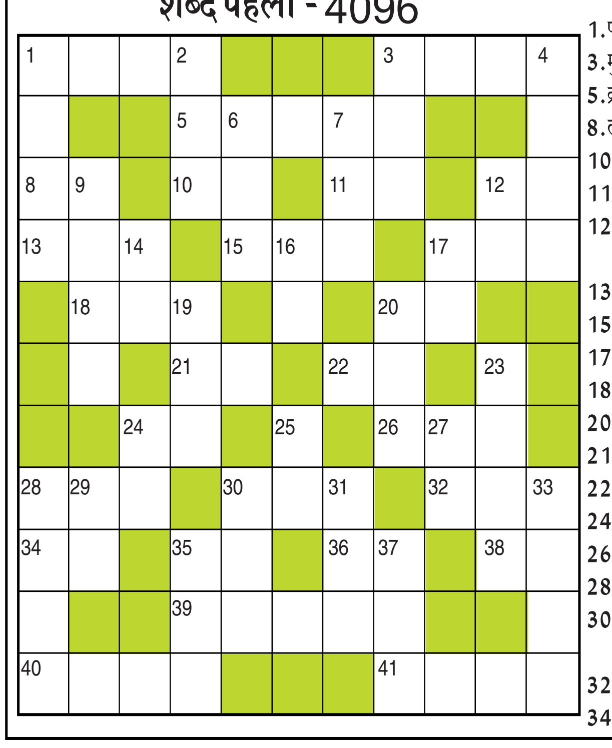

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली - 4096 हल

सीतामढ़ी में मां जानकी के भव्य मंदिर के निर्माण के लिए सरकार ने नौ सदस्यीय 'ट्रस्ट' का किया गठन

एजेंसी

पटना। बिहार सरकार ने सीतामढ़ी जिले में देवी सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम में मां जानकी के भव्य मंदिर के निर्माण और पुनर्विकास के लिए राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक ट्रस्ट का गठन किया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर की तर्ज पर पुनौरा धाम में भी भव्य मंदिर बनाया जाएगा। विधि विभाग द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार सीतामढ़ी जिले के पुनौरा गांव में श्री जानकी जन्म भूमि पुनौरा धाम मंदिर न्यास समिति नामक ट्रस्ट का गठन किया गया है। यह ट्रस्ट तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएगा। राज्य के मुख्य सचिव ट्रस्ट के अध्यक्ष होंगे, जबकि विकास आयुक्त उपाध्यक्ष होंगे तथा सीतामढ़ी के जिलाधिकारी और उप विकास आयुक्त (डीडीसी) क्रमशः सचिव और कोषाध्यक्ष होंगे। इसके अलावा ट्रस्ट के पांच अन्य सदस्य होंगे, जिनमें पुनौरा धाम के महंत, मठ, पर्यटन, पथ निर्माण और नगर विकास एवं आवास तीनों विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव सदस्य होंगे तथा तिरहुत प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त भी सदस्य होंगे। ट्रस्ट के बैंक खाते का संचालन सचिव और कोषाध्यक्ष करेंगे।

बारिश बनी मुसीबत : गुजरात, हिमाचल और उत्तराखंड में हालात बेकाबू, केदारनाथ रूट से 1269 श्रद्धालुओं का रेस्क्यू

नई दिल्ली/अहमदाबाद/सूरत/कुल्लू। मानसून ने पूरे देश को भिगो दिया है, लेकिन राहत की ये बारिश अब कई इलाकों में तबाही का चेहरा ले चुकी है। गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड और हिमाचल जैसे राज्यों में हालात बेहद गंभीर हैं। कहीं सड़कें बह रही हैं, कहीं घर डूब रहे हैं, तो कहीं लोग जान बचाने के लिए रेस्क्यू टीमों के भरोसे हैं। वडोदरा में हुई भारी बारिश के बाद अहमदाबाद-मुंबई नेशनल हाईवे पर जाम्बुवा ब्रिज के पास सड़क पर पड़े विशाल गड्ढों के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम की लंबाई 15 किलोमीटर तक पहुंच गई। घंटों तक वाहन रेंगते रहे। लोग फंसे रहे, धैर्य भी। सूरत के गीतानगर इलाके में बाढ़ जैसे हालात हैं। पानी की ऊंचाई 3 से 4 फीट तक पहुंच गई है। इसी बीच तबीयत बिगड़ने पर एक गर्भवती महिला को फायर ब्रिगेड की टीम ने समय रहते रेस्क्यू किया। नाव के जरिए उसे अस्पताल पहुंचाया गया। बारिश अब जीवन रक्षक सिस्टम की परीक्षा लेने लगी है। कोटा के बैराज पर युवाओं का जोश कभी-कभी होश पर भारी पड़ता दिखा। तेज बहाव वाले पानी में कुछ युवक एक्सरसाइज करते नजर आए। ऐसे समय में जहां प्रशासन पानी से बचाव की अपील कर रहा है, वहीं ये नज़ारे चिंता बढ़ाते हैं। बांसवाड़ा में बीते 24 घंटे में 8 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज हुई है।गुजरात के नवसारी जिले के अमधरा गांव में बारिश ने ऐसी तबाही मचाई कि प्राइमरी स्कूल पानी में समा गया। ब्लैकबोर्ड से लेकर फर्नीचर तक जल समाधि ले चुके हैं।

कथा वाचकों पर मुकदमा लिखने से नाराज यादव समाज के लोगों ने किया बवाल, पुलिस पर पथराव, 19 लोग हिरासत में

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा में कथा वाचक के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद यादव समाज के लोगों ने आक्रोशित होकर थाना बकेवर का घेराव किया। बाद में मुकदमा लिखवाने वाले शख्स के गांव दादरपुर जाकर जमकर बवाल किया।इसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस पर भी अराजकतत्वों ने पथराव करना शुरू कर दिया। पथराव में पुलिस की गाड़िया क्षतिग्रस्त हुई हैं। अराजकतत्वों पर काबू पाने के लिए पुलिस को हल्के बल का प्रयोग करना पड़ा। पुलिस ने बवाल कर रहे 12 से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि थाना बकेवर में कथावाचक मुकुट मणि यादव और संतराम यादव के खिलाफ कथा करवाने वाले दंपति ने अपनी पहचान बदलकर कथा कहने के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है। उसके बाद आज मुकदमा दर्ज होने के विरोध में उपद्रवियों ने दंपति के गांव जाकर बवाल करना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर भी उपद्रवियों ने पथराव करना शुरू कर दिया। पुलिस की दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। पुलिस ने हल्का बल का प्रयोग करते हुए उपद्रवियों को खदेड़कर स्थिति को नियंत्रण में किया।

आआपा विधायक उमेश मकवाना 5 साल के लिए पार्टी से निलंबित, सुबह पार्टी के पदों से दिया था इस्तीफा

गांधीनगर। आम आदमी पार्टी (आआपा) के बोटाद से विधायक उमेश मकवाना को पार्टी ने पांच साल के लिए निलंबित कर दिया गया। पार्टी नेतृत्व की तरफ से यह कदम तब उठाया गया है, जब उन्होंने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देते हुए कार्यकर्ता के रूप में काम करते रहने की बात कही थी। उन्होंने पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर पार्टी के पद से इस्तीफा सौंपा। गुजरात में आआपा प्रदेश अध्यक्ष ईसुदान गढ़वी ने एक्स पोस्ट में बताया कि उमेश मकवाना को पार्टी और गुजरात विरोधी गतिविधियों के चलते पांच वर्षों के लिए निलंबित किया गया है। अपने इस्तीफे में उमेश मकवाना ने लिखा कि वे ढाई वर्षों से आआपा का राष्ट्रीय संयुक्त सचिव पद संभाल रहे थे। साथ ही गुजरात विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक भी रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार को 'छोटा-मोटा' राज्य बताया, एनडीए भड़का

एजेंसी

पटना। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार को 'छोटा-मोटा राज्य' बताए जाने वाले बयान के बाद बिहार की सियासत गर्म हो गई है। खड़गे के बयान पर एनडीए नेताओं ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए इसे बिहार का अपमान बताया है। वैसे इस बयान को लेकर विपक्ष अभी कुछ नहीं बोल रहा है। भाजपा के नेता और बिहार के मंत्री नितिन नबीन ने खड़गे के बयान पर कहा, 'जिस छोटी मानसिकता से कांग्रेस पार्टी के नेता काम करते हैं, उनके लिए वही राज्य बड़ा है, जिस राज्य में राहुल गांधी और सोनिया गांधी का परिवार हो। बाकी सब को वे छोटी नजरों से देखने का काम करते हैं। कांग्रेस ने इस देश को केवल सोनिया गांधी, राहुल गांधी और इंदिरा गांधी की आंखों के चश्मे से देखा है, आम जनमानस उनको

अपने चश्मे से नहीं दिखता है। इसका ताजा उदाहरण उनकी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का बयान है। बिहार के लोग इस अपमान का बदला आने वाले चुनाव में कांग्रेस को धूल चटाकर लेंगे। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और पूर्व मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर कहा कि कांग्रेस की यह मानसिकता पुरानी है, बिहार जैसे राज्य को वे कुछ समझते ही नहीं हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक बार फिर से उसी मानसिकता का प्रदर्शन किया है। बिहार की महानता है कि इस प्रदेश के लोग देश को बनाते हैं और बिहार के बारे में इस तरह की टिप्पणी कांग्रेस के लोग करते हैं। यह बहुत ही ओछी टिप्पणी है। बिहार अब इस तरह की टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं करेगा। इस तरह की टिप्पणी का खामियाजा उन्हें आने वाले चुनाव में भुगतना पड़ेगा। उपेंद्र कुशवाहा ने भ्रष्टाचार मिटाने के राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान पर कहा कि उनकी बातों पर बिहार की जनता कभी विश्वास नहीं कर सकती है, खासकर भ्रष्टाचार के मामले में। जो पार्टी सिर से पांव तक भ्रष्टाचार में ही डूबी हो, उस पार्टी का नेता इस तरह की बात करेगा तो कौन भरोसा करेगा? उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि यह कांग्रेस अध्यक्ष के अज्ञान की पराकाष्ठा है कि वे गांधी के प्रथम सत्याग्रह की भूमि और देश को प्रथम राष्ट्रपति देने वाले बिहार का महत्व नहीं जानते। बिहार कोई छोटा-मोटा राज्य नहीं, बल्कि यह वह भूमि है, जहां से लोकतंत्र की नींव पड़ी, जहां बुद्ध और महावीर ने ज्ञान का प्रकाश फैलाया और जहां से जेपी ने आपातकाल के विरुद्ध स्वतंत्रता की दूसरी लड़ाई लड़ी। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने भी खड़गे के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा कि बिहार छोटा नहीं, बल्कि कांग्रेस की मानसिकता छोटी है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच हुआ एमओयू

एजेंसी

भोपाल। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए श्रीराम पथ गमन, श्रीकृष्ण पाथेय और बुद्ध सर्किट के अनुसंधान और विकास की दृष्टि से मध्य प्रदेश और उत्तरप्रदेश के बीच एमओयू किया गया। साथ ही, दोनों प्रदेश के पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसायियों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावे के उद्देश्य से मप्र टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन रोड शो का आयोजन किया गया। यह रोड शो आगामी माह में होने वाले मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट और रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव की तैयारियों के दृष्टिगत किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में अधोसंरचना विकास, पारंपरिक संस्कृति का संरक्षण एवं प्रोत्साहन और पर्यटन क्षेत्र में निजी सहभागिता को बढ़ावा देकर सुनियोजित एवं एकीकृत प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से आज मध्य प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में असीम क्षमता और निवेश का आकर्षक क्षेत्र बन गया है। उप मुख्यमंत्री लखनऊ के होटल ताज में पर्यटन रोड शो में पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारकों को संबोधित कर रहे थे। कहा कि किसी भी क्षेत्र में तीव्र गति से विकास तीन क्रांतियों से होता है। औद्योगिक क्रांति, हरित क्रांति और पर्यटन क्रांति। इन तीनों क्रांतियों से स्वरोजगार और रोजगार के अवसर सृजित होते हैं। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश इन तीनों क्रांतियों के लिये सबसे उपयुक्त प्रदेश हैं।

नफरत की बात करने वालों को मोहब्बत और विकास से हराएंगे - तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि 2025 में जो पार्टी नफरत और समाज को बांटने की बात करती है, उसे हम लोग मोहब्बत और विकास से हराएंगे। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग धर्म को धर्म से और जाति को जाति से लड़ाएंगे। पटना के बापू सभागार में छात्र-युवा संसद में आए युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार का युवा वर्ग अब इतिहास लिखेगा। बिहार का युवा अब सिर्फ नौकरी नहीं मांगेगा, बल्कि नीति भी बनाएगा और नेतृत्व भी करेगा। यहां के युवा अब परिवर्तन को लेकर अंगड़ाई ले रहे हैं। अब यहां के युवा सत्ता के फैसले का इंतजार नहीं करेंगे, बल्कि सत्ता का फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग ऐसी सरकार चाहता है जो राज्य को शिक्षा का केंद्र बनाए, इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करे और भरपूर रोजगार उपलब्ध कराए, ताकि वे किसी दूसरे राज्य में नौकरी करने की बजाय अपने राज्य के मालिक बन सकें। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर कहा कि अब वह ÷अचेत÷ अवस्था में हैं, उनकी एनडीए के जुमलों को युवाओं ने कूड़े में फेंक दिया है। उन्होंने कहा कि अब विचारों में नहीं, बदलाव की क्रांति

सरकार नकलची है। उनके पास कोई विजन या रोडमैप नहीं है, जिस दिन आठ करोड़ युवा एकजुट होकर आवाज उठाएंगे, उस दिन बिहार बदलेगा। अगर सभी युवा एकजुट हो गए तो जातीय गणित खत्म हो जाएगा और 2025 इसका गवाह बनेगा। प्रधानमंत्री बिहार आते हैं, लेकिन चीनी मिल की बात नहीं करते, रोजगार की बात नहीं करते। अब होनी चाहिए। बिहार में दो उपमुख्यमंत्री हैं, एक 'लाउड माउथ' और दूसरा 'फाउल माउथ'। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार सरकार संभालने के लायक नहीं हैं और भाजपा के पास कोई सीएम का चेहरा नहीं है। कार्यक्रम खत्म होने पर भीड़ बेकाबू हो गई और सभागार का शीशा टूट गया। इस घटना में एक व्यक्ति को चोट आने की भी सूचना है।

पद्मश्री हास्य कवि सुरेंद्र दुबे का निधन, साहित्य जगत में शोक की लहर

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले और जाने-माने हास्य कवि पद्मश्री सुरेंद्र दुबे का हार्ट अटैक से निधन हो गया। रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट (एसीआई) में उनका इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। परिवार के करीबी सूत्रों ने उनके निधन की पुष्टि की है।

केंद्र सरकार ने उनके उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2010 में 'पद्मश्री' सम्मान से नवाजा था। वह एक लेखक और विचारक के रूप में भी अपनी पहचान रखते थे। उनके निधन की खबर से पूरे साहित्य और सांस्कृतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। सोशल मीडिया पर भी कवियों, साहित्यकारों, राजनेताओं और आम नागरिकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। सुरेंद्र दुबे के निधन पर कवि कुमार विश्वास ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, छत्तीसगढ़ी भाषा व संस्कृति के वैश्विक राजदूत, मुझे सदैव अनुजवत स्नेह देने वाले, बेहद जिंदादिल इंसान, कविश्रेष्ठ पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे जी का निधन सम्पूर्ण साहित्य-जगत के लिए अपूरणीय

क्षति है। मेरे हृदय के रायपुर का एक हिस्सा, आपकी अनुपस्थिति को सदैव अनुभव करेगा भैया। छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, छत्तीसगढ़ माटी के लाल हास्य कवि पद्मश्री कवि डॉ. सुरेंद्र दुबे जी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। वह बेहद ही खुशमिजाज व्यक्तित्व के धनी थे, उनका इस तरह असमय चले जाना परिवार के समस्त छत्तीसगढ़ वासियों के लिए अपूर्णीय क्षति है। विनम्र श्रद्धांजलि।छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रवक्ता देवेंद्र यादव ने एक्स पर लिखा, हास्य और व्यंग्य को नई ऊंचाइयां देने वाले छत्तीसगढ़ी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले, छत्तीसगढ़ महतारी के रतन बेटा हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे जी के निधन का समाचार अत्यंत ही दुःखद एवं पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिजनों और उनके असंख्य प्रशंसकों को यह पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें।

मोहाली कोर्ट ने अकाली नेता बिक्रम मजीठिया को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

एजेंसी

चंडीगढ़। 540 करोड़ रुपए से अधिक के ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किए गए शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को मोहाली कोर्ट ने 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। सुबह मजीठिया को कड़ी सुरक्षा के बीच मोहाली कोर्ट में पेश किया गया था।

बिक्रम मजीठिया के आवास पर बुधवार को पंजाब विजिलेंस की टीम ने छापा मारा था। इसके बाद उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। मजीठिया की गिरफ्तारी को लेकर शिरोमणि अकाली दल के कार्यकर्ताओं ने भगवंत मान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पार्टी नेता दलजीत सिंह चीमा ने इसे बदले की कार्रवाई बताया था। शिरोमणि अकाली दल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर

कर पंजाब सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'न कभी झुके हैं, न कभी झुकेंगे।' जितना जोर लगाना है, लगा लो। हर अकाली कार्यकर्ता सरदार बिक्रम सिंह मजीठिया के साथ है। गुरुवार सुबह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बिक्रम मजीठिया के खिलाफ हुई कार्रवाई पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने बयान में कहा, बिक्रमजीत मजीठिया को रिमांड पर लिया जाएगा, जिसमें वह सब कुछ बताएंगे कि उनके पास क्या-क्या है। बुधवार को विजिलेंस ने बताया था कि क्या-क्या बरामद हुआ है। मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा कि कोई भी अपनी पावर या पद का अहंकार न करे। मैं पंजाब के लिए वफादार हूं और मैंने यहां के लोगों से वादा किया था कि 'रंगला पंजाब बनाएंगे'। इसके लिए अगर वह मेरा भी नुकसान करते हैं तो कोई बात नहीं। विजिलेंस द्वारा हिरासत में लिए जाने से पहले बिक्रम मजीठिया ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने पंजाब की भगवंत मान सरकार की आलोचना की और उन पर कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया। मजीठिया ने कहा था, मेरे घर पर छापेमारी भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल के अहंकार को दर्शाती है। विजिलेंस ने मेरे घर में जबरदस्ती प्रवेश किया और प्रेस को भी अंदर नहीं आने दिया। इतना ही नहीं, वकीलों के साथ भी धक्का-मुक्की की। आम आदमी पार्टी की सरकार कानून का उल्लंघन कर रही है।

उत्तर प्रदेश के इटावा में डबल डेकर बस पलटी, दो की मौत, 25 से अधिक घायल

एजेंसी

इटावा। बिहार से दिल्ली जा रही एक डबल डेकर बस इटावा के सैफई क्षेत्र में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक नेपाली महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि थाना सैफई क्षेत्र के अंतर्गत आगरा लखनऊ-एक्सप्रेस-वे पर बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस हादसे का शिकार हो गई। घटना में बस में सवार दो यात्रियों की मौत हो

गई, जबकि 25 से अधिक घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती करवाया है। घायलों में कुछ यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि मरने वाले यात्रियों की शिनाख्त सईदा खातून निवासी नेपाल और मनोज कुमार निवासी दरभंगा, बिहार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हादसे का कारण प्रथम दृष्टया बस चालक को झपकी आना प्रतीत हो रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवा कभी सीखना बंद ना करें, कभी सपने देखना बंद ना करें : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जोधपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला मील का पत्थर है। यहां से निकलने वाले स्नातक वह युवाशक्ति है जो विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं की ऊर्जा और नवाचार की शक्ति को पहचानती है। हम टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर निवेश कर रहे हैं ताकि युवाओं को प्रत्येक क्षेत्र में रोजगार के भरपूर अवसर मिलें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे कभी सीखना बंद ना करें, कभी सपने देखना बंद ना करें तथा अपने

हर निर्णय में 'भारत प्रथम' की भावना को अपनाएं। शर्मा जोधपुर में आईआईटी, जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि आपने कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण से शिक्षा पूरी कर माता-पिता के साथ समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आईआईटी जोधपुर भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है। कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, एआई, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, बायो इंजीनियरिंग इत्यादि के क्षेत्र में यह संस्थान अपनी शिक्षा और रिसर्च के लिए जाना जाता है। आईआईटी जोधपुर मरुधरा की इस धरती में एक चमकता हुआ मोती है जो पूरे भारतवर्ष में अपनी चमक बिखेर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का इतिहास अत्यंत समृद्ध और गहराई से जुड़ा हुआ है। प्राचीन भारत में ज्ञान का उद्देश्य दर्शन या आध्यात्म के साथ व्यावहारिक उपयोग और प्राकृतिक सिद्धांतों की खोज भी था। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषियों ने शून्य की खोज कर आधुनिक गणित की नींव रखी। दशमलव प्रणाली की शुरूआत तथा त्रिकोणमितीय फलन का विकास भी भारत में ही हुआ।

आपातकाल लोकतंत्र पर सबसे बड़ा आघात था :दत्तात्रेय होसबाले

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने गुरुवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर कहा कि वर्ष 1975 में लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा आघात था।

दत्तात्रेय होसबाले दिल्ली के डॉ अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में संस्कृति मंत्रालय के तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, अम्बेडकर इंटरनेश्लन सेंटर और बहुभाषी संवाद समिति 'हिन्दुस्थान समाचार' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपातकाल के उस दौर में जबरन संविधान में 'समाजवाद' और 'पंथनिरपेक्षता' जैसे शब्द जोड़े गए, जिस पर आज पुनः विचार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आपातकाल केवल सत्ता का दुरुपयोग नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता को कुचलने का प्रयास था। लाखों लोगों को जेल में डाल दिया गया और प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला हुआ। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल

थोपकर संविधान और लोकतंत्र का दमन किया, उन्होंने आज तक माफी नहीं मांगी। यदि उन्होंने स्वयं नहीं किया तो उन्हें पूर्वजों के नाम पर माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि आपातकाल के विरोध में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके विचारों की बड़ी भूमिका रही। संघ से प्रेरित कार्यकर्ताओं के बलिदान से ही लोकतंत्र की रक्षा संभव हुई। उन्होंने इंदिरा गांधी पर सत्ता बचाने के लिए आपातकाल लगाने और संविधान के मूल भाव को बदलने का आरोप लगाया। प्रेस, संसद और न्यायपालिका पर दबाव डाला गया। उस दौर में भय का ऐसा माहौल था कि लोग अपने अधिकारों के लिए भी आवाज नहीं उठा सकते थे। लोकतंत्र की आवाज दबाने के लिए हर स्तर पर प्रयास हुए। आज की पीढ़ी को उस काल की सच्चाई से अवगत कराना आवश्यक है। इंदिरा गांधी कला केंद्र के अध्यक्ष एवं हिंदुस्थान समाचार के समूह संपादक राम बहादुर राय ने कहा कि आपातकाल को केवल एक राजनीतिक घटना मानना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके सच, यथार्थ और अंत को गहराई से समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सच यह था कि एक डरी हुई महिला (इंदिरा गांधी) पूरे देश को डराने का प्रयास कर रही थी। यथार्थ यह था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के समानांतर एक नियंत्रित और दमनकारी शासन तंत्र खड़ा कर दिया गया था। अंततः जनता ने इस तानाशाही व्यवस्था को नकार दिया और लोकतंत्र की पुनः स्थापना की।

मतदाता सूची के नए नियमों पर ममता बनर्जी ने उठाए सवाल

एजेंसी

कोलकाता। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया को लेकर जारी की नई गाइडलाइन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि आयोग की ये पहल सिर्फ बिहार के लिए नहीं बल्कि बंगाल को निशाना बनाने की साज़िश है। मीडिया से बातचीत में ममता ने सवाल उठाया कि क्या इस प्रक्रिया के ज़रिए देश में चुपचाप राष्ट्रीय नागरिक पंजी यानी एनआरसी लागू करने की कोशिश हो रही है? चुनाव आयोग ने हाल ही में मतदाता सूची के संशोधन के संबंध में कुछ नए नियम जारी किए हैं, जिसके तहत अब नागरिकता का स्पष्ट प्रमाण पत्र दिए बिना मतदाता सूची में नाम नहीं जोड़ा जा सकेगा। आयोग ने कहा है कि 01 जुलाई 1987 से पहले जन्म लेने वाले नागरिकों को अपने जन्म की तारीख और स्थान से जुड़े प्रमाण पत्र देने होंगे, जिनमें जन्म प्रमाणपत्र या पासपोर्ट जैसे दस्तावेज़ शामिल हो सकते हैं। वहीं, जिनका जन्म 01 जुलाई 1987 के बाद हुआ है, उन्हें अपने साथ-साथ अपने माता-पिता के दस्तावेज़ भी जमा करने होंगे। इतना ही नहीं, जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं था, उन्हें भी अपने जन्म स्थान से संबंधित प्रमाण पत्र देना होगा। इसके अलावा, सभी नागरिकों को भारतीय नागरिक होने का एक स्वघोषित पत्र भी जमा करना होगा।

ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी जानकारी देता था नौसेना भवन में तैनात यूडीसी, गिरफ्तार

एजेंसी

जयपुर। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में बुधवार को भारत की सीआईडी इंटेलिजेंस ने नौसेना भवन दिल्ली में तैनात अपर डिवीजन क्लर्क (यूडीसी) विशाल यादव को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपित विशाल यादव को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन के रिमांड पर सौंप दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के बदले आरोपित पाकिस्तानी हैंडलर से दो लाख रुपये चुका था। आरोपित विशाल पैसों के लालच में पाकिस्तानी हैंडलर को सूचनाएं दे रहा था। उसने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी जानकारी के बदले उसे आखिर में 50 हजार रुपये मिले थे। सीआईडी इंटेलिजेंस के सूत्रों ने बताया कि विशाल यादव की फेसबुक के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर से दोस्ती हुई थी। आरोपित विशाल यादव को पाक हैंडलर ने प्रिया शर्मा बनकर दोस्ती की रिक्वेस्ट भेजी थी। दोनों में बातचीत होने लगी और वॉट्सऐप नंबर भी शेयर कर लिए थे। फिर टेलीग्राम का इस्तेमाल शुरू कर दिया। महीनों तक पाकिस्तानी हैंडलर प्रिया शर्मा बनकर विशाल यादव से बात करती रही। फिर खुद का असली नाम विशाल को बता दिया था।

विशाल को पैसे का लालच दिया। इसमें वह फंसता चला गया। राजस्थान के आईजी सीआईडी (सुरक्षा) विष्णु कांत गुप्ता ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां सेना से जुड़ी जानकारी लेने के लिए कुछ भी कर सकती हैं। ऐसे में हमारी टीम उनकी हर हरकत पर नजर रखती है। इसी दौरान जानकारी सामने आया कि विशाल यादव (निवासी पुनसिका, रेवाड़ी, हरियाणा) दिल्ली स्थित नौसेना भवन दिल्ली में डायरेक्टरेट ऑफ डॉकयार्ड में यूडीसी के पद पर कार्यरत था। वह सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की महिला हैंडलर से लगातार कॉन्टैक्ट में था। पूछताछ में विशाल यादव ने बताया कि इन्फॉर्मेशन देने के लिए प्रिया से पहले 5 से 6 हजार रुपये मिलते थे। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ। प्रिया ने कहा कि तुम्हारी दी गई खबर सी ग्रेड की है, अगर अच्छी खबर दो तो मैं ज्यादा पैसा दूंगी। इस पर विशाल ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी नेवी और अन्य रक्षा संबंधी सूचनाएं महिला पाक हैंडलर को दी थी।

रिश्तों की डोरी में एक धागा मेरा एक तुम्हारा...

वो प्यार ही क्या जो चंद लफ्जों में बंध कर रह जाएं, ऊंच-नीच, जाति-धर्म और जन्म-उम्र से बंध जाएं। प्यार तो है बस मन का मिलना, ये आदत तो हर रंग संग रंग जाएं। ये मोहब्बत चीज क्या है? ये सवाल बार-बार जेहन में उठता है। सोचते-सोचते साल महिने और दिन निकल जाते है, फिर भी कमबख्त मुकम्मल जवाब ही नहीं मिलता। इसलिए इश्क में सूफी हुए इश्कजादे इश्क को बेखुदी कहते है और जब बेखुदी का एहसास होता है तो इंसान सुधबुध खो बैठता है।अगर मैं प्यार की बातें करूं तो शायद ही कोई ऐसा होगा। जिसको अपना प्यार याद न आए। वो प्यार जो दिल के गहराईयों से किया जाता है और जिसमें हम बेसुध होशो हवास खो बैठते है। भूख प्यास सब कुछ खत्म हो जाता है। बस महबूब का सजदा करने को जी चाहता है पर कमबख्त टिस तब उठती है जब हमारा प्यार अधूरा रह जाता है और अक्सर ऐसा होता है। है न ! उफ ये इश्क का रोग। अगर आप इश्क में बीमार है तो बेझिझक इस वीडियो को देखिए।

फैमिलीज बदल रही हैं...

व्यर्थ के तनावों से बचने के लिए न्यूएज कपल्स ने रिश्तों को बचाने की पहल कर दी है। %थोड़ा तुम बढ़ो, थोड़ा हम% की तर्ज पर बेटा-बहू और माता-पिता आगे बढ़ रहे हैं। नए जमाने का यह संयुक्त परिवार खुशहाल है। एक सिस्टम के तहत सभी सदस्यों ने परिवार को जोड़कर रखा है। इनको देखकर लगता है फैमिलीज बदल रही हैं, हम फिर पास... और पास आ रहे हैं...

वे उठ जाती हैं सुबह-सवेरे और रात में काटी गई सब्जी छौंक देती हैं। बहू उठती है, सबको चाय देती है, चपाती बनाती है। अपना टिफिन लगाती है। बच्चे को तैयार करके स्कूल छोड़कर आती है। खुद तैयार होती है और ऑफिस के लिए निकल जाती है। वे सुनिश्चित करती हैं कि बहू को ऑफिस के लिए देर न हो जाए। बाद में वे पति के काम करती हैं उनके साथ बैठती हैं, ढेर सारी बातें करती हैं। बीच में बेटा उठ जाता है। मां को हेल्प करता है और खुद ऑफिस जाने की तैयारी करता है। बच्चा स्कूल से आता है, वे उसे रिसीव करती हैं, उसकी तोतली जुबान में दिनभर की दास्तान सुन कर निहाल होती हैं। उसे रिलैक्स करती हैं और खुद भी आराम करती हैं। शाम को बहू पहले आती है। सबसे पहले सासू मां के पास बैठती है। पूछती है कि उनका दिन कैसा बीता? मॉम आज कुछ नया खाने का मन है? वे कहती हैं कि तुम थकी हो, मैं चाय बना देती हूं लेकिन बहू कहती है कि आपने दिनभर काम संभाला, अब मैं कर लूंगी सब। पिता देखते हैं जब सास-बहू की इस केमिस्ट्री को तो संतोष महसूस करते हैं। उन्हें विश्वास हो जाता है कि कभी बीमार पड़े तो बहू साथ देगी। फिर बेटा आता है, सब बच्चे के साथ खेलते हैं। डाइनिंग टेबल पर बातचीत चलती है। हंसी-खुशी दिन पूरा हो जाता है।

यह है कांतिजी के खुशनुमा परिवार की तस्वीर। हर दिल इसे अपने घर में उतारना चाहेगा। थोड़ा सा एडजस्टमेंट और एक-दूसरे की मजबूरी समझने की समझदारी ने आज फिर से संयुक्त परिवारों के रास्ते खोल दिए हैं। न कोई चिक-चिक, न कोई खट-पट। बस तरक्की के सपने और सपोर्ट करने की चाहत है यहां।

गणित सुकून का

मैं हर दिन पश्चिमी परिधान में ऑफिस जाती हूं। किसी रिश्तेदार के घर आने या मेरे उनके यहां जाने पर अगर वह मुझसे साड़ी पहनने की उम्मीद करती हैं तो मैं इतना तो कर ही सकती हूं। वह खुश हो जाती हैं और हमारा वीकएंड अच्छा गुजरता है। अगर इसकी जगह मैं अपने कंफर्ट को प्राथमिकता दूं या उनकी उम्मीदों को जबर्दस्ती का दर्जा दूं तो हम दोनों ही परेशान होंगे। इससे फायदा भी तो नहीं है न कुछ।' न्यू जॉएंट फैमिलीज में एडजस्टमेंट को काफी पॉजिटिव लेती हैं मोनालिका। कंप्यूटर इंजिनियर हैं। बड़ी कंपनी में काम कर रही हैं, लेकिन परिवार के साथ रहकर सुकून महसूस कर रही हैं। वह कहती हैं, %जहां मुझे लगता है कि मुझे मॉम की यह बात माननी चाहिए, वहां मैं उनकी बात मान लेती हूं और जहां उन्हें लगता है कि मुझे मुश्किल हो रही है वे %छूट' दे देती हैं।'

फैमिली पर दिल आ गया

शादी के लिए लड़की देखने आया परिवार उससे कुछ इस तरह से घुल-मिलकर बात करता है कि वह कहती है, फैमिली पर दिल आ गया...' और शादी तय हो जाती है। परिवार के लोग डाइनिंग टेबल पर साथ बैठकर नहीं खाते तो दादी मां टेबल ही बेच देती हैं। कहती हैं, हम टेबल पर बैठकर खाते ही कब थे...।' परिवार गलती मानता है। नई टेबल आती है और सब बैठकर हंसी-खुशी खाना खाते हैं। अगर इन खुशनुमा विज्ञापनों को हम समाज में बदलते ट्रेंड का आईना मानें तो आज फैमिलीज बदल रही हैं। हम पास आ रहे हैं। कीमती रिश्तों की अहमियत समझ रहे हैं। आपस की अंडरस्टैंडिंग को बढ़ा रहे हैं। जॉएंट फैमिली व रिश्तों की जरूरत समझते हुए न्यू कपल्स ने समझदारी से काम लेना शुरू कर दिया है। क्रेडिट बुजुर्गों को भी जाता है कि उन्होंने नई लाइफ स्टाइल में खुद को ढाला है। शायद उनके लिए शहरी-महानगरीय संस्कृति में रमना ज्यादा कठिन था, लेकिन उन्होंने बच्चों की सहूलियत को प्राथमिकता दी और खुद को बदलने की कोशिश की। नए जमाने के ये संयुक्त परिवार खूब एंजॉय कर रहे हैं। एक सिस्टम बनाया है इन्होंने, जिसके तहत सभी सदस्य अपना-अपना काम करते हैं और एक-दूसरे की जरूरतों का ख्याल रखते हैं।

बढ़ी है शेयरिंग

हमारी जेनरेशन ने अपने पैरेंट्स की सुनी, लेकिन हम बच्चों को फ्रीडम दे रहे हैं। मैं जिस स्थिति से गुजरी हूं उसे बच्चों के सामने नहीं आने देना चाहती। अगर हमें बदलाव लाना है तो घर से ही शुरू करना होगा।' परिवारिक सोच में बदलाव की समर्थक हैं कुमकुम। उनका माना है कि जब आप बच्चों को सपोर्ट करेंगे तो वे भी आपसे वैसा ही व्यवहार करेंगे। अगर आप उन पर भरोसा करेंगे तो वे भी आप पर भरोसा करेंगे। फैमिलीज में बदलाव और फैमिली मेंबर्स के बीच बेहतर सामंजस्य का क्रेडिट वे शेयरिंग को देती हैं। वह कहती हैं, %चूंकि आज फैमिली में शेयरिंग बढ़ी है इसलिए सभी सदस्य एक-दूसरे की मुश्किलें और सहूलियतें समझने लगे हैं। पहले हम पर ढेर सारी बंदिशें थीं तो हमारी ग्रोथ नहीं हो पाई। रोक-टोक से प्रोग्रेस रुक जाती है। बच्चों की प्रोग्रेस हमारी ही तो प्रोग्रेस है।'

यूं बदली है सोच

एक समय था कि जब शादी के बाद मां लड़की को कहती थी कि ससुराल में जो भी कहा जाए सिर झुका कर मान लेना, किसी से बहस नहीं करना, सबका मन जीतना, हमारा नाम नहीं डुबोना...। मां की इस सीख के बाद लड़की हर तरह का त्याग करती। फिर एक दौर ऐसा भी आया जब लड़कियां ससुराल की शिकायत मां को सुनातीं तो वे कहतीं कि तुम तो बस अपना देखो। बाकी सब को जाने दो। इस दौर में स्वार्थ आगे आया तो संयुक्त परिवार टूट गए। एक शहर में रहते हुए बहू-बेटे ने ससुराल से किनारा कर लिया और न्यूक्लियर फैमिली के रूप में जीवन जीने को अहमियत दी, लेकिन आज की भागमभाग वाली जिंदगी में संयुक्त परिवार की जरूरत फिर महसूस होने लगी है। वैसे अब केवल चार लोगों के परिवार को भी संयुक्त परिवार कहते हैं। जिसमें सास-ससुर, बेटा-बहू रहते हैं। ये चारों जान गए हैं कि अलगाव सब पर भारी है। फिर क्यों न छोटे-छोटे एडजस्टमेंट करके जिंदगी को खुशहाल तरीके से जिया जाए।

सीरव न्यू मॉम की

देखो बेटा अगर छोटी छोटी बातों में उलझोगी तो तरक्की कैसे पाओगी। तुम्हें अभी बहुत आगे जाना है। घर में टेंशन होगी तो काई भी परफॉर्म नहीं कर पाएगा। फिर तुम यह सोचो वे भी तो तुम्हारे साथ एडजस्ट कर रहे हैं। एक नए मेंबर को फैमिली में खुले दिल से अपना रहे हैं। जब उन्हें तुम्हारे हर सुख का ध्यान है, तुम्हारी हर प्रॉब्लम से सरोकार है तो फिर तुम उन्हें खुशी क्यों नहीं दे सकती। यही सब कहा मैंने अपनी बेटी को, जब उसने ससुराल की शिकायतें शुरू कीं। मेरे टोकने के बाद अब वह चीजों को ईजी लेने लगी है और बहुत ही कुशलता से मैनेज कर रही है।' कहती हैं रश्मि चोपड़ा। कुछ समय पहले उनकी बेटी की शादी हुई है। अपनी बेटी की समझदारी की कायल हैं रश्मि, लेकिन समय-समय पर गाइडेंस देने की बात आती है तो उसे सही रास्ता दिखाती हैं। वह बताती हैं कि यदि एक-दूसरे की बातों को समझा जाए, एक-दूसरे का साथ दिया जाए तो संयुक्त परिवार में खुशियां ही खुशियां हैं।

बेटी और बहू में फर्क नहीं

हर्षदीप कौर, गायिका

शादी के बाद की लाइफ में बड़ा मजा आ रहा है। मेरे पति मुझे बहुत सपोर्ट करते हैं। वह कहते हैं तुम्हें अपने कॅरियर में और अधिक मेहनत करनी चाहिए। मेरी किस्मत अच्छी है कि मुझे अच्छा परिवार मिला है। सभी बहुत सपोर्ट करते हैं। हमारी ननदें भी काम करती हैं। ससुराल के लोग बेटी और बहू में कोई फर्क नहीं समझते हैं।

नए ट्रेंड का है संकेत

जिंदगी गुजारने या स्टेटस आगे बढ़ाने या कुछ कर गुजर जाने की दौड़ में आज पति और पत्नी दोनों वर्किंग हैं। उनके लिए बच्चों की देखभाल करना परेशानी और चिंता का सबब बन गया है। ऐसे में संयुक्त परिवार की जरूरत महसूस होने लगी है और इसके फायदे समझे जाने लगे हैं। जनगणना, 2011 के आंकड़ों के अनुसार एकल परिवारों की संख्या में वृद्धि की दर कम हुई है। यह एक नए ट्रेंड का संकेत है। आज कई एकल परिवार एक बार फिर अपनों के साथ रह कर जिंदगी बिताने को तैयार हो रहे हैं।

निभ सकती है साझेदारी अगर

- जिम्मेदारियों को बोझ न समझें।
- परिवार के हर सदस्य को सम्मान दें।
- परिवार के कामों में हाथ बंटाएं।
- बच्चों के बीच प्यार को पनपने दें।
- साथ देने का भाव मन में रखें।
- एक-दूसरे की पसंद का ख्याल रखें।
- झूठे अहम् को बीच में न आने दें।

ईगोज नहीं है हमारे बीच

दीपिका सिंह, अभिनेत्री

हमारी बड़ी फैमिली है। देवर, ननद, सास-ससुर और हम साथ ही रहते हैं। हमारी जरूरतों को घर वाले समझते हैं और हम उनकी जरूरतों को। जब मैं मुंबई में अकेले रहती थी तो छोटी-छोटी बातों को लेकर टेंशन हो जाती थी, लेकिन अब जॉएंट फैमिली होने से हम दोनों अपने काम पर कंसंट्रेट कर पा रहे हैं। जब से शादी हुई है जिंदगी और आसान हो गई है। सासू मां मेरी हर पसंद का ख्याल रखती हैं। मैं तरह-तरह घंटे शूट करती हूं। वह मेरे हार्ड वर्क को रेस्पेक्ट देती हैं। सुबह मैं वर्कआउट करती हूं, ओडिसी डांस सीखती हूं। थाप की काफी आवाज होती है, लेकिन कोई कुछ नहीं कहता। अगर कोई आपकी इतनी सारी चीजें मैनेज कर रहा है तो आप भी उनकी रेस्पेक्ट करेंगे न। मैं उनके लिए कुछ भी लाती हूं तो वे बहुत खुश हो जाती हैं। वैसे वे मुझसे कभी कुछ भी लाने को नहीं कहतीं।

फंडा हैप्पी लाइफ का

वर्तमान दौर में इंसान के लिए उसका समय ही सबसे बेशकीमती है। पर हालिया हुए एक अध्ययन में कहा गया है कि अपना समय दूसरों के साथ व्यतीत करने से व्यक्ति के खुश रहने की संभावना बढ़ जाती है।

अमेरिका स्थित वार्टन स्कूल ऑफ पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि अपना समय

देकर दूसरों से उससे ज्यादा समय मिलना व्यक्ति को एक सुखद एहसास कराता है। शोध प्रमुख कैसी मोगिल्नर ने बताया कि यह आवश्यक नहीं कि आप अपने समय का एक बहुत बड़ा हिस्सा दूसरों के लिए खर्च करें। वैसे यह कोई पहला मौका नहीं जब वैज्ञानिकों ने दूसरों के साथ समय बिताने को लाभप्रद बताया है। इससे पूर्व पिछले साल हुए एक शोध में भी कहा गया था कि दूसरों के साथ समय बिताने से मनुष्य की उम्र बढ़ जाती है। इस अध्ययन को साइकोलॉजिकल साइंस में प्रकाशित किया गया है। 218 कॉलेज छात्र-छात्राओं पर किए गए एक प्रयोग के तहत यह बात कही गई है। प्रयोग के दौरान इन छात्रों को दो समूहों में बांटा गया। जिनमें से एक समूह को 25 मिनट के लिए किसी के साथ समय बिताने या बेकार के कामों में अपना समय व्यतीत करने को कहा गया। किसी को समय देने के दौरान उन्हें एक बीमार बच्चे को ई-मेल लिखना था। बाद में जब इन छात्रों से उनकी भावनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि उन्हें लगता है कि उनके पास काफी समय है जिसे वह दूसरों के साथ बिता सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा करने से उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। मोगिल्नर का कहना है कि प्रतिदिन किसी लिए दस से पंद्रह मिनट बिताना भी पर्याप्त है।

झलके खूबसूरती

अगर आप भी अपने बाथरूम को लग्जरी टच देना चाहते हैं तो इन दिनों बाजार में ऐसी एक्सेसरीज की कोई कमी नहीं। बेहतरीन कलर कॉम्बिनेशन और बाथ टब के अलावा खूबसूरत लाइटिंग के जरिये बाथरूम की रंगत निखारी जा सकती है और इसे मॉडर्न लुक दिया जा सकता है..

वक्त के साथ जहां घर के लिविंग रूम और डाइनिंग स्पेस का इंटीरियर बदला है तो वहीं किचन और बाथरूम जैसे हिस्सों में भी कई नए प्रयोग देखने को मिले हैं। किचन अब जहां मॉड्यूलर रूप अख्तियार कर चुका है तो वहीं बाथरूम भी थीम डिजाइनिंग के साथ नए रूप में उभर रहा है। यही नहीं बाजार में वेरायटी भरे प्रोडक्ट्स भी दिखने लगे हैं। आइये डालते हैं एक नजर

इस्तेमाल ग्लास का

लग्जरी बाथरूम के लिए ग्लास एक परफेक्ट थीम हो सकता है। यह न सिर्फ आपके व्यू को ब्लॉक होने से बचाता है बल्कि छोटे बाथरूम को स्पेशियस भी दिखाता है। इसके लिए ग्लास मेटीरियल में ही बेसिन, कुर्सी और शॉवर स्टॉल या पार्टीशन को बाथरूम में जगह देनी चाहिए। खिड़कियों और काउंटरटॉप्स के लिए फ्रॉस्टेड ग्लास का विकल्प बढ़िया है। ग्लास थीम हो तो टिंटेड ग्लास का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इसमें ज्यादा से ज्यादा एक से दो रंगों का इस्तेमाल एक समय पर संभव है।

क्लासिक वुड

बाथरूम को रिच लुक देने के लिए वुडेन डेकोर काफी पॉपुलर है। वुडन शेल्फ रिलेक्सिंग स्टूल के जरिये इसकी खूबसूरती और बढ़ाई जा सकती है। साथ ही वुडन फिनिश का बाथटब और शॉवर पैनल इसके लुक को और बेहतर बना देंगे।

कलर थीम हो ऐसी

सिंपल लिविंग ऐंड हाई थिंकिंग में विश्वास रखते हैं तो आप अपने बाथरूम फिकस्चर्स को एक रंग में रखते हुए दीवारों को रॉयल रंगों में पेंट करा सकते हैं। इसे लग्जरी लुक देने के लिए आप इसमें कैंडल्स, फ्लावर्स और इंडोर प्लांट्स का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। एक बात का ख्याल रखें कि कलर थीम में ज्यादा एक्सपेरिमेंट न करें। थीम से आगे बढ़ते हुए लग्जरी प्रोडक्ट्स कील बात कर हैं। बाजार में कंटेम्परेरी स्टाइल लिए कई प्रोक्ट मौजूद हैं। इनकी रेंज टेंपरेचर मेंटेन करने वाले क्यूबिक शॉवर सिस्टम से लेकर बाथ टब और एक्सेसरीज में लेदर प्रोडक्ट्स से लेकर ग्लास के टंबलर और सोप सिस्पेंसर तक फैली हुई है।

स्टीम रूम

लाइट म्यूजिक के साथ डिम लाइट में शावर और दिनभर की थकान दूर करने के लिए स्टीम बाथ के लिए स्टीम कम शावर रूम का ऑप्शन बढ़िया है। बाथरूम में यह काफी कम जगह में फिट हो जाता है। टू इन वन का काम करने वाले इस रूम में शावर पैनल की सुविधा होती है, जिसमें आप हेड शावर से लेकर बॉडी स्प्रे का मजा ले सकते हैं। साथ ही इसमें स्टीम बाथ के लिए परफेक्ट बॉडी टेम्परेचर और अरोमा थेरपी की सुविधा भी शामिल है। बेसिक सुविधाओं के अलावा इसकी हाईएंड रेंज में टेलीफोन व रेडियो-सीडी इनपुट सिस्टम की सुविधा भी शामिल की गई है।

बाथ टब

आज बाजार में बॉडी की मसाज करने वाले जकूजी आसानी से उपलब्ध हैं। यही नहीं दो से तीन लोगों के लिए जकूजी आराम से मिल जाता हैं। इसके अलावा फ्री स्टैंडिंग और स्पा स्पेशल बाथ टब्स भी उपलब्ध हैं। अगर आप अपने बाथरूम को वुडन थीम देने जा रहे हैं तो उसके साथ फ्री स्टैंडिंग बाथ टब बढ़िया रहेगा।

एक्सेसरीज

फिक्सचर्स के बाद अगर बाथरूम को सबसे ज्यादा कोई चीज लग्जरी टच दे सकती है तो वह है एक्सेसरी। अपनी स्पेस और पसंद के मुताबिक आप ग्लास लेदर या फिर फाइबर बेस्ड मेटीरियल एक्सेसरीज को बाथरूम में सजा सकते हैं। बाथरूम को मेटैलिक लुक देने के लिए लेदन में बांज, ब्राउन में सिल्वर मल्टी यूटिलिटी बॉक्सेस का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। बॉथरूम को नया रूप रंग देने के लिए मौजूदा समय में एक्सेसरीज और प्रोडक्ट्स की कोई कमी नहीं है। जरूरत बस इतनी है कि आप क्या पसंद करते हैं और आपकी जरूरत क्या है।

काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी को कहा था हांटेड, विवाद बढ़ने पर दी सफाई

एक्ट्रेस काजोल को हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी को हांटेड कहने पर आलोचना का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने बयान को लेकर सफाई दी है। सोमवार को काजोल ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर लिखा, मैं अपनी फिल्म मां के प्रमोशन के दौरान दिए गए उस बयान को स्पष्ट करना चाहती हूं, जिसमें मैंने रामोजी फिल्म सिटी का जिक्र किया था।

काजोल ने कहा, मैंने कई प्रोजेक्ट्स की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में की है और वहां कई बार रुकी भी हूं। यह हमेशा एक बहुत प्रोफेशनल जगह रही है। मैंने वहां कई टूरिस्ट को एंजॉय करते हुए देखा है। यह एक शानदार डेस्टिनेशन है और बच्चों व परिवारों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है।

काजोल ने क्या कहा था?

बता दें कि गैलट्टा इंडिया को दिए इंटरव्यू में जब काजोल से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी नेगेटिव एनर्जी महसूस की है, तो उन्होंने कहा था, इसे आप नेगेटिव एनर्जी कहें या वाइब्स, लेकिन कभी-कभी जब आप किसी जगह पर जाते हैं, तो महसूस होता है कि कुछ ठीक नहीं है। मैंने ऐसी जगहों पर शूट किया है जहां मुझे पूरी रात नींद नहीं आई और लगा कि बस यहां से निकल जाऊं। ऐसी बहुत सी जगहें हैं। बातचीत में काजोल ने ये भी कहा था, एक प्रमुख उदाहरण है रामोजी राव स्टूडियो, जो दुनिया की सबसे हांटेड जगहों में गिना जाता है। हालांकि, मैं लकी रही हूं कि मुझे वहां कुछ भी ऐसा अनुभव नहीं हुआ। काजोल के इस बयान पर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। बता दें कि फिल्म मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को विशाल फुरिया ने डायरेक्ट और अजय देवगन, ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक ने प्रोड्यूस किया है।

करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं सान्विका

जॉब नहीं करना चाहती थीं

फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है और उनका पसंदीदा शो पंचायत का चौथा सीजन रिलीज हो चुका है। सीरीज में इस बार फुलेरा गांव में चुनाव का माहौल है। शो में एक बार फिर पुरानी कास्ट ही नजर आई है। इस बार कहानी में सचिव और रिंकी की लव स्टोरी आगे बढ़ती नजर आई है। शो के रिलीज होते ही एक बार फिर पंचायत की रिंकी यानी सान्विका चर्चाओं में आ गई हैं।

असली नाम नहीं था सान्विका

मध्यप्रदेश के जबलपुर में जन्मीं सान्विका को लोग उनके असली नाम से कम और पंचायत की रिंकी के नाम से ज्यादा जानते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि सान्विका का नाम पहले सान्विका नहीं था। ये नाम उनके माता-पिता ने नहीं बल्कि खुद उन्होंने रखा है। दरअसल, सान्विका का असली नाम पूजा सिंह था। लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर पूजा सिंह से सान्विका रख लिया। पंचायत के सीजन वन तक उन्होंने अपना ओरिजनल नाम पूजा सिंह ही रखा था।

इसलिए पूजा से बनीं सान्विका

एक इंटरव्यू में सान्विका ने खुद बताया कि आखिर क्यों उन्होंने अपना नाम बदला। इसके पीछे उनका कहना है कि नाम को लेक काफी कन्फ्यूजन हो रही थी, इसलिए ऐसा करना पड़ा। दरअसल, पंचायत के पहले सीजन में रिंकी की सिर्फ एक झलक दिखी थी। लेकिन इसके बाद ही लोग उनके बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक थे। लेकिन पूजा सिंह के नाम से सर्च करने पर किसी और अभिनेत्री की प्रोफाइल आती थी। यहां तक कि पंचायत के पहले सीजन की विकिपीडिया में भी किसी और अभिनेत्री की ही प्रोफाइल आती है। इसलिए इस कन्फ्यूजन को दूर करने के लिए उन्होंने अपना नाम पूजा से बदलकर सान्विका कर लिया।

पंचायत से लोगों के बीच में मशहूर हुई सान्विका एक्टिंग की दुनिया में अपने माता-पिता से झूठ बोलकर आई हैं। उनके माता-पिता चाहते थे कि वो नौकरी करें, लेकिन सान्विका 9-5 की प्रॉपर जॉब नहीं करना चाहती थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वो अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर घर से निकली थीं। सान्विका का कहना है कि वो अपने करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं, बस वो जॉब नहीं करना चाहती थीं। फिर मुंबई में रह रही उनकी एक दोस्त ने उन्हें मुंबई आने को कहा। लेकिन ये इतना आसान नहीं था।

माता-पिता से झूठ बोलकर पहुंचीं मुंबई सान्विका अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर मुंबई पहुंची थीं।

कुछ और प्रोजेक्ट्स में भी आई नजर, पंचायत से मिली पहचान

करियर की बात करें तो सान्विका 'हजामत', 'कैदी बंद' और 'प्लान ए प्लान बी' जैसे कुछ एक प्रोजेक्ट्स में भी नजर आई हैं। हालांकि, उन्हें पहचान पंचायत से ही मिली है। पहले सीजन में वो सिर्फ एक सीन को नजर आई थीं, लास्ट में जहां वो टंकी पर बैठकर सचिव जी के साथ चाय पीती हैं। इसके बाद दूसरे और तीसरे सीजन में रिंकी के किरदार को एक्सपोजर मिला और अब चौथे सीजन में रिंकी और सचिव जी की लव स्टोरी पूरी तरह से आगे बढ़ी है।

सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं रिंकी

पंचायत में काफी सिंपल नजर आईं रिंकी असल जिंदगी में उतनी सिंपल नहीं हैं। हालांकि, सान्विका सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 48 हजार से ज्यादा फॉलोअर हैं। हालांकि, सान्विका के इंस्टाग्राम पर सिर्फ 9 पोस्ट ही हैं। जिनमें कुछ पंचायत के प्रमोशन से जुड़े हुए हैं, जबकि कुछ उनकी अलग-अलग फोटोज हैं। सान्विका की कुछ एक बोल्ड फोटोज भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं।

इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात है

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी झलक जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। वैश्विक मंच पर टेलीविजन और फिल्म में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम में जैकलीन को पुरस्कार विजेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल किया गया। अपना आभार व्यक्त करते हुए, जैकलीन ने साझा किया कि उनके लिए सिनेमा, कहानी कहने से कहीं बढ़कर है। उन्होंने इसे एक शक्तिशाली माध्यम बताया जो समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ता है।

जैकलीन के लिए क्या है सिनेमा

जैकलीन ने आगे लिखा, मेरे लिए सिनेमा एक कला के रूप में सिर्फ कहानी सुनाना नहीं है, बल्कि समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ने का एक तरीका है। दुनिया के साथ इसे साझा करने में मदद करने के लिए स्वीकार किया जाना शब्दों से ज्यादा मायने रखता है! जैकलीन ने आगे लिखा, आगे जैकलीन ने लिखा, रिमिनी में आपके प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सभी असाधारण पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में सम्मानित होना सम्मान की बात थी। दुनिया भर में सिनेमा का जश्न मनाने के लिए हमारे पास और भी कई पल हैं।

जैकलीन का करियर

जैकलीन फर्नांडीज को हाल ही में कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में देखा गया था, जिसमें जैकलीन के अलावा अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपदे, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर भी थे। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज हुई थी।

जन नायकन से फिल्मों को अलविदा कहेंगे विजय

साउथ एक्टर थलापति विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने जन नायकन के लिए 275 करोड़ रुपए की फीस ली है। हालांकि, उन्हें फिल्म के प्रॉफिट में कोई हिस्सा नहीं मिलेगा। जन नायकन को एच विनोद ने डायरेक्ट और केवीएन प्रॉडक्शंस प्रोड्यूस किया है। विजय के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि ममिथा बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण और प्रियमणि सपोर्टिंग रोल्स में नजर आएंगे। फिल्म को पहली बार सितंबर 2024 में थलापति 69 के टाइटल के साथ अनाउंस किया गया था, क्योंकि यह विजय की 69वीं फिल्म है। आधिकारिक टाइटल जनवरी 2025 में सामने आया। इसकी शूटिंग फरवरी 2025 से चेन्नई और पयनूर में शुरू हुई। म्युजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। जन नायकन 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जुग जुग जियो के 3 साल पूरे होने पर कियारा आडवाणी ने जताई खुशी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की फिल्म जुग जुग जियो को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने खुशी जताई और इसे खास अंदाज से सेलिब्रेट किया। कियारा ने फिल्म को अपनी जिंदगी का एक खुशियों भरा और यादगार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से उन्हें मुस्कुराहट, सीखने का मौका और कई अच्छे पल मिले। मंगलवार को, कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म से जुड़े डूडल फोटो को शेयर किया, जिसमें फिल्म के चारों मुख्य कलाकार वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर को कार्टून अवतार में दिखाया गया। एक्ट्रेस ने लिखा, 3 साल इस खूबसूरत फिल्म के, सबसे अच्छी टीम... सबसे मजेदार समय... जुग जुग जियो! उन्होंने इस पोस्ट में फिल्म के अपने सभी को-स्टार्स को भी टैग किया। जुग जुग जियो 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। जुग जुग जियो एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे राज मेहता ने डायरेक्ट किया था।

फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार को लेने पर मीका सिंह ने की दिलजीत की आलोचना

अभिनेता और सिंगर दिलजीत दोसांझ फिल्म सरदार जी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस महीने रिलीज के लिए प्रस्तावित इस फिल्म का ट्रेलर जब से आया है, तब से दिलजीत की जमकर आलोचना हो रही है। दरअसल, इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर भी हैं, जिनकी झलक ट्रेलर में भी नजर आई।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास आ चुकी है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी अभिनेत्री को अपनी फिल्म में जगह देने पर दिलजीत की आलोचना हो रही है। इस पर अब सिंगर मीका सिंह ने भी रिएक्शन दिया है। मीका सिंह ने मंगलवार को अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, देश पहले। दोस्तों, जैसा कि हम सभी जानते हैं, भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते इस समय ठीक नहीं चल रहे हैं। फिर भी कुछ लोग गैर-जिम्मेदाराना हरकतें कर रहे हैं। सीमा पार के कलाकारों से जुड़ा कोई भी कंटेंट जारी करने से पहले उन्हें दो बार सोचना चाहिए, खासकर जब हमारे देश की गरिमा की बात हो। आगे लिखा है, फवाद खान और वाणी कपूर की एक फिल्म थी जिसका हममें से कई लोगों ने विरोध किया था, लेकिन फिर भी कुछ लोगों को संदेश समझ में नहीं आ रहा है। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि एक नकली गायक, भारत में 10 शो करने के बाद, जिसमें हजारों प्रशंसकों ने टिकट खरीदे थे, अब गायब हो गया है, जिससे प्रशंसक धोखा खा गए और असहाय हो गए हैं। मीका सिंह ने कहीं भी दिलजीत दोसांझ का नाम नहीं लिया है। मगर, उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर जो पोस्ट शेयर किया है, उसमें दिलजीत की तस्वीर है। इससे साफ है कि मीका का इशारा दिलजीत की तरफ है। बताते चलें कि रविवार को सरदार जी 3 का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आईं। यह देखकर सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया। दरअसल, हानिया आमिर ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त भारत के बारे में भला-बुरा कहा था। इसी बात पर लोगों ने दिलजीत की फिल्म के बायकॉट की मांग शुरू कर दी। विवाद बढ़ा तो यह तय किया गया कि अब 'सरदार जी 3' भारत में रिलीज नहीं होगी। इसको सेंसर का सर्टिफिकेट नहीं मिला। दिलजीत की पंजाबी फिल्म ओवरसीज ही रिलीज हो रही है।

हार्दिक पांड्या के साथ डेटिंग की खबरों पर ईशा गुप्ता ने तोड़ी चुप्पी

बी-टाउन में अक्सर सेलेब्स के अफेयर और डेटिंग की खबरें फैलती रहती हैं। एक समय ईशा गुप्ता और हार्दिक पांड्या के बीच अफेयर की खबरें भी काफी सुर्खियों में रही थीं। अब इन खबरों पर ईशा ने सच्चाई बताई है। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता अपने बोल्ड लुक्स को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। अब ईशा गुप्ता ने उन दिनों को याद किया जब उनके और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी थीं। एक वक्त इन दोनों के अफेयर की काफी चर्चाएं थीं। हालांकि, दोनों सेलेब्स में से किसी ने भी कभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब कई वर्षों बाद अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने इस पर बात की और डेटिंग की खबरों की सच्चाई बताई है।

‘इसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती’, भारत-पाक मैच पर बोले पर रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों और खिलाड़ियों में उत्साह और चर्चा बेजोड़ है, क्योंकि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ऐसे कई मैचों का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने माना कि इन मुकाबलों से पहले का माहौल बेजोड़ होता है। टी20 विश्व कप 2024 में दोनों के बीच हुए मुकाबले को याद करते हुए रोहित ने कहा कि मैच से पहले का माहौल किसी उत्सव जैसा था, जो उनके होटल से शुरू होकर स्टेडियम तक फैला हुआ था। भारत ने कम स्कोर वाले रोमांचक मैच 6 रन से मैच जीता, जिसमें जसप्रीत बुमराह ने 14 रन देकर 3 विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

रोहित ने कहा, ‘भारत बनाम पाकिस्तान मैच से पहले हमें बताया गया कि कोई खतरा है - कुछ चल रहा है। इसलिए, खेल से दो दिन पहले, हमें होटल से बाहर निकलने की अनुमति नहीं थी। वहां से माहौल बनना शुरू हुआ। हम खाने का ऑर्डर दे रहे थे, और होटल इतना भरा हुआ था कि आप मुश्किल से चल पा रहे थे। प्रशंसक, मीडिया - हर कोई वहां था। तब आपको एहसास होता है कि यह कोई आम मैच नहीं है, कुछ खास होने वाला है।’

उन्होंने कहा, ‘जैसे ही हम स्टेडियम के पास पहुंचे, यह पहले से ही एक उत्सव जैसा लग रहा था, भारतीय प्रशंसक, पाकिस्तानी प्रशंसक, सभी नाच रहे थे और आनंद ले रहे थे। मैंने अब तक बहुत सारे भारत-पाकिस्तान मैच खेले हैं, मैं गिनती भूल गया हूं, लेकिन मैच से पहले की वह ऊर्जा, वह एहसास... यह हमेशा कुछ और ही होता है। इसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।’

मैच में भारत को विराट कोहली (4), रोहित (13) और अक्षर पटेल (20) के रूप में शुरुआती झटके लगे, लेकिन ऋषभ पंत ने 31 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 42 रनों की निर्णायक पारी खेली और टीम को 119 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया, क्योंकि मध्य क्रम में कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका। पंत के प्रयासों की सराहना करते हुए रोहित ने कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अपनी क्षमता के अनुसार खेला और चुनौतीपूर्ण सतह पर टीम को जीवंत रखा।

उन्होंने कहा, ‘हम चाहते थे कि ऋषभ ऋषभ ही रहे। पंत वे सभी चीजें करें जो वह सबसे अच्छा करते हैं, गेंदबाजों को परेशान करें, खुलकर खेलें। उन्होंने यह पूरी तरह से किया। उनकी पारी लगभग 42 रन की थी, और उस पिच पर, यह 70 रन बनाने के बराबर है। यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण सतह थी, हमेशा कुछ न कुछ हो रहा था।’

रोहित ने कहा, ‘वहां का स्कोर शायद 130 या 140 था। हम 119 रन बनाकर आउट हुए। हमारी योजना 200 रन बनाने की नहीं थी - हम 140 रन बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे थे। लेकिन निश्चित रूप से, हमने इस दौरान विकेट गंवाए। और तभी ऋषभ ने 40 से अधिक रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिसने वास्तव में मैच को संभाला। आखिरकार, हम 119 रन पर आउट हो गए और मुझे वास्तव में लगा कि यह अभी भी एक अच्छा स्कोर हो सकता है। शायद 10-15 रन कम, लेकिन मुझे पता था कि अगर हमें नई गेंद से 2-3 शुरुआती विकेट मिल गए तो 119 रन 160 रन जैसा लगने लगेगा।’

जडेजा का करियर भी समाप्त होता नजर आ रहा

मुम्बई (एजेंसी)। रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बाद अब लगता है कि स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का टेस्ट करियर भी समाप्त हो सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में जिस प्रकार करुण नायर की वापसी हुई है और साई सुदर्शन ने डेब्यू किया है। उससे अब जडेजा के लिए जगह बनना कठिन होता जा रहा है। विदेश दौरे पर आम तौर पर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में एक ही स्पिनर होता है। ऐसे में जडेजा को कुलदीप यादव से कड़ी टक्कर मिल रही है। पहले टेस्ट में जडेजा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इससे ऐसा लगता है कि ये उनका अंतिम विदेश दौरा हो सकता है।

जडेजा अभी टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर है पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं रही है। वह पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही असफल रहे। उन्होंने पहली पारी में 11 और दूसरी में नाबाद 25 रन बनाए। गेंदबाजी में उन्हें सिर्फ दूसरी पारी में एक विकेट मिला। ऐसे में कहा जा रहा है अगर पहले टेस्ट मैच में जडेजा की जगह कुलदीप होते तो भारतीय गेंदबाज हावी रहते।

जडेजा टीम इंडिया के एकमात्र खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका टेस्ट करियर 15 साल से अधिक पुराना हो गया हे। उनकी उम्र भी 36 के करीब है। वह एके बेहतरीन क्षेत्ररक्षक रहे हैं पर वहां भी वह असफल रहे। उन्होंने पहले टेस्ट मैच में एक कैच भी छोड़ा था। ऐसे में अब उनपर दबाव भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में वह इस दौरे में टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दें तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिये। इससे पहले अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के कारण संन्यास ले लिया था।

शास्त्री बोले, बीसीसीआई को अधिक हिस्सेदारी दे आईसीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कुल राजस्व में से और अधिक हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री के अनुसार आईसीसी की सबसे ज्यादा कमाई भारत से होती है, ऐसे में बीसीसीआई अधिक रकम की अधिकारी है। उनका कहना है कि भारत से आईसीसी को कुल राजस्व का 38.5 फीसदी हिस्सा मिलता है और ये इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाले राजस्व से ज्यादा है। शास्त्री का कहना है कि जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलती है तो टीवी राइट्स और कमाई काफी बढ़ जाती है। इसलिए भारत को सबसे बड़ा हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री ने कहा, भारत को आईसीसी की के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना बढ़त होती है। टीवी से हो रही इस कमाई के आंकड़ों को देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए भारतीय बोर्ड को अधिक रकम मिलनी चाहिये। उन्होंने कहा, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। यह सब अर्थव्यवस्था पर निर्भर करता है। अगर कोई और देश की अर्थव्यवस्था भारत से अच्छी हो जाएगी तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में होता था, उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी अन्य देश को जाता था। इसलिए अब इसम मामले में भारतीय बोर्ड को अधिक राशि की मांग करनी चाहिये। भारत क्रिकेट के मामले में विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है, जिसका श्रेय देश में क्रिकेट के प्रति लोगों का प्यार और जुनून है। आईपीएल शुरु होने के बाद तो खेल के प्रति दीवानगी और भी बढ़ गयी। आईसीसी के राजस्व मॉडल के अनुसार, 88 फीसदी से अधिक राजस्व 12 पूर्ण सदस्य (टेस्ट खेलने वाले) देशों के बीच बांटा जाता है। इसमें से, 48.2 फीसदी हिस्सा , भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बांटा जाता है।

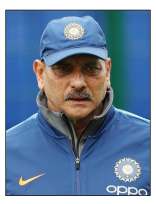

बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय तेज गेंदबाजों को देना होगा लाइन और लेंथ पर ध्यान

बेंगलुरू (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह अगर इंग्लैंड के खिलाफ अगले सप्ताह बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाते हैं तो भारत की परेशानियां बढ़ना तय है और ऐसे में अन्य तेज गेंदबाजों का अपनी लाइन और लेंथ पर नियंत्रण बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। बुमराह की अनुपस्थिति भारत को कितनी भारी पड़ सकती है इसका एक नजारा लीड्स में पहले टेस्ट मैच के 65वें और 82वें ओवर के बीच देखने को मिला जब इस तेज गेंदबाज ने गेंदबाजी नहीं की थी। इंग्लैंड ने यह मैच पांच विकेट से जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल की।

जब बुमराह ने 19-3-57-0 के कुल गेंदबाजी विश्लेषण के साथ उस स्पेल का अंत किया, तब 371 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे इंग्लैंड का स्कोर चार विकेट पर 286 रन था और उन्हें एक और ओवर के लिए नहीं बुलाया गया। शायद, कप्तान शुभमन गिल उन्हें दूसरी नई गेंद के लिए बचाकर रखना चाहते थे, जो 15 ओवर बाद ली जानी थी और यह भारत के अपने प्रमुख तेज गेंदबाज के कार्यभार प्रबंधन योजना के अनुरूप भी था।

इंग्लैंड अभी भी जीत से 85 रन दूर था और अगर इन ओवर में कुछ विकेट गिर जाते तो 80वें ओवर में बुमराह की वापसी के लिए पूरी तरह से मंच तैयार हो जाता। लेकिन जब तक 80 ओवर हुए तब तक इंग्लैंड ने पांच विकेट पर 349 रन बना लिए थे। उसने इन 15 ओवर में 63 रन बनाए थे, जो कि प्रति ओवर चार रन से अधिक की दर थी। ऐसे में बुमराह के लिए भी स्थिति को संभालना संभव नहीं था।

अब भारत को एजबेस्टन में 31 वर्षीय बुमराह की अनुपस्थिति की वास्तविकता के साथ समझौता करना होगा। भारत के अन्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर टुकड़ों में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए। ऐसी स्थिति में अगर बुमराह दूसरा टेस्ट मैच नहीं खेल पाते हैं तो इन गेंदबाजों विशेष कर सिराज और प्रसिद्ध को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्हें विशेष कर अपनी लाइन और लेंथ पर ध्यान देना होगा। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश का मानना है कि प्रसिद्ध बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, बशर्ते वह अपने दृष्टिकोण में कुछ मामूली बदलाव करें। गणेश ने कहा, ‘प्रसिद्ध हमेशा से विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं, लेकिन उन्हें कुछ निरंतरता के साथ गेंदबाजी करने की जरूरत है। उन्हें उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है जहां वे गेंदबाजी करते हैं। इससे उन्हें अधिक मेडन ओवर फेंकने में मदद मिलेगी, खासकर तब जब गेंद पुरानी हो जाएगी। इंग्लैंड में गेंद परिस्थितियों के कारण थोड़ी स्विंग करती है। उन्हें बस बुमराह की तरह लगातार लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करनी होगी। उन्हें बस ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।’

आर्चर को दूसरे टेस्ट में उतारे जाने के पक्ष में नहीं वॉन और फारब्रेस

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और ससेक्स के कोच पॉल फारब्रेस ने कहा है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अभी कुछ अभ्यास मैच खेलने दें और दूसरे ही टेस्ट में न उतारें। आर्चर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर है ऐसे में उन्हें एकदम से उतारना ठीक नहीं है। आर्चर ने चार साल बाद डरहम के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिए खेलते हुए 18 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया जिसके बाद से ही ये अटकलें हैं कि उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिल सकती है। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में संकेत दिया था कि आर्चर 2 जुलाई से एजबेस्टन में होने वाले भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। वहीं वॉन ने कहा, ‘चार साल बाद लंबे फॉर्मेट में लौटे खिलाड़ी को एक ही मैच के आधार पर टेस्ट में नहीं रखा जा सकता। वॉन ने सुझाव दिया कि आर्चर को एक और चार दिवसीय मैच खेलने देना चाहिए जिससे वे लय में लौटें। वॉन ने जोड़ा, ‘डरहम के खिलाफ उन्होंने ठीक गेंदबाजी की, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तीव्रता काउंटी मुकाबलों से बिल्कुल अलग होती है।’ ससेक्स के कोच फारब्रेस भी वॉन से सहमत है। उन्होंने भी चयनकर्ताओं से कहा, ‘मेरी सलाह होगी कि आर्चर को तीसरे टेस्ट के लिए संभाल कर रखा जाए। उन्होंने कहा कि आर्चर ने अब तक सिर्फ 18 ओवर फेंके हैं और ऐसे में सीधे टेस्ट क्रिकेट में उतरना जोखिम भरा हो सकता है। फारब्रेस ने यह भी कहा कि आर्चर की लय शानदार है और उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की, लेकिन लगातार खेलने की आदत और मैच फिटनेस के लिए थोड़ा और समय देना जरूरी है।’

वैभव के बाद उभरा एक और नया सितारा हरवंश पंगालिया

मुम्बई । वैभव सूर्यवंशी के बाद अब एक और भविष्य का नया सितारा उभर रहा है। ये है बल्लेबाज हरवंश पंगालिया। हरवंश ने इंग्लैंड दौरे में यंग लॉयन्स के खिलाफ अपनी पारी से सभी को हैरान कर दिया है। हरवंश की बल्लेबाजी से ही भारतीय अंडर-15 टीम ये मैच जीतने में सफल भी रही। लफबरो में खेले गए इस वनडे मुकाबले में जब कप्तान आयुष म्हात्रे 1 और वैभव 17 रन ही बना सके। तो ऐसे समय में हरवंश ने आक्रामक बल्लेबाजी कर नाबाद 103 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने 52 गेंद की अपनी पारी में 8 चौके, 9 छक्के लगाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड यंग लॉयन्स के गेंदबाजों की लय बिगड़ गयी। हरवंश की इस पारी से साफ हो गया है कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हरवंश के पिता एक ट्रक ड्राइवर हैं और उनका परिवार अब कनाडा में रह रहा है। हरवंश के अलावा इस मैच में राहुल कुमार ने 73 रन, कनिष्क चौहान ने 79 रन और आर.एस. अम्बरीश ने 72 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में दीपेश देवेन्द्रन ने 3 विकेट लिए नमन पुष्पक और विहान मल्होत्रा ने 2-2 विकेट लिए। ऐस में तय है कि आने वाले समय में भारतीय टीम में जगह पाने के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

बांग्लादेश/श्रीलंका : जयसूर्या, डिसिल्वा का कहर, बांग्लादेश हार की कगार पर

कोलंबो (एजेंसी)। प्रभात जयसूर्या और धनंजय डिसिल्वा (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन बांग्लादेश के दूसरी पारी में 115 रन के स्कोर पर छह विकेट झटक अपनी जीत सुनिश्चित कर ली है।

श्रीलंका ने कल के दो विकेट पर 290 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह श्रीलंका का तीसरा विकेट सुबह के सत्र में पथुम निसंका के रूप में गिरा। पथुम निसंका ने 254 गेंदों में 19 चौकों की मदद से 158 रनों की पारी खेली। इसके थोड़ी देर बाद तैजुल इस्लाम ने कप्तान धनंजय डिसिल्वा (सात) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद कुसल मेंडिस को छोड़कर श्रीलंका के अन्य बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके।

प्रभात जयसूर्या (10) को नाहिद राणा ने आउट किया। सोनल दिनुशा (11), थरिंडु रत्नायके (10) रन बनाकर आउट हुए। कुसल मेंडिस ने 87 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से (84) रनों की पारी खेली। श्रीलंका की पूरी टीम ने 116.5 ओवर में 458 रन बनाये और 211 रनों की बढ़त हासिल कर ली। बांग्लादेश की ओर से तैजुल इस्लाम ने पांच और नईम हसन ने तीन विकेट लिये। नाहिद राणा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत एक बार फिर अच्छी नहीं रही और उसने 31 के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिए। अनामुल हक (19) और शादमान इस्लाम (12) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मोमिनुल हक (15) और नजमुल शांतो (19) को धनंजय डीसिल्वा ने अपना शिकार बना लिया।

बांग्लादेश का पांचवां विकेट मुशफिकुर रहीम (26) के रूप में गिरा। उन्हें प्रभात जयसूर्या ने बोल्ड आउट किया। आज के दिन का आखिरी विकेट मेहदी हसन मिराज (11) का गिरा उन्हें थरिंडु रत्नायके ने पगबाधा आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने समय बांग्लादेश 115 के स्कोर पर छह विकेट गवांकर हार की कगार पर है। लिटन कुमार दास (नाबाद 13) रन बनाकर क्रीज पर है। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या और धनंजय डिसिल्वा ने दो-दो विकेट लिए। असिता फर्नांडो और थरिंडु रत्नायके ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ट्विंकल चौधरी डोपिंग में पॉजिटिव पाए जाने के लिए निलंबित, इस साल राष्ट्रीय खेलों जीता था गोल्ड

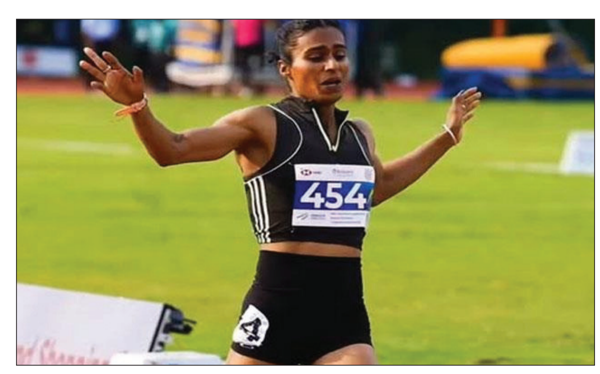

नई दिल्ली । राष्ट्रीय खेलों में कई पदक जीतने वाली मध्यम दूरी की धाविका ट्विंकल चौधरी को प्रतिबंधित स्टेरॉइड के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद ‘एथलेटिक्स इंटीग्रिटी’ इकाई (AE) ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इस 28 साल की धाविका ने साल के शुरू में उत्तराखंड में हुए राष्ट्रीय खेलों के चार गुणा 400 मीटर महिला रिले स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 800 मीटर दौड़ में रजत और चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले में कांस्य पदक भी जीता था। ट्विंकल को प्रतिबंधित एनाबोलिक स्टेरॉइड मिथाइलटेस्टोस्टेरोन का पॉजिटिव पाया गया है। एआईयू ने अपने अपडेट में कहा कि ट्विंकल को आरोपों का नोटिस जारी किया गया है। अगला कदम इस मामले की सुनवाई होगी जिसमें इस एथलीट को अपनी बात स्पष्ट करने का मौका मिलेगा। जालंधर की रहने वाली ट्विंकल ने अप्रैल में कोच्चि में 28वीं राष्ट्रीय महासंघ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 800 मीटर स्पर्धा में 2:00.71 सेकेंड के समय के साथ नया मीट रिकॉर्ड बनाया था। इस महीने के शुरू में उन्होंने ताइवान ओपन में 800 मीटर स्पर्धा में 2:06.96 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता था। मई में वह एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप की इसी स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही थीं। इस ताजा निलंबन से देश की मुसीबतें बढ़ना जारी है क्योंकि उसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डोपिंग का रिकॉर्ड बहुत खराब है। मई में भारतीय एथलीट स्नेहा कोलेरी को एनाबोलिक स्टेरॉइड स्टैनाजोलोल का पॉजिटिव पाए जाने के बाद निलंबित कर दिया था। हाल में जारी 2023 की जांच के आंकड़ों में जिन देशों ने 5000 या इससे अधिक नमूने की जांच कराई, उसमें भारत का रिकॉर्ड सबसे खराब रहा और उसका प्रतिशत 3.8 रहा था। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने 2023 में वैश्विक स्तर पर 204,809 नमूनों की जांच की थी जिनमें से 1,820 नमूने प्रतिबंधित पदार्थों के पॉजिटिव पाए गए थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में दिए गए फैसलों पर भड़के डैरेन सैमी, अंपायर पर लगाए गंभीर आरोप

बारबाडोस । ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में थर्ड अंपायर के फैसलों को लेकर चर्चा हो रही है। पहले मुकाबले में दो दिन के खेल में लगातार विवादित फैसलों को बहस में बदल दिया है। वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि अंपायर के ऐसे फैसले खेल को नुकसान पहुंचा रहे हैं और शक की गुंजाइश पैदा कर रहे हैं। ब्रिजटाउन में ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट में अब तक चार ऐसे डीआरएस फैसले लिए गए हैं, जिन पर खिलाड़ियों, कोच और कमेंटेटरों तक ने सवाल खड़े किए हैं। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान, जब ट्रेविस हेड के बल्ले से शमार जोसेफ की गेंद पर हल्का अंदरूनी किनारा लगा और विकेटकीपर शाई होप ने कैच लपका तो मामला थर्ड अंपायर के पास गया। अल्ट्रा एज मेंबल्ले से गेंद को टकराते हुए साफ देखा गया और होप ने सॉफ्ट कैच भी पकड़ा लेकिन थर्ड अंपायर ने पर्याप्त सबूत नहीं बताते हुए हेड को नॉटआउट करार दे दिया। इसके बाद दूसरे दिन की शुरुआत में रोस्टन चेज को जॉश हेजलवुड की गेंद पर अपील के बाद नॉटआउट दिया गया था। डीआरएस में थर्ड अंपायर ने माना कि गेंद पहले बैट से लगी थी, इसलिए उन्हें नॉटआउट करार दिया गया, लेकिन उसके बाद 50वें ओवर में चेज फिर पैट कमिंस की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट दे दिए गए। इस बार डीआरएस में अल्ट्रा एज पर स्पाइक्स थे, यानी बल्ले से गेंद छूती दिख रही थी फिर भी थर्ड अंपायर ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच गैप था और चेज को आउट करार दिया गया। इस फैसले पर कमेंटेटर इयान बिशप ने ऑन-एयर कहा कि, मैं इस फैसले से सहमत नहीं हूं क्योंकि गेंद पहले बैट से लगी है।

नीरज चोपड़ा ने विश्व रैंकिंग में फिर से पहला स्थान हासिल किया, पाकिस्तान के

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विश्व चैंपियन और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन के बाद ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स से पुरुषों की भाला फेंक विश्व रैंकिंग में अपना पहला स्थान फिर से हासिल कर लिया। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार विश्व एथलेटिक्स ने इस सप्ताह की शुरुआत में रैंकिंग को अपडेट किया जिसमें पीटर्स के 1,431 अंकों की तुलना में नीरज के अंक बढ़कर 1,445 हो गए। इसके अलावा पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 1,370 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

दोहा डायमंड लीग में 91.06 का थ्रो फेंकने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के जैकब वडलेज पांचवें स्थान पर हैं, जो बहुत ही प्रभावशाली शीर्ष पांच में जगह बनाते हैं।नीरज ने पेरिस ओलंपिक के तुरंत बाद सितंबर 2024 में पीटर्स से अपना शीर्ष स्थान खो दिया था, जहां उन्होंने 89.45 के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया और पीटर्स ने कांस्य पदक जीता।

नीरज के लिए वर्ष 2025 अविश्वसनीय रहा है, क्योंकि उन्होंने अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पोच आमंत्रण में जीत के साथ शुरुआत की और इसके बाद दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे जहां उन्होंने 90.23 मीटर के थ्रो के साथ पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया। उन्होंने उसी महीने पोलैंड में जानूस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में भी दूसरा स्थान हासिल किया और इस महीने पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में 88.16 मीटर और 85.29 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयासों के साथ लगातार खिताब के साथ अपनी जीत की राह फिर से शुरू की। नीरज ने इस साल अपने सभी चार मुकाबलों में पीटर्स को पछाड़ा जिससे उनके ग्रेनेडा प्रतिद्वंद्वी पर उनका सिलसिला जारी है। पिछली बार वह 2022 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान उनसे पीछे रहे थे, जब नीरज को 88.39 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था जबकि पीटर्स ने 89.91 मीटर का शानदार थ्रो किया था। कुल मिलाकर टोक्यो 2020 के स्वर्ण पदक विजेता ने प्रमुख भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में पीटर्स पर 16-5 से बढ़त बना ली है। दोनों के 5 जुलाई को बेंगलुरु में नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट में एक और आमने-सामने होने की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के दौरान वेस्टइंडीज के क्रिकेटर पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क - राष्ट्रीय पुरुष टीम का हिस्सा रहे वेस्टइंडीज के एक क्रिकेटर पर बलात्कार और यौन उत्पीड़न सहित यौन दुराचार के कई गंभीर आरोप लगे हैं। इन आरोपों की रिपोर्ट सबसे पहले गुयाना के आउटलेट कैएटूर न्यूज ने की थी और बाद में स्पोर्ट्समैक्स टीवी ने इसे और बढ़ा दिया। इस घटना में कम से कम ग्यारह महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से एक कथित तौर पर किशोरी है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब वेस्टइंडीज की पुरुष टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की महत्वपूर्ण सीरीज खेल रही है जिसका पहला टेस्ट वर्तमान में केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में चल रहा है। मैदान पर शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम अब मैदान के बाहर की एक समस्या से जूझ रही है जिसके कानूनी और प्रतिष्ठा संबंधी बड़े परिणाम हो सकते हैं। मुख्य आरोप गुयाना के बर्बिस की एक युवती ने लगाया था। उसके बाद से कई अन्य महिलाएं भी सामने आई हैं, जिन्होंने यौन उत्पीड़न, अनुचित व्यवहार और उत्पीड़न की घटनाओं का आरोप लगाया है। कम से कम 11 महिलाओं ने आरोप लगाए हैं। एक अखबार ने क्रिकेटर को बचाने के उद्देश्य से संभावित कवर-अप का आरोप लगाया है। कई पीड़ितों का मानना है कि अधिकारियों ने जानबूझकर मामले को दबा दिया है।